आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
20.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.15
सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 01:51 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 19 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 330, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 6 रुपये

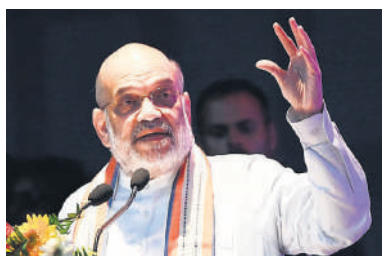

■ गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- अवैध प्रवासियों का रेड कारपेट पर हो रहा स्वागत
- 11

■ अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में बढ़ रही आगे : पीयूष गोयल
- 11

■ ट्रंप का फार्मूला: युद्धविराम की कीमत चुकाए यूक्रेन, रूस के कब्जे वाली अपनी जमीन छोड़े
- 15

■ आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में कोहली और रोहित पर रहेंगी नजरें
- 16

पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन अब ब्रह्मोस की पहुंच में : राजनाथ

रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने दुनिया को दिया भारत की ताकत का संदेश

● भारत माता की जयघोष से सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

ब्रह्मोस के अनावरण कार्यक्रम में मौजूद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, सांसद दिनेश शर्मा व अन्य।

अमृत विचार : धनतेरस के अवसर पर शनिवार को लखनऊ आत्मनिर्भर भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में निर्मित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ किया। 'भारत माता की जय' के घोष के बीच जब चार मिसाइलों का पहला जत्था रवाना हुआ, तो पूरा परिसर गौरव और देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अब पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की पहुंच में है। ऑपरेशन सिंदूर तो सिर्फ एक ट्रेलर था। उन्होंने कहा कि भारत अब 'टेकर' नहीं, बल्कि 'गिवर' की भूमिका में है। ब्रह्मोस आज भारत की स्वदेशी क्षमता और वैश्विक पहचान का प्रतीक बन चुका है। राजनाथ सिंह ने बताया कि केवल पांच महीनों में लखनऊ यूनिट ने रिकॉर्ड प्रोडक्शन कर मिसाइलों की पहली खेप तैयार की है। अगले वित्तीय वर्ष में यह इकाई तीन हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर और पांच सौ करोड़ जीएसटी राजस्व देगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ अब केवल तहजीब नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी और डिफेंस इंडस्ट्री का केंद्र बन गया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि धनतेरस पर इससे बड़ा 'धन' देश के लिए और क्या हो सकता है कि सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों को नई ताकत मिली है। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने ब्रूस्टर भवन का उद्घाटन, ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रदर्शन देखा और रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। डीजी (ब्रह्मोस) ने मुख्यमंत्री को 40 करोड़ रुपये का जीएसटी चेक सौंपा।

मित्र देशों की रक्षा के लिए सबसे सक्षम हथियार : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह क्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' संकल्प को साकार करने वाला है। कहा कि ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार है। योगी ने बताया कि लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे अब तक 15,000 युवाओं को रोजगार मिला है। सीएम ने कहा कि लखनऊ की भूमि अब राष्ट्र रक्षा, उद्योग, रोजगार और विकास को एक साथ साध रही है।

गरीब रथ एक्सप्रेस के डिब्बे में लगी आग, महिला घायल

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लग गई। रेलवे बोर्ड के अनुसार, इस घटना में एक महिला को मामूली चोटें आई हैं। घटना के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। आग सुबह करीब साढ़े सात बजे उस समय लगी जब ट्रेन (संख्या 12204) अमृतसर से आ रही थी। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रेन के एक एसी कोच में धुआं देखा गया। अधिकारी ने बताया कि एक यात्री ने ट्रेन रोकने के लिए अलार्म चेन खींची जिसके बाद यात्रियों को डिब्बे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग ने डिब्बे (जी-19) को जल्द ही अपनी चपेट में ले लिया। दो अन्य डिब्बों को भी मामूली नुकसान हुआ।

● यात्रियों ने अलार्म चेन खींचकर रोकी ट्रेन, तीन डिब्बे हुए प्रभावित

जीआरपी ने बताया कि तीनों डिब्बों को ट्रेन के बाकी हिस्सों से अलग कर दिया गया और दमकल गाड़ियों को तुरंत बुलाया गया। रेलवे बोर्ड ने बताया कि घटना में एक महिला को मामूली चोटें लगी हैं। जीआरपी सरहिंद के थाना प्रभारी रतन लाल ने बताया कि 32 वर्षीय महिला को कुछ चोटें आई हैं और उसे फतेहगढ़ साहिब के सिविल अस्पताल ले जाया गया है।

धनतेरस : बाजार पर बरसे एक लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

● सोने-चांदी सहित अन्य वस्तुओं की लोगों ने की जमकर खरीदारी

कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद धनतेरस पर सोने और चांदी की खरीदारी पर लोगों ने अनुमानित एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए। प्रमुख व्यापारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

इसके मुताबिक अकेले सोने और चांदी की कुल बिक्री 60,000 करोड़ रही, जो गत वर्ष की तुलना में 25% अधिक है। सोने की कीमतें सालाना आधार पर 60% बढ़कर 1,30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर चुकी हैं। इसके बावजूद खरीदार सर्राफा बाजारों में उमड़ पड़े। कैट के आभूषण खंड - अखिल भारतीय आभूषण एवं स्वर्णकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने कहा कि दो दिनों में आभूषण बाजारों में भीड़ देखी गई है। कैट ने कहा कि चांदी की कीमतें भी पिछले साल के 98,000 रुपये से 55% बढ़कर 1,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। व्यापारी निकाय के अनुसार सर्राफा के अलावा, बर्तनों और रसोई उपकरणों की बिक्री से 15,000 करोड़, इलेक्ट्रॉनिक्स और बिजली के सामानों से 10,000 करोड़ और सजावटी तथा धार्मिक सामग्रियों से 3,000 करोड़ की कमाई हुई। कैट के महासचिव और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने इस वृद्धि का श्रेय वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती और प्रधानमंत्री के स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने को दिया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, दीपोत्सव में पंचपर्वों का अनुपम समागम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।
☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

दीपोत्सव आज, जगमगा उठी अयोध्या

प्रभु श्रीराम के स्वागत के लिए अयोध्या नगरी सज-संवर चुकी है। चौक-चौराहे व मठ-मंदिर रंग बिरंगी रोशनी से जगमगा रहे हैं। रविवार को नौवें दीपोत्सव का आयोजन होना है। तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। राम की पैड़ी पर 28 लाख दीप बिछा दिए गए हैं। शाम 5:30 बजे एक साथ 26 लाख 11 हजार 101 दीपक प्रज्वलित कर पुनः रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में चरम पर तनाव

पाकिस्तान के हमलों में तीन क्रिकेटरों सहित 8 की मौत

काबुल, एजेंसी

● टी-20 त्रिकोणीय शृंखला नहीं खेलेगा अफगानिस्तान

अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में शुक्रवार रात पाकिस्तानी हवाई हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों सहित आठ की मौत हो गई। सुरक्षा अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सदस्यों के अनुसार उरगोन जिले में यह हवाई हमला शुक्रवार देर रात हुआ जिसमें सात अन्य लोग घायल हो गए हैं।

खिलाड़ियों की पहचान कबीर, सिघबतुल्लाह और हारून के रूप में की गई है। बोर्ड के अनुसार जब यह हमला हुआ, तब खिलाड़ी प्रांतीय राजधानी शरण में एक दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलकर घर लौट रहे थे। बोर्ड ने इन मौतों को अफगानिस्तान के खेल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति बताया। एसीबी ने विरोध के रूप में नवंबर के अंत में होने वाली टी20 अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय शृंखला से हटने की घोषणा की है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल था। यह हमला दोनों देशों के बीच विशेष रूप से पक्तिका और खोस्त प्रांतों में सीमा पार झड़पों में तेजी से वृद्धि के बीच हुआ है। सप्ताह के मध्य से ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस्लामाबाद ने काबुल पर टीटीपी के आतंकवादियों को पनाह देने और उन्हें अपनी धरती पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लगाया है, जबकि अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान के सीमा पार हवाई अभियानों और अफगान नागरिकों के साथ उसके अपमानजनक व्यवहार की निंदा की है।

बस और वैन की टक्कर चालक समेत 3 की मौत

संवाददाता, बरेली/भुता

● बीसलपुर मार्ग पर शुक्रवार रात 1:30 बजे हुआ सड़क हादसा
● कटर से काटकर निकाले गए सभी शव, 10 लोग गंभीर घायल

अमृत विचार : बरेली-बीसलपुर मार्ग पर भुता थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात टूरिस्ट बस और ईको गाड़ी में आमने-सामने से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ईको चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई और ईको सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने ईको को कटर से काट कर शवों को बाहर निकाला।

मृतकों की पहचान कार चालक गांव खगड़िया, थाना दियोरिया पीलीभीत निवासी राकेश (30), गांव लाम्हुआ, थाना दियोरिया के गौरव (19) और परेवातुर्रा, थाना बिलसंडा पीलीभीत निवासी जितेंद्र (32) के रूप में हुई। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि बरेली-बीसलपुर मार्ग पर गांव मरेला चौकी के पास मिर्ची ढाबा के सामने शुक्रवार देर रात 1:30 बजे बीसलपुर की ओर से आ रही टूरिस्ट बस और बरेली की ओर से जा रही ईको कार में आमने-सामने से टक्कर हो गई। ईको कार में चालक समेत 13 लोग सवार थे। हादसे में चालक सहित तीन की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। टीम ने शवों को किसी तरह से बाहर निकाला और घायलों को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

छह लोगों की प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई और गंभीर रूप से घायल चार लोगों का इलाज चल रहा है। भुता थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि ईको कार में सवार सभी मथुरा, सिकंदराबाद, हरियाणा समेत कई राज्यों में मजदूरी करते हैं। दीपावली के मौके पर अपने घर को जा रहे थे।

इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन का प्रतीक बन रहा उत्तर प्रदेश: राजनाथ

रक्षा मंत्री ने पीटीसी इंडस्ट्रीज में टाइटेनियम और सुपर एलॉय मटेरियल प्लांट्स का किया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लखनऊ स्थित पीटीसी इंडस्ट्रीज का भ्रमण किया और यहां बने विश्वस्तरीय टाइटेनियम और सुपर एलॉय मटेरियल प्लांट्स का लोकार्पण किया। उन्होंने इसे भारत के डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की दिशा में माइलस्टोन बताते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट केवल मटेरियल नहीं बना रहा, बल्कि भारत की तकनीकी संप्रभुता की नींव रख रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन का प्रतीक बन गया है। दस वर्ष पहले यह कल्पना भी कठिन थी कि यहां इतनी हाई-टेक इंडस्ट्रीज स्थापित होंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बेहतर कानून-व्यवस्था, स्थिर नीतियां और निवेशक-हितैषी माहौल ने उद्योगों का भरोसा बढ़ाया है। अब निवेशक घबराते नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को अवसर की भूमि मानते हैं। राजनाथ सिंह ने बताया कि टाइटेनियम और सुपर एलॉय जैसे स्ट्रैटेजिक मटेरियल्स डिफेंस, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स और मेडिकल उपकरणों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका स्वदेशी उत्पादन भारत को आयात निर्भरता से मुक्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल 'मेक इन इंडिया' नहीं, बल्कि 'डिज़ाइन, डेवलप और डिलीवर इन इंडिया' के युग में प्रवेश कर चुका है।

पीटीसी इंडस्ट्रीजत में सिंबोलिक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी ऑफ सिस्टम इंटीग्रेशन फैसिलिटी कार्यक्रम में सम्मिलित होते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

आत्मनिर्भरता की नई उड़ान का केंद्र पीटीसी इंडस्ट्रीज

लखनऊ के इस डिफेंस नोड में विकसित यह यूनिट भारत की पहली निजी सुविधा है जो टाइटेनियम और सुपर एलॉयज के ग्लोबल लेवल प्रोडक्शन की क्षमता रखती है। यहां री-मेल्टिंग और रीसाइकलिंग दोनों तकनीकें एक ही कैंपस में मौजूद हैं। यह न केवल भारत की रक्षा उत्पादन आत्मनिर्भरता को सशक्त कर रहा है, बल्कि दुनिया को दिखा रहा है कि भारत अब निर्माण नहीं, इतिहास रच रहा है।

आत्मनिर्भर भारत अब विचार नहीं, साकार हकीकत है : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार। रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रदेश ने शनिवार को एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस परिसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीटीसी इंडस्ट्रीज की सिस्टम इंटीग्रेशन फैसिलिटी का सिंबोलिक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी कर प्रदेश में रक्षा उत्पादन की नई नींव रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि साकार होती हकीकत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत अब अपने रक्षा उत्पादन में आत्मविश्वास से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत, जो कभी अपनी सुरक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर था, आज न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है बल्कि मित्र देशों की रक्षा जरूरतों में भी भागीदार बन चुका है। यह आत्मनिर्भरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का भी बड़ा माध्यम है।

योगी ने कहा कि पीटीसी इंडस्ट्रीज ने 50 एकड़ भूमि पर 1000 करोड़ रुपये का निवेश कर अपने संकल्प को धरातल पर उतारा है। यहां रक्षा उद्योग के लिए स्ट्रैटेजिक मैटेरियल से लेकर रेडी-टू-फिट क्रिटिकल कंपोनेंट तक तैयार करने की क्षमता विकसित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह न केवल उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ी छलांग है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और नवाचार के अवसर भी खोलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अद्भुत प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में जो सपना प्रधानमंत्री ने देखा था, वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' विजन को नई गति दे रहा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के छह नोड्स में रक्षा उद्योग तेजी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि "हमारे पास पर्याप्त भूमि बैंक है, तकनीकी सहयोग के लिए आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू और एकेटीयू जैसे संस्थान हमारे साथ हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने ब्रह्मोस की शक्ति सिद्ध की : रक्षा मंत्री

लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय लिखा गया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थानीय इकाई से सुपरसोनिक मिसाइलों के पहले बैच की डिलीवरी के साथ यूपी अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के नक्शे पर और मजबूत हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में जिस यात्रा की शुरुआत हुई थी, वह अब 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

फ्लैग आफ सेरेमनी में मौजूद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पर्यावरण से भी 'शौर्य' गाथा कहेगी 'ब्रह्मोस'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार : अब 'ब्रह्मोस' सिर्फ भारत की सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की मिसाल भी बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में भटगांव स्थित ब्रह्मोस फैसिलिटी के परिसर में 30 एकड़ भूमि पर एक विशाल 'ग्रीन बेल्ट' विकसित की गई है। इसका नाम 'शौर्य वन' रखा गया है, जो भारत की सैन्य वीरता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक बनेगा। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस 'शौर्य वन' में पौधरोपण कर नई परंपरा की शुरुआत की। दोनों नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत रुद्राक्ष का एक-एक पौधा रोपित किया। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में चल रही पर्यावरणीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल हरियाली नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षा का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी ने 'शौर्य वन' के स्वरूप को और वृहद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी सामरिक परियोजनाएं केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा की दृष्टि से भी उदाहरण बनें यही उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता है। लखनऊ के प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय ने बताया कि ब्रह्मोस फैसिलिटी के परिसर में अब तक 20 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं। इन पौधों में आम, नीम, आंवला, मौलश्री, अमरूद, अर्जुन और शीशम जैसे देशी वृक्ष शामिल हैं। परिसर के चारों ओर बांस की परिधीय पौधारोपण पट्टी तैयार की गई है, जिससे प्राकृतिक सुरक्षा और हरियाली दोनों सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने बताया कि शौर्य वन' का नामकरण भारतीय सेना के साहस और ब्रह्मोस परियोजना की वीरता को समर्पित है।

उपकरण देखते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

- **ब्रह्मोस फैसिलिटी के 30 एकड़ में विकसित की गई 'ग्रीन बेल्ट'**

मौलाना साएम मेहंदी फिर बने शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना साएम मेहंदी को दोबारा तीन साल के लिए अध्यक्ष चुना गया। बोर्ड की बैठक शनिवार को विक्टोरिया स्ट्रीट स्थित शिया पीजी कालेज में हुई।

मौलाना साएम मेहदी ने केन्द्र सरकार से वक़्फ़ संशोधन अधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग की। बैठक में महासचिव मौलाना यासूब अब्बास, मौलाना एजाज़ अतहर, मौलाना सैय्यद अनवर हुसैन रिजवी, मौलाना जाफर अब्बास, मौलाना रज़ा अब्बास, मौलाना फसी हैदर (मुज़फ्फरनगर), मौलाना इन्तिज़ान हैदर, मौलाना सै. हसन मेहदी मारपुरी, मौलाना इसहाक रिज़वी, मौलाना डॉ. मोहम्मद रज़ा, मौलाना अली मियां, मौलाना गुलाम पंजेतन मुसय्यब, मौलाना सैय्यद मोहम्मद मुस्लिम आदि थे।

बैठक में साएम मेहंदी का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

पूरे देश में मतदाताओं के बीच पैठ बनाएगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने स्पष्ट किया है कि पार्टी अब केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों में भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करेगी।

इसके लिए 19 अक्टूबर को लखनऊ में माल एवेन्यू स्थित कार्यालय में बैठक बुलाई गई है, जिसमें उप्र. व उत्तराखंड को छोड़कर अन्य विभिन्न राज्यों के प्रांतीय पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। कार्यालय प्रभारी ने शनिवार को बताया कि बैठक का उद्देश्य सर्वसमाज के बीच बसपा का जनाधार बढ़ाना और आगामी चुनावों को लेकर जमीनी रणनीति तैयार करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को एकजुट होने को कहा है।

राहुल गांधी पटरी से उतरे हुए दलितों के नाम पर कर रहे राजनीति : ब्रजेश पाठक

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी को भ्रमित बताते हुए रायबरेली में हरिओम की हत्या पर कांग्रेस की राजनीति की आलोचना की। पाठक ने कहा कि भाजपा दलित स्वाभिमान के लिए लड़ रही है और यूपी में दलित समाज सुख-चैन से जी रहा है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं।

उन्होंने फतेहपुर के पीड़ित परिवार को न्याय और दोषियों को कड़ी सजा का आश्वासन दिया। पाठक ने राहुल गांधी को सामाजिक विभाजन न करने की सलाह देते हुए कहा कि सनातन भाजपा के साथ एकजुट है। पाठक ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दलित स्वाभिमान की लड़ाई प्राथमिकता से लड़ रही है। आज उत्तर प्रदेश में दलित समाज, पिछड़ा समाज सुख चैन की जिंदगी जी रहे हैं और जीवन के हर पहलू में उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिल है।

कांग्रेस सरकारों की आलोचना करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को याद करना चाहिए कि जब उनकी सरकारें थीं, वह चाहे उत्तर प्रदेश हो या आज भी कर्नाटक, हिमाचल या तेलंगाना जैसे राज्य-वहाँ दलितों का क्या हाल है। कांग्रेस की सरकारें दलितों पर अत्याचार की सारी सीमाएं लांघ चुकी हैं। आज पीएम मोदी के मार्गदर्शन में बेहतर ढंग से यूपी सरकार काम कर रही है।

बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक नहीं स्टार विभाजक बनकर गए हैं योगी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा, अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति पर चलती है। भाजपा का एनडीए निगेटिव गठबंधन है। भाजपा डिवाइड एण्ड रूल के रास्ते पर चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक नहीं, स्टार विभाजक बनकर गए हैं। बिहार के लोग साम्प्रदायिक लोगों को कभी नहीं स्वीकार करते हैं। सपा प्रमुख, शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसकांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर भेदभाव हो रहा है। इस सरकार में शिक्षा विभाग, शिक्षण संस्थाओं से लेकर ट्रांसफर पोस्टिंग सब जगह भेदभाव हो रहा है। भेदभाव का झगड़ा बहुत पुराना है। पीडीए इसी पीड़ा के सूत्र से बंधा हुआ है। सपा भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि बैंकों में गरीबों के जो खाते खुलवाए गये थे इस सरकार ने उनका सारा पैसा अपने पास रख लिया। स्मार्टसिटी के नाम पर आया बजट लूट लिया गया है। लखनऊ में जगह-जगह कूड़ा है। नाले भरे पड़े हैं।

सफाई नहीं है। प्रदेश के बड़े शहरों में यातायात स्थिति बेहद खराब है। हर शहर में जाम की स्थिति है। भाजपा सरकार बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में बेचना चाहती है, मगर बेच नहीं पा रही है। आज जो भी बिजली मिल रही वह सपा सरकार में लगाए गए बिजली घरों से मिल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जमींनों की बड़े पैमाने पर लूट हो गयी।

राम की नगरी में 56 घाटों पर एक साथ प्रज्ज्वलित होंगे 26 लाख 11 हजार 101 दीपक

आज पधारेंगे राजाराम, दीपोत्सव पर आतुर अलौकिक अद्भुत अयोध्या

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : आज 19 अक्टूबर को, राम की नगरी फिर से त्रेता युग की तरह जगमगा उठेगी। लाखों दीयों की चमक में डूबे 56 घाटों पर, जहां कभी भगवान राम का स्वागत हुआ था, आज फिर वही उत्सव रचने को तैयार है। इस बार यह सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि इतिहास रचने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में चल रही यह तैयारियां न सिर्फ आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाने का संकल्प भी।

मां सरयू की आरती करतीं मातृ शक्तियां व विद्यार्थी। ● अमृत विचार

राम की पैड़ी पर शनिवार को 32 हजार स्वयंसेवक जुटे थे। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के छात्रों से लेकर स्थानीय सामाजिक संगठनों तक, हर कोई दीयों की पंक्तियां सजा रहा था। हमारा लक्ष्य 28 लाख दीये जलाना है बताते हुए नोडल अधिकारी प्रो. संत शरन मिश्रा ने कहा राम की पैड़ी पर अकेले 15-16 लाख दीये चमकेंगे, जो सरयू को सोने की नदी बना देंगे।

अयोध्या की इस तैयारी में 22 समितियां सक्रिय हैं, जो सुरक्षा से लेकर स्वच्छता तक हर मोर्चे पर तैनात हैं। पर्यटकों के लिए विशेष पार्किंग, शौचालय और साफ-सफाई की पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ट्रैफिक डायवर्जन से लेकर जीरो-वेस्ट अभियान तक, सब कुछ 'स्वदेशी' और 'पर्यावरण-अनुकूल' है।

राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में भी एक लाख से अधिक दीये, मालाएं और फूल सजाए जा रहे हैं। हर वार्ड में 1,500 दीये बांटे जा रहे हैं ताकि पूरा शहर रोशन हो। एक युवा स्वयंसेवक पर, जो घाट पर ब्लॉक चिह्नित कर रहा था। वह बोला हर ब्लॉक 4.5 वर्ग फुट का है, बीच में 2.5 फुट का रास्ता है। यह व्यवस्था सिर्फ दीयों की ही नहीं, बल्कि भव्य महाआरती की भी है, जिसमें 2,100 साधु-संत भाग लेंगे। यह संख्या खुद एक विश्व रिकॉर्ड बनेगी, जो पिछले साल की आरती को पीछे छोड़ देगी। साथ

56 घाटों पर सजे 28 लाख दिये

अयोध्या, अमृत विचार : दीपोत्सव 2025 के लिए केवल 72 घंटे में 32000 हजार स्वयं सेवकों ने रामनगरी के 56 घाटों पर 28 लाख से अधिक दिए सजा दिए हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की 30 सदस्यों की टीम ने शनिवार दो बजे से दीपों की गणना शुरु कर दी है। दीपोत्सव के नौवें संस्करण को सफल बनाने के लिए रविवार को सांय 5 :30 बजे से एक साथ 26 लाख 11 हजार 101 दीपक प्रज्वलित कर पुन : रिकॉर्ड बनाया जाएगा। कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने सुबह 11 बजे सभी घाटों का सघन निरीक्षण कर दीपों को बिछाए जाने का कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित और शाम को सूचना के बाद पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि 19 अक्टूबर को दीपोत्सव के दिन दीए में तेल भरने के लिए एक-एक लीटर सरसों के तेल की बोतल उपलब्ध कराई जायेगी।

पिकअप और ट्रैक्टर की भिड़ंत, 4 श्रमिकों की मौत

नानकमत्ता। नेशनल हाइवे पर पिकअप और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने भिड़ंत में अमरोहा (उत्तर प्रदेश) निवासी चार श्रमिकों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह भीषण हादसा शनिवार सुबह करीब नौ बजे हुआ। नानक सागर पुलिस चौकी के पास नेशनल हाइवे के तिराहे पर सितारगंज से खटीमा की ओर जा रहे मुर्गियों से लदे पिकअप वाहन की खटीमा की ओर से नानकमत्ता की तरफ आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटकर सड़क से नीचे खड्डे में जा गिरी। ट्रैक्टर ट्रॉली में 6-7 श्रमिक सवार थे। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल श्रमिकों को जिला चिकित्सालय खटीमा पहुंचवाया, जहां से उन्हें हल्द्वानी के डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) रेफर कर दिया गया।

● **नानकमत्ता में हादसा, अमरोहा के थे चारों लोग एक की हालत गंभीर**

चौकी प्रभारी रविंद्र पंत के अनुसार, अमरोहा के गांव उधमपुर (थाना उधमपुर) निवासी ट्रैक्टर चालक अखिलेश, संभल के गांव हसनगढ़ (थाना अचौड़ा) निवासी जयवीर, थाना हसनपुर के गांव हसनपुर निवासी शिवपाल सिंह और गुरमुख की उपचार के दौरान मौत हो गई। जयवीर सिंह निवासी संभल की हालत गंभीर है। दो अन्य श्रमिकों को प्राथमिक उपचार दिलाया गया।

शामली में एक लाख का इनामी मुठभेड़ में ढेर

हिस्ट्रीशीटर नफीस कभी चलाता था नकली नोटों का नेटवर्क

शामली, एजेंसी

शुक्रवार की देर रात कांधला पुलिस के साथ गांव भभीसा के जंगल में हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी हिस्ट्रीशीटर नफीस उर्फ मुदा मारा गया। वह शामली में साली की शादी में आयाउस पर लूट, गैंगस्टर, जानलेवा हमले और नकली करेंसी समेत 34 मुकदमे दर्ज थे। वह तीन मामलों में वांछित चल रहा था। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कांधला पुलिस भभीसा चौकी पर चेकिंग कर रही थी। उसी समय बाइक पर दो संदिग्ध लोगों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वे पुलिस टीम पर फायर करते हुए भाग निकले। पुलिस ने पीछा किया तो जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका साथी मौके से भाग गया। एसपी ने बताया कि मारा गया बदमाश नफीस कांधला के मोहल्ला खेल का निवासी था। शामली के कांधला में मुठभेड़ में मारा गया नफीस कभी आम का बाग ठेके पर लिया करता था। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, वर्ष 1990 में उसने पहली वारदात की थी। एसपी ने बताया कि नफीस जाली नोटों के गिरोह का भी हिस्सा था। वहपाकिस्तान से नकली नोट की तस्करी कर पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आपूर्ति करता था। आठ माह पहले पकड़े गए गिरोह में उसका नाम सामने आया था।

मौके पर मौजूद पुलिस, इंसेट में नफीस।

न्यायालय की छठी मंजिल से कूदकर स्टेनो ने दी जान

कानपुर, अमृत विचार: सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट की महिला स्टेनो ने शनिवार दोपहर न्यायालय की छठीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। जमीन पर खून से लथपथ स्टेनो को देखकर कचहरी में हड़कंप मच गया। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने उर्सला पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

चर्चा रही कि किसी मामले की पैरवी को लेकर वह परेशान थीं, जिसके चलते यह कदम उठाया। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं नाना ने साथी कर्मचारियों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया, जिसकी पुलिस ने जांच कर रही है।

हाईकोर्ट ने कहा-अंतरधार्मिक जोड़े को तुरंत अवैध हिरासत से आजाद करो

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में पुलिस ने उस अंतरधार्मिक जोड़े को शनिवार को अदालत में पेश किया जिन्हें 15 अक्टूबर को अदालत परिसर छोड़ने के बाद हिरासत में ले लिया गया था। इस कपल में युवक शाने अली बरेली का रहने वाला है।

किसी निर्देश या आदेश के बगैर युगल को हिरासत में लिए जाने को अदालत ने अवैध हिरासत करार लिया और निर्देश दिया कि अंतरधार्मिक युगल- शाने अली और रश्मि को तत्काल प्रभाव से रिहा किया जाए। उक्त निर्देश के साथ अदालत ने कहा कि लड़की बालिग है और पुलिस या उसके पिता द्वारा उसे हिरासत में नहीं लिया जा सकता। अदालत ने अंतरधार्मिक युगल को पेश करने वाले अलीगढ़ के अकराबाद थाना के जांच अधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि दोनों को उनके गंतव्य तक सुरक्षा दी जाए।

● **बरेली का रहने वाला है युवक पुलिस ने अंतरधार्मिक युगल को कोर्ट में पेश किया**

अदालत ने कहा कि पुलिस या राज्य के अधिकारी केवल कानून के तहत किसी व्यक्ति को हिरासत में ले सकते हैं। सामाजिक दबाव में और बिना कानूनी अधिकार के हिरासत में लेना अवैध है। पीठ ने कहा कि लड़के और लड़की की स्वतंत्रता की रक्षा करने के अपने दायित्व का निर्वहन करने में विफल अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे पूर्व, अदालत के निर्देश पर उच्च न्यायालय की विशेष पीठ के समक्ष अंतरधार्मिक युगल को पेश किया गया। यह पीठ खासतौर पर इस मामले के लिए शनिवार को बैठी। दरअसल जोड़े ने बताया कि 15 अक्टूबर को हाईकोर्ट से लौटते समय लड़की के पिता व कुछ लोगों ने पुलिस की मदद से उनका अपहरण किया, 17 अक्टूबर को दोनों को मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया गया था

अदालत ने प्रयागराज के पुलिस आयुक्त, अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को अंतरधार्मिक युगल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि युगल के एक साथ रहने में कोई अतिरिक्त कानूनी बाधा नहीं है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तिथि 28 नवंबर तय करते हुए अलीगढ़ के एसएसपी को जांच रिपोर्ट के साथ अदालत के समक्ष पेश होने का भी निर्देश दिया।

सीसी रोड और तालाब की सुरक्षा दीवार बनेगी

आलमपुर जाफराबाद क्षेत्र पंचायत की बैठक में 6 करोड़ के प्रस्ताव पास, विधायकों ने बताईं सरकार की उपलब्धियां

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : आलमपुर जाफराबाद ब्लाक सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक में प्रधानों व बीडीसी ने गांवों में सीसी रोड, खड़ंजा और तालाबों की सुरक्षादीवार बनाने की मांग रखी। बैठक में रखी गई मांगों का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिया।

छह करोड़ के कार्यों के प्रस्ताव पास किये गये। बैठक में प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में पहुंचे एमएलसी कुंवर महाराज सिंह व एमएलसी बहुरन लाल मौर्य, बिथरी विधायक डॉक्टर राघवेंद्र शर्मा ने प्रदेश सरकार की योजनाओं को बताते हुए इसका लाभ लेने की बात कही। इस दौरान पूर्व ब्लाक प्रमुख वेद प्रकाश यादव, रामेंद्र प्रताप सिंह, विजेंद्र शर्मा सहित ब्लाक प्रमुख आरती यादव व आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह सहित धर्मपुर प्रधान राजेंद्र व टिकूरी बीडीसी इंद्रपाल, सरारी प्रधान विनीता देवी, सिकरौडा प्रधान मुन्नालाल, ग्राम प्रधान भमोरा भगवान दास गौरव, प्रधान मझरा नाथू बिकल, प्रधान नगला चंद्रभान, प्रधान खेड़ा धर्मेश राजपूत आदि रहे।

आलमपुर जाफराबाद क्षेत्र पंचायत की बैठक में मौजूद ब्लाक प्रमुख व विधायक।

- **बीडीसी व प्रधानों ने खड़ंजा व मार्ग बनवाने की मांगें रखीं**

फतेहगंज पश्चिमी में डेढ़ करोड़ के प्रस्ताव पारित अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी दी

मीरगंज, अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी ब्लाक के बीडीसी और प्रधानों ने क्षेत्र पंचायत के द्वारा हुए विकास कार्य की प्रशंसा की है। बैठक में डेढ़ करोड़ के 40 कार्यों के प्रस्ताव पारित किये गये। इस दौरान ब्लाक के सभी गांवों में छोटी नाली से लेकर पुलिया और सीसी रोड बनाने के कार्य भी शामिल किये गये हैं। कुछ प्रधानों ने मार्ग पर खड़ंजा डलवाने की मांग की। उस कार्य को भी प्रस्ताव में शामिल किया गया है। शनिवार को ब्लाक सभागार में ब्लाक प्रमुख किरन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से डेढ़ करोड़ के विकास कार्य के प्रस्ताव पारित किये गये। बैठक में अफसरों ने अपने अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी बीडीसी व प्रधानों को दी। एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, विधायक डा. डीसी वर्मा ने मोदी सरकार व योगी सरकार द्वारा जनहित के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और जनता को इसका लाभ लेने के लिए आगे आने को कहा। उन्होंने प्रधानों और बीडीसी से कहा कि वे गांव में जरूरतमंदों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में आगे आएं। बैठक का संचालन सुरेंद्रवीर गंगवार ने किया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सत्येन्द्र यादव, राजकुमार शर्मा, ममता गंगवार, बीडीओ आशीष पाल, एडीओ पंचायत वीपी सिंह, मुनीश कुमार, शीतल गुप्ता, संचित शर्मा, आलोक कुमार, राजन बाबू, विकास रविन्द्र, सौरभ कुमार, आदि रहे।

गांव में लगी आग, छह झोपड़ियां राख

नवाबगंज, अमृत विचार: शनिवार रात गांव नाबादा में अचानक लगी आग से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि महावत बस्ती में शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी, जिससे छह से ज्यादा झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही एसडीएम उदित पवार व फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुँची और आग पर काबू पाया गया। आग से गरीब परिवारों के घर, बिस्तर, राशन और घरेलू सामान जलकर राख हो गए। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों को कंबल और राशन सामग्री वितरित की। सीओ नीलेश मिश्र व कोतवाल भी राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लेने पहुँचे।

पत्नी की अश्लील वीडियो बनाकर की वायरल

संवाददाता, फरीदपुर

- **थाने में सास व बहू के बीच हुई तू-तू मैं-मैं, पुलिस ने किया अलग**
- **छह माह पूर्व हुई शादी, पति पर दूसरी महिला से संबंध का आरोप**

अमृत विचार : पति द्वारा पत्नी की पोर्न फिल्म बनाकर सोशल मीडिया पर लोड करने का विरोध करने पर पति ने पत्नी को पीटकर घर से निकाल दिया। मायके वालों के साथ थाने पहुंची। नवविवाहिता को पुलिस में शिकायत न दर्ज कराने को मनाने के लिए सास व ग्राम प्रधान सहित अन्य कई लोग थाने पहुंचे। वहां भी सास और बहू में तू तू मैं मैं होने लगी। पुलिस ने कार्रवाई का खौफ दिखाकर दोनों को अलग किया।

शाहजहांपुर के थाना निगोही निवासी युवती की शादी फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में लगभग 6 माह पहले हुई है। महिला ने बताया कि उसके पति के पहले से ही किसी दूसरी महिला से संबंध हैं, जिनसे वह फोन पर भी बात करता है। पत्नी द्वारा समझाने पर कि अब वह किसी अन्य महिला से बात न करें और वह शादीशुदा है। इस पर पति ने उसके साथ मारपीट की, हद तो तब हो गई जब वह पत्नी की पोर्न वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर लोड करने लगा। इसका विरोध किया तो पत्नी को पीट दिया गया। बहू को बचाने आई सास को भी उसके बेटे ने पीट दिया। महिला द्वारा मायके वालों को सूचना दी गई। शनिवार को महिला का भाई बहन को लेकर फरीदपुर कोतवाली पहुंचा। बहू के थाने पहुंचने की सूचना पर ससुराल वाले भी बहू को मनाने के लिए प्रधान को साथ लेकर थाने पहुंच गये। वहां सास और बहू आपस में भिड़ गईं। पुलिस ने उनको कार्यवाही का खौफ दिखाकर अलग किया।

प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि इस मामले में कोई तहरीर नहीं आई है।

कार की टक्कर से पूर्व प्रधान के पुत्र की मौत

नवाबगंज, अमृत विचार: सड़क हादसे में शनिवार को युवक की मौत हो गई। युवक पीलीभीत का रहने वाला था और यहां खरीदारी करने आया था। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। चालक फरार हो गया है। शाम छह बजे गरगईया गांव में कार ने बाइक को टक्कर मारी इससे पीलीभीत के थाना जहानाबाद क्षेत्र के गाँव चाँदडांडी निवासी प्रवेश कुमार (26) की मौत हो गई। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। उसके पिता महेन्द्र कुमार गाँव के पूर्व प्रधान थे।

घर में घुसकर युवक को पीटा 8 के खिलाफ तहरीर दी

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : घर का दरवाजा तोड़कर लाठी डंडे और धारदार हथियार लेकर घर में घुसकर युवक को पीट कर घायल कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर अवस्था में घायल को सीएचसी भेजा जहां से उसे बरेली रेफर कर दिया गया है। पीड़ित की पत्नी ने तीन नामजद व पांच अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहल्ला निवासी ममता शर्मा ने तहरीर में बताया कि बीती रात मोहल्ले के ही आशीष, प्रियंक, मीनू, पांच अज्ञात लोगों के साथ दरवाजा तोड़कर घर में घुस आए और मुकेश के साथ लाठी ठंडा धार हथियार से मारपीट करने लगे। उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार किया। इससे वह जमीन पर गिर पड़े। उसे बचाने आई ममता को भी हमलावरों ने पीटकर घायल कर दिया और उसके गले में पड़ी सोने की चेन भी लूट ले गये।

पीड़िता घायल पति को लेकर सीएचसी लेकर पहुंची वहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए बरेली रेफर कर दिया गया है। मुकेश की पत्नी ने तीन नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं हुई तो होगी कार्रवाई

शेरगढ़, अमृत विचार : प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पंजीकृत छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन उपस्थित लगाने में लापरवाही बरतने वाले प्रधानाध्यापकों एवं इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन नोटिस जारी किए जाने के साथ ही अनुशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यह बात बीईओ मुकेश भारती ने विद्यालय के निरीक्षण के बाद कही।

वह शनिवार को ब्लाक के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में टैबलेट से लगाई जा रही ऑनलाइन हाजिरी को देखा। उन्होंने टैबलेट चलाने के तौर तरीकों को देखने के लिए शिक्षकों से टेबलेट चलवाकर देखा।

भैंस चराने गया किशोर डूबा

फरीदपुर, अमृत विचार : भैंस चराने गए किशोर रामगंगा नदी में डूबने से देर रात तक नहीं लगा। शनिवार तहसील क्षेत्र के गांव गोविंदपुर निवासी नीलेश (16) पुत्र महावीर जो रामगंगा किनारे भैंस चराने गया था। रामगंगा में भैंस नहलाने को उतरे नीलेश डूब गया। समाचार लिखे जाने तक का नीलेश का पता नहीं लग सका।

अलीगंज में करंट से महिला की मौत

राजपुर कलां/ अलीगंज : थानाक्षेत्र के हाफिजगंज गांव में पानी के मोटर से करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, महिला रेनू पानी निकालने वाली मोटर का तार हटा रही थी। तार में करंट आने से वह झुलस गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, मैंने अपने पुत्र मो. अशरफ, मो. सरीफ व पुत्रवधू सितारा व सोनम को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **मो. हफीज पुत्र अब्दुल रहमान नि. मोहल्ला मस्जिद पो. बिलसंडा जिला पीलीभीत**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

NSHH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीर वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूं रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9756905552, 8445507002

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न ● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा) ● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य ● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

BTE CODE- 2356 PCI CODE- 5627
अन्तिम अवसर 15000 सेमेस्टर में जल्द पायें अपना प्रवेश
डी.फार्मा अन्तिम प्रवेश सत्र 2025-26
निहाल श्याम ग्रुप ऑफ इंसटीट्यूशन्स, बरेली
मान्यता फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली
सम्बद्धता, बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशनल उत्तर प्रदेश, लखनऊ | एम.जे.पी.आर.यू., बरेली
पहले आओ .... पहले पाओ डी फार्मा में प्रवेश के अंतिम अवसर मात्र 15000 सेमेस्टर* में लें अपना प्रवेश
सीमित सीट्स - जल्दी संपर्क करें
पेपर की कटिंग लाने वाले को विशेष छूट
डी.फार्मा EWS के लिए विशेष छूट
Mobile: 9756858240, 9499496682, 9997600199

ELISTA IS PROUD TO ANNOUNCE THE GST BENEFITS
elista Smart Cooling, Comfortable Living!
LED 43 14990/-
UHD 55- 28900/-
UHD 65- 39990/-
UHD 75- 59990/-
32" - 7990/-
22nd Sept. Onwards Grab the deals before stock lasts....
Make in India Now in 17+ Countries
Big TV's with Bigger GST Rebate... Double Diwali Bonus
ERA® RADIOS
● Civil Lines, Ayub Khan Crossing, Bareilly ● DD Puram Stadium Road, Bareilly
Mob : 8475009751, 8475009727, 8475009759

गांधी शिल्प बाजार (जिला)
दिनांकः 13 अक्टूबर 2025 से 19 अक्टूबर 2025 तक
समयः- प्रातः 10:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक
प्रवेश निःशुल्क
आज अन्तिम दिन
स्थानः- अर्बन हाट, सिविल लाइन्स, बरेली
सम्पूर्ण भारत वर्ष का हस्तशिल्प एण्ड हैण्डलूम आइटम
जैसे- बरेली का बांस वेंत का फर्नीचर, भदोई का कारपेट, अमरोहा की ज्वैलरी, मुरादाबाद का आर्ट मैटल वेयर, फिरोजाबाद की चूड़ियां, बनारसी साड़ियां, आगरा का टेरा कोट, उत्तराखण्ड व मुरादाबाद के ऊनी वस्त्र, दरी, जयपुरी रजाई, लखनऊ का चिकिन, आगरा व कानपुर का लैदर वर्क, रामपुर व अलीगढ़ का पेचवर्क, जूट बैग, दिल्ली का पेपर मैसी, बनारस के लकड़ी के खिलौने।
प्रायोजकः- कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली
आयोजकः- दस्तकार डवलपमेंट एसोसिएशन, बरेली (उ.प्र.)
इस मेले में आप सादर आमंत्रित हैं।

स्कूलों में मनाई दिवाली छात्राओं ने सजाई रंगोली

रिठौरा के प्राथमिक स्कूलों में दिवाली मनाते बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज, माध्यमिक विद्यालय भंडसर प्राथमिक विद्यालय रिठौरा,खाता , बरकापुर,कलारी,में पांच दिवसीय दीपोत्सव का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

छात्राओं ने रंगोलियां सजाईं,दीप सज्जा की शिक्षिक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को कई प्रकार की क्राफ्टिंग करवाई जिसमें झालर बनाना , मोम के दिया बनाना , कंडील बनाना ,आकर्षक शोपीस आदि बनाना । इस दौरान आशीष कुमार सिंह, दीपाली सक्सेना, चं गंगाराम गंगवार, कुलदीप गंगवार , डॉ शिखा अग्रवाल, राजेश मिश्रा,

मीरगंज में प्रतियोगिता में शामिल छात्राएं।

दीपिका बनर्जी, दन सक्सेना, प्रज्ञा गुप्ता, रूबी गंगवार, ममता शंखधार, शीतल साहू, संजना सक्सेना, विमला शर्मा, राधा कश्यप, राजेन्द्र सक्सेना खूबकरन लाल, दिव्य मोहन भटनागर, सुलभ अग्रवाल रेहान खान, आदि लोग रहे।

कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

मीरगंज : स्वामी दयानन्द सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज में दीपावली के पूर्व विद्यालय में छात्राओं द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 31 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर प्रबन्धक डा. सत्यवीर गंगवार व निदेशक पंकज गंगवार ने सम्मानित किया। के प्रधानाचार्य आदेश पाल गंगवार, निर्णायक मण्डल में वरिष्ठ शिक्षक नूतन लाल, राकेश चन्द्र पाठक, संजीव कुमार, अनुज कुमार व सुनीता गंगवार, प्रतियोगिता कार्यक्रम का संयोजन नूतन लाल के निर्देशन में हुआ।

शेरगढ़ में शनिवार को विद्यालयों में बच्चों ने आकर्षक रंगोली बनाई। कस्बे के युवा मंडल विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। । इस अवसर पर प्रधानाचार्य कल्याण राय श्रीवास्तव,लईक अहमद,अनीस अहमद,सपना देवल,सोनी देवल,सुरभि,शिखा गंगवार,मोनिका देवल,प्रताप सिंह,अलका गंगवार,प्रीती तोमर,कौशिकी सिंह,ओमप्रकाश,सौरभ गंगवार,हुकुम सिंह आदि मौजूद रहे।

धनतेरस पर बाजार में उमड़ी भीड़

सड़क किनारे लगी बर्तन की दुकानों पर भी लोगों ने की खरीदारी, गहने भी बिके

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पांच दिनों का दिवाली त्योहार की शुरुआत धनतेरस से हुई। धनतेरस पर बाजार में खरीददारी के लिए ग्रामीण क्षेत्र मे भी खासी भीड़ रही। बाजारो में ज्वेलर्स के शो रूम के साथ साथ बर्तनों और लक्ष्मी गणेश के स्टाल पर भी भीड़ रही। मुख्य बाजार में भीड से पैदल राहगीरों को भी चलने में दिक्कत हुई।

लोगों ने जमकर खरीदारी की

नवाबगंज,में धनतेरस पर बाजारों में खरीदारों का हुजूम दिखाई दिया । लोगों में चांदी के आभूषणों, बर्तनो, दीपों व अन्य सामग्री खरीदने की होड़ दिखाई दी । सोना चांदी में महंगाई के साथ साथ बर्तन भी लोगों की पहुंच से दूर होते दिखे। एक चम्मच की कीमत भी 40 से 50 रुपये के बीच की रही। कुछ लोगों ने डिजाइनदार कटोरी और अन्य सामान खरीदे। फतेहगंज पूर्वी, में भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना कर बाजारों में जमकर खरीदारी की। बाजार में झाड़ू, सोने चांदी के आभूषण ,बर्तन की खूब बिक्री हुई । बाजारों में भीड़भाड़ के चलते पुलिस भी खासा मुस्तैद रही । सरकारी विद्यालयों में भी बच्चों ने रंगोली बनाकर और मोमबत्ती दीये बनाकर अध्यापकों के साथ पर्व मनाया।

धनतेरस पर बर्तन की दुकान पर बर्तन खरीदते ग्राहक। ● अमृत विचार

बर्तनों की दुकानों पर रही भीड़

रिठौरा में बाजार में हर दुकान पर ग्राहकों की भीड़ रही। बर्तनों की दुकानों के साथ साथ सड़क किनारे लगे टेंट के नीचे दुकान लगाने वालों के पास भी ग्राहकों की भीड़ रही।

धनतेरस के दिन खूब हुई धन वर्षा

भुता, अमृत विचार : सोने चांदी के बढ़ते दाम का असर धनतेरस को नहीं देखने को मिला। भुता कस्बे में ज्वेलर्स की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ रही। बढ़ते दामों के चलते ग्राहकों में कम वजन के आभूषणों की ज्यादा मांग रही। हर बार की तरह लक्ष्मी गणेश के चांदी के सिक्के खूब बिक्री हुई । शनिवार के दिन धनतेरस पड़ने पर बर्तन का बाजार और वाहनों पर बिक्री कुछ कम देखने को मिली। इधर लोगों ने खील खिलौने, दिये , मोमबत्ती आदि की खूब खरीदारी की।

कहीं इंस्पेक्टर तो कहीं एक दिन की प्रधानाचार्य बनीं छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, मीरगंज,

अमृत विचार: एस जी इंटर कॉलेज की भक्ति गुप्ता को विद्यालय में एक दिन की प्रधानाचार्या बनने का अवसर मिला। श्रीमती कमला देवी मेमोरियल इण्टर कॉलेज हुरहुरी में कॉलेज की छात्रा काजल ने एक दिन के लिए प्रधानाचार्य की कुर्सी सम्भाली। इस दौरान काजल ने प्रधानाचार्य पद से जुड़े प्रशासनिक कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

खुशी बनी एक दिनकी ईओ

नवाबगंज में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की छात्रा खुशी ने आज नगर परिषद के ईओ की कुर्सी पर बैठ कर परिषद कर्मियों का परिचय लेने के बाद जन समस्यायें सुनीं और उनका निस्तारण किया। खुशी ने नगर में जलभराव की समस्या को ठीक कराने के निर्देश कर्मचारियों को दिये हैं।

एक दिन की प्रधानाचार्य बनी छात्रा।

नैंसी बनी फरीदपुर इंस्पेक्टर

फरीदपुर : मिशन शक्ति के अंतर्गत शनिवार को फरीदपुर कोतवाली में छात्रा नैंसी वर्मा को एसएचओ बनाया गया। इस दौरान नैंसी ने कोतवाली पर होने वाली सारी प्रक्रियाओं को समझा व जाना। प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने उन्हें कोतवाली परिसर का भ्रमण कराया और दफ्तर में अभिलेख के रख रखाव के बारे में जानकारी दी। नैंसी किशोर चंद कन्या इंटर कॉलेज की छात्रा हैं। हाई स्कूल में तहसील टापर रहीं है।

हटाए गए कर्मचारियों की वापसी के आश्वासन पर धरना खत्म

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

- ईओ ने सफाई कर्मियों की वापसी की शर्त से किया इन्कार
- हटाए गए पांच कर्मियों की वापसी के बाद आंदोलन समाप्ति का दावा

अमृत विचार : नगर पंचायत कार्यालय पर उत्पीड़न के खिलाफ सफाई कर्मियों के द्वारा पिछले कई दिन से चल रहा धरना प्रदर्शन शनिवार को हटाए गए कर्मचारियों के वापसी के आश्वासन पर खत्म कर दिया है। हालांकि ईओ ने सफाई कर्मियों की वापसी की शर्त से इनकार किया है।

पिछले कई दिनों से नगर पंचायत के सामने गेट पर सफाई कर्मियों के द्वारा किए जा रहा धरना प्रदर्शन शनिवार को खत्म कर दिया गया। शुक्रवार और शनिवार को चेयरमैन,सभासद के द्वारा सफाई कर्मियों से चली वार्ता के बाद सफाई कर्मियों ने धरना प्रदर्शन विराम कर दिया। धरना की अगुवाई कर रहे राजेश कुमार ने बताया हटाए गए कर्मचारियों में से 5 कर्मचारियों के वापसी और पीएफ देने के चेयरमैन इमराना बेगम और कई सभासद के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया । कर्मचारियों में असमंजस है कि आंदोलन सफल माना जाए या नहीं ।

शिकायत के फर्जी निस्तारण की जांच करें बीएसए

कार्यालय संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में हुए सम्पूर्ण समाधान में फरीदपुर में 69 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें छह शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। इस दौरान राजस्व विभाग की 35 पुलिस की 11 समाज कल्याण की 05 स्वास्थ्य की एक अन्य विभागो की 17 शिकायते प्राप्त हुई।

इस दौरान भुता ब्लाक मे प्राथमिक विद्यालय धीरपुर को मानक पूरे न होने के कारण पड़ोस के विद्यालय भुडिया में पेपर करने का मामला प्रकाश में आया जिसका विरोध ग्रामीणों ने अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर शुक्रवार को स्कूल बंद होने पर प्रदर्शन किया जिसमें भीम आर्मी के पवन सागर ने आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई । इस मामले फर्जी रिपोर्ट दर्शाकर मामले को रफादफा करने के मामले में डीएम ने बीएसए को जांच करने व विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिये। बीएसए संजय सिंह ने बताया कि संबधित बीईओ की जांच अन्य उच्चाधिकारी से कराई जाएगी।

डीएम ने सभीअफसरों को शिकायतों के स्थलीय निरीक्षण के बाद निस्तारण करने और शिकायतकर्ता को फीडबैक लेने को कहा। मिशन शक्ति अभियान के तहत जिलाधिकारी ने सांकेतिक रूप से 17 महिलाओं को राशन कार्ड वितरण किए गए। बीएलओ से कहा कि वोटर लिस्ट का निर्माण दबाव के बिना नियमों से करें।

फरीदपुर में संपूर्ण समाधान दिवस में फरियाद सुनते डीएम ● अमृत विचार

47 में से केवल 5 शिकायतों का हुआ निस्तारण

आंवला। शनिवार को तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता एडीएम एफ आर बरेली संतोष कुमार सिंह ने की। दिवस में कुल 47 शिकायतें दर्ज की गईं। जिनमें से मात्र 5 का ही मौके पर निस्तारण किया जा सका। इस दौरान एसडीएम विदुषी सिंह, सीओ नितिन कुमार, आदि रहे।

टीम ने की छापेमारी कई नमूने भरे

नवाबगंज, अमृत विचार : खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने दुकानों पर छापेमारी कर कई सैम्पल भरे टीम ने नगर के ईंध जागीर स्थिति मिठाई कारखाने से चार मिठाइयों के साथ ही बरखन मार्ग स्थित गुप्ता इण्डस्ट्रीज से रिफाइन्ड आयल , सूरज किराना से किसमिस , दाना पानी मिष्ठान्न से सोम पपड़ी तथा कासिम अशरफ कन्फेक्शनरी से खाद्य सामग्री के सैम्पल भरे । खाद्य निरीक्षक तेजबहादुर सिंह ने बताया कि टीम में एस एच ओ राघवेन्द्र प्रताप वर्मा व कमलेश कुमार शुक्ला एस ओ ज्योत्सना त्रिपाठी शामिल हैं ।

दौड़ प्रतियोगिता के मेधावी किए सम्मानित

संवाददाता, बिशारतगंज : ब्लॉक मझगवां के मिर्जापुर गांव में शनिवार को भव्य दौड़ प्रतियोगिता हुई। इसमें युवाओं ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों की दौड़ कराई गई। परिणाम के अनुसार 3200 मीटर दौड़ में मऊ के अभी मिश्रा, 1600 मीटर में आंवला के राजू, 400 मीटर दौड़ में जलालनगर के वीरू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को आंवला के पूर्व जिलाध्यक्ष वीर सिंह पाल ने पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । प्रतियोगिता का संचालन में मनोज पाल ने किया। इस अवसर पर सुनील पाल, घनश्याम दास, कमल पाल, निहाल सिंह, विकास पाल, भुवनेश पाल, प्रशांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

पुरस्कृत मेधावियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

धन्वंतरि के जन्मदिन पर क्लीनिक में पूजन करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

भगवान धन्वंतरि के जन्मदिन पर चिकित्सकों ने की प्रार्थना

बरेली, अमृत विचार: देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि के जन्मदिन के मौके पर शनिवार को डॉ. सरपाल होम्योपैथिक क्लीनिक में सामूहिक प्रार्थना की गयी। इस मौके पर डॉ. प्रियम सरपाल, डॉ. पूनिया भूधर सिंह, अनिल कुमार, सुरेश मीणा, अंजू, रीता समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

व्यापारी की सही समस्या है तो तुरंत होगा समाधान

नगर आयुक्त को श्रीराम का चित्र भेंट करते व्यापारी।

बरेली, अमृत विचार: पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष युवा सुनील खत्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य से मुलाकात की। व्यापारियों ने भगवान श्रीराम का चित्र भेंटकर और अंग वस्त्र पहनाकर नगर आयुक्त का स्वागत किया। सुनील खत्री ने नगर आयुक्त से पीड़ित व्यापारियों की समस्याओं को लेकर चर्चा की। इस पर नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि अगर व्यापारी की समस्या सही है तो उसका तुरंत समाधान किया जाएगा। वह लगातार व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर महानगर प्रभारी डॉ. नकुल यादव, सलाहकार रवि गुप्ता, राजकुमार, मनोज देवल, गणेश, शंकर सिंहआदि रहे।

फ्यूचर में दिवाली गाला नाइट का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: फ्यूचर यूनिवर्सिटी में शनिवार को ''सेलेस्टिया 2025'' दिवाली गाला नाइट का आयोजन हुआ। इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं रंगोली, तोरण, कार्ड मेकिंग और दिया डेकोरेशन में भाग लिया। इसके बाद आयोजित ''फेस ऑफ द फ्यूचर'' कार्यक्रम में छात्रों ने रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत चांसलर मुकेश गुप्ता और प्रो. चांसलर दीप गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलन कर की। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में डीजे के संगीत पर विद्यार्थियों ने देर शाम तक थिरककर माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। पूरा कैंपस दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजा हुआ था और आसमान में चमकते रंगीन पटाखों ने समारोह की भव्यता को बढ़ा दिया। चांसलर ने अंत में सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

फ्यूचर यूनिवर्सिटी में गाला नाइट में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बरेली , रविवार,19 अक्टूबर 2025

वर्चुअल दीपदान से लोग कर रहे सहभाग

लखनऊ, अमृत विचार : दीपोत्सव 2025 में लॉन्च की गई 'दीपोत्सव एआर मोबाइल एप्लीकेशन' श्रद्धालु और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। यह ऐप आस्था और नवाचार का अद्भुत संगम है। ऐप के माध्यम से अयोध्या आने वाले श्रद्धालु रामायण के पावन प्रसंगों को एआर तकनीक के जरिए सजीव रूप में अनुभव कर रहे हैं।

अयोध्या की आभा विश्व पटल पर

लखनऊ, अमृत विचार : ऑगमेंटेड रियलिटी एप ने कहानी, श्रद्धा और नवाचार तीनों को जोड़ते हुए अयोध्या को एक जीवंत डिजिटल संसार में परिवर्तित किया है। लोग 'वर्चुअल दीपदान' के जरिये इस उत्सव का हिस्सा बन सकते हैं।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

निगोही, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव बलेली निवासी 29 वर्षीय अमित कुमार शनिवार की सुबह नौ बजे बाइक से शाहजहांपुर जा रहे थे। रसूलपुर गांव के सामने दूसरी बाइक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार अमित गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को सीएचसी पर लाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरा बाइक सवार भाग गया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़

बरखेड़ा पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा,10 बने -अधबने तमंचे व उपकरण बरामद

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचारः दीपावली से दो दिन पूर्व बरखेड़ा पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री पकड़ी। बीसलपुर क्षेत्र के रहने वाले दो आरोपियों को धर दबोचा। उनके पास से 10 बने-अधबने तमंचे और उपकरण बरामद किए गए। सीओ ने खुलासा कर गुडवर्क बताया। चालान कर कोर्ट में पेश करके दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर जिले में जूट, चोरी, नकबजनी, अवैध शस्त्र रखने व बनाने वाले व्यक्तियों की धरपकड़ को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सीओ बीसलपुर प्रगति चौहान की अगुवाई में बरखेड़ा पुलिस ने सुरागरसी की। जिसके बाद कितनापुर गांव निवासी महेंद्र पुत्र शंकरलाल और बीसलपुर के मोहल्ला ग्यासपुर के निवासी सद्दीक पुत्र फुंदन को दौतलपुर चौराहे से करोड़ चौकी जाने वाले मार्ग से नहर किनारे खंडहर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अवैध शस्त्र बनाकर बेचा करते थे। पुलिस ने मौके से सात तमंचे, तीन अधबने तमंचे, उपकरण बरामद किए गए।

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी व खुलासा करती सीओ प्रगति चौहान।

> एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान सूचना मिली थी। अवैध शस्त्र फैक्ट्री पकड़ी गई है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनसे पूछताछ में सामने आए तथ्यों पर छानबीन चल रही है। – **प्रगति चौहान**, सीओ बीसलपुर

पुराने तमंचे-बंदूक की मरम्मत भी करते थे आरोपी

पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ की तो ये भी सामने आया कि दोनों शातिर अंतर्जनपदीय अपराधी है। बनाए गए तमंचे वह एक दो दिन में ही तैयार करके बेच दिया करते थे। तमंचे बनाने के बाद खंडहर के पास ही झाड़ियों में छिपाया करते थे। इसके अलावा आरोपी पुराने तमंचे, बंदूक की मरम्मत करते थे। अब पुलिस इनके और साथियों व नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। शनिवार को थाने पहुंचकर सीओ प्रगति चौहान ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी। जिसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया है।

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक : कृ.उ.म.स./2025-309 दिनांक : 18 अक्टूबर 2025

आवश्यक सूचना

प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा तथा ए.एम.एच. राठ के समस्त लाईसेंसधारी थोक व्यापारियों/आढ़तियों एवं इच्छुक व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा तथा ए.एम.एच. राठ की रिक्त दुकानों की नीलामी हेतु दिनांक 15.10.2025 प्रातः 11:30 बजे निर्धारित की गयी थी, जो किन्हीं कारणवश स्थगित हो जाने के कारण उक्त रिक्त दुकानों की नीलामी दिनांक 10.11.2025 प्रातः 11:30 बजे निर्धारित की गयी है, उक्त रिक्त दुकानों की नीलामी तहसील सभागार, बहेड़ी (बरेली) में किया जायेगा।

(नरेन्द्र कुमार गंगवार) सचिव कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

(इशिता किशोर) सभापति/उपजिलाधिकारी कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

सूचना

यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 (4) के प्रावधानों के अंतर्गत, कंपनी के ज्ञापन-पत्र (Memorandum of Association) के खंड II में संशोधन करने हेतु अर्थात् कंपनी के पंजीकृत कार्यालय (Registered Office) को उत्तर प्रदेश राज्य से महाराष्ट्र राज्य में स्थानांतरित करने के हेतु, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के समक्ष अनुमोदन प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।

कंपनी का विवरण

- **कंपनी का नाम: जोऊ ग्लोबल सर्विस प्रा.लि.**
- **कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN): U52100UP2021PTC144886**
- वर्तमान पंजीकृत कार्यालय का पता : **51, गणेश पुरम, पवन विहार कॉलोनी, नियर गुप्ता आटा चक्की, एन.ए., बरेली- 243006, उत्तर प्रदेश, भारत**
- प्रस्तावित पंजीकृत कार्यालय का पता: **टॉवर डी-302, सेरेनिटी टावर्स, लोढ़ा पलावा सिटी, फेज 2, खूनी पलावा, डोम्बिवली, ठाणे, महाराष्ट्र - 421204**

कंपनी के निदेशक मंडल ने इस प्रस्ताव को अनुमोदित किया है तथा कंपनी के सदस्यों द्वारा दिनांक **15 अक्टूबर 2025** को आयोजित असाधारण **सामान्य सभा (Extra-Ordinary General Meeting)** में इस संबंध में **विशेष प्रस्ताव (Special Resolution)** पारित किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति के हित इस प्रस्तावित संशोधन से प्रभावित हो सकते हैं, तो वे अपनी आपत्तियाँ (यदि कोई हों) उनके कारणों और प्रमाणों सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **21 दिनों के भीतर** निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं :

क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र), कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, बी-2 विंग, द्वितीय तल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली 110003

आवेदन की प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में **कार्यालयीन समय (प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक)** किसी भी कार्य दिवस पर सुनवाई की तिथि तक निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

निदेशक मंडल जोऊ ग्लोबल सर्विस प्रा.लि. की ओर से
श्री नितीश खरे,
निदेशक (Director)
DIN: 08856373
टॉवर डी-302, सेरेनिटी टावर्स, लोढ़ा पलावा सिटी, फेज 2, खूनी पलावा, डोम्बिवली, ठाणे, महाराष्ट्र - 421204

दिनांक :19 अक्टूबर 2025 **स्थान : ठाणे, मुंबई**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0- यां/246/1/15/25-26/ओटी-24

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदंडो के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं0 1:- कार्य का संक्षिप्त विवरण: यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 1600 एचपी डेमू पावर कार के 07 ट्रैक्शन अल्टरनेटर (मेसर्स सीजीएल मेक) की छोटी मरम्मत / सर्विसिंग / सफाई / ओवरहालिंग का कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार) 02 वर्ष की अवधि के लिए। **अनुमानित मूल्य (रु0 में):** ₹ 9765300.00 (सत्तानवे लाख पैंसठ हजार तीन सौ मात्र), जमानत राशि(रु0मे): ₹ 195300.00 (रू एक लाख पंचानवे हजार तीन सौ मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, कार्य अवधि: 02 वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समय: दिनांक 10.11.2025 को 15.30 बजे।

नोटः-1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 18.10.2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 10.11.2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। 2.उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। 3.निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रमाण अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर आमान्य कर दिया जायेगा। 4. ई-निविदा हेतु धरोहर राशि ई-भुगतान नेट बैकिग अथवा गेटवे भुगतान अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार की जायेगी।

उपमुयाँइ / प्लाण्ट, यांत्रिक कारखाना मुजाधि / यांत्रिक-80 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं. 1. ई-प्रापण निविदा संख्या: उप मु० इं०-नि०-सा०-जीकेपी-04-2025 दिनांक 14.11.2025 कार्य का नामः खलीलाबाद-बहराइच नई रेल लाइन परियोजना के अन्तर्गत 2 अदद आर०ओ०बी० सं० 36 (4 लेन) मध्य बखिरा-मेंहदावल एवं आर०ओ०बी० सं० 52 (2 लेन) मध्य परसई-खेसराहा रेलवे स्टेशन एन० एच० 28 पर निर्माण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः 1,39,41,57,080.55, बयाना राशि (रू०) : 71,20,800.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०) :-, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 18 (अट्ठारह) माह।

● बिड प्रारम्भ करने की तिथि - दिनांक 31.10.2025. ● उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि - दिनांक 14.11.2025, 15.00 बजे तक ● उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - दिनांक 14.11.2025, 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट https://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इन्जी० / निर्माण / सामान्य, गोरखपुर मुजाधि / डब्ल्यू - 301

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

दो लाख नहीं मिले तो पत्नी को दिया तलाक

रामपुर, अमृत विचार : गंज थाना क्षेत्र की निगहत का कहना है कि उसकी शादी 27 अप्रैल 2005 को हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ससुराल वालों ने उसे दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। दो लाख नहीं मिले तो पति ने तलाक दे दिया।

पूर्व मुख्य सचिव मनोज सिंह को नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश के बाद हाल ही में सेवानिवृत्त हुए पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को अनियमित भुगतान के लिए 10 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस भेजा गया है।

मामला खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के क्रियान्वयन के दौरान नीति निर्देशों के विपरीत चार फर्मों को अनियमित भुगतान का है। इस कार्रवाई के बाद यूपी की नौकरशाही में हलचल मच गई है। मामले को योगी बनाम केशव से भी जोड़ा जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग का भी दायित्व संभाल रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गाइडलाइन के विपरीत किए गए भुगतान को गंभीरता से लेते हुए मनोज कुमार सिंह से दस करोड़ रुपये वसूलने के निर्देश दिए हैं। इस पर उद्यान एवं खाद्य संस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने यूपीडास्प के प्रबंध वित्त व तकनीकी समन्वयक शैलेन्द्र प्रताप सिंह से दस करोड़ रुपये वसूल कर जमा करने के लिए कहा है।

> मुझे भेजा गया नोटिस आधारहीन है। जिस अवधि का जिक्र किया गया है, उस दौरान मैं कृषि उत्पादन आयुक्त के रूप में यूपीडास्प का अध्यक्ष था। लेकिन उसी अवधि में दो अन्य अधिकारी भी अलग-अलग समय पर अध्यक्ष रहे। नीति के क्रियान्वयन से जुड़े निर्णय सामूहिक स्तर पर लिए गए थे, किसी एक व्यक्ति के नहीं। इसलिए यह वसूली प्रक्रिया मेरे खिलाफ व्यक्तिगत कार्रवाई जैसी प्रतीत होती है। –**मनोज कुमार सिंह**, पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

कार्यालय नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)

पत्रांकः 998/न.पं. कुंवरगांव (2025-26) **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांकः 18.10.2025

नगर पंचायत कुंवरगांव की ओर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा 15 वां वित्त आयोग वर्ष 2023-24 हेतु प्राप्त निर्दिष्ट अनुदान/बुनियादी अनुदान की प्रथम एवं द्वितीय किशत में प्राप्त धनराशि से निम्नवत् कार्य हेतु ठेकेदारों से दिनांक 18.10.2025 से दिनांक 29.10.2025 दोपहर 02:00 बजे तक ई-निविदा (टैक्नीकल/फायनेन्शियल बिड) आमंत्रित की की जाती है। जिसकी समस्त कार्यवाही वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। आमंत्रित ई-निविदा दिनांक 30.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

क्र.	कार्य का विवरण	आगणन राशि	धरोहर राशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	02.	03.	04.	05.	06.
01.	वार्ड नं.-08 अभय पोरवाल की दुकान से सुरेश वार्ष्णेय के मकान तक सी.सी. रोड मय यू.टाईप नाली निर्माण कार्य।	286563.00	28656.00	339.00	30 दिन
02.	वार्ड नं.-01 हरिओम मा. के मकान से विशेष के मकान तक सी.सी. रोड मय यू.टाईप नाली निर्माण कार्य।	431880.00	43188.00	510.00	30 दिन
03.	वार्ड नं.-06 प्राईमरी स्कूल के पास शिव मन्दिर से लेकर सुरेश गुप्ता नेताजी के मकान तक सी.सी. रोड मय यू.टाईप नाली निर्माण कार्य।	464094.00	46409.00	548.00	30 दिन
04.	वार्ड नं.-06 सहकारी गोदाम की पूरब दिशा में बैण्डिंग जोन के पीछे सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	365682.00	36568.00	432.00	30 दिन
05.	नगर पंचायत कुंवरगांव कार्यालय का सौन्दर्यकरण का कार्य।	512946.00	51295.00	605.00	30 दिन
06.	कुंवरगांव क्षेत्रान्तर्गत वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज वैल का निर्माण कार्य।	512946.00	51295.00	605.00	30 दिन

मुख्य शर्तें निम्नवत् हैः-

1. निविदा मूल्य की धनराशि का बैंक ड्राफ्ट की स्कैन कॉपी ई-निविदा के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कुंवरगांव के नाम होगा।
2. प्रत्येक निविदादाता का पंजीकरण आयकर एवं जी.एस.टी. में होना अनिवार्य है।
3. प्रत्येक निविदा के साथ 10 रू. के स्टाम्प पर नोटरी शपथ पत्र लगाना अनिवार्य होगा शपथ पत्र का आलेख कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त किया जा सकता है।
4. निर्धारित समयावधि के उपरान्त कोई निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
5. न्यूनतम निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त सम्बन्धित ठेकेदार को तीन दिवस के अन्दर कुल जमानत धनराशि पर नियत दर के स्टाम्प पेपर पर अनुबंध लिखना अनिवार्य होगा।
6. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कार्य के मध्य तथा पूर्ण होने के पश्चात् 5-5 फोटोग्राफ ठेकेदार को अपने व्यय भार पर पंचायत में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
7. निविदातादाता को किसी राजकीय इकाई में निर्माण कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र तथा जिलाधिकारी महोदय बदायूं द्वारा अद्यतन हैसियत चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8. सशर्त एवं ब्लैक लिस्टेड ठेकेदारों की निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
9. आयकर-सेसकर एवं जी.एस.टी. कटौती ठेकेदार के भुगतान बिल से नियमानुसार की जायेगी।
10. समय से कार्य न पूर्ण होने की दशा में अथवा सरकारी कार्यवश कार्य का भुगतान रूकता है अथवा भुगतान में विलम्ब होता है उसका कोई भी क्लेम नगर पंचायत/अद्योहस्ताक्षरी पर नहीं होगा। कार्य से सम्बन्धित किसी विवाद की दशा में श्रीमान् जिलाधिकारी महोदय बदायूं का निर्णय सर्वमान्य होगा।
11. निविदा में दरों का व्यवहारिक होना अनिवार्य है। प्रतिस्पर्धा की स्थिति में गुणवत्ता को बनाये रखने की लिए अव्यवहारिक दरें स्वीकार नहीं की जायेगी।
12. जी.एस.टी. एवं अन्य कटौतियां नियमानुसार बिल से की जायेंगी।
13. निविदादाता किसी भी प्रकार के विवाद से बचने के लिए निर्माण स्थल का स्वयं निरीक्षण कर लें।
14. निविदा स्वीकृति उपरान्त यदि निविदादाता द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है या कार्य करने से इंकार किया जाता है तो निविदा निरस्त करते हुए संबंधित की धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
15. शासन द्वारा समय-समय पर दिये जाने वाले दिशा निर्देशों/आदेशों का पालन करना अनिवार्य होगा।
16. कार्य संबंधित विभाग की अध्यावधिक विशिष्टियों के अनुसार पूर्ण करना होगा।
17. निविदादाता/बिडर द्वारा निविदा डालते समय प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी/ट्रेनिंग अथवा अन्य किसी कारण से शर्तों को पूर्ण न कर पाने/वाधित हो जाने के कारण न पड़ने पर विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
18. निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के उपरान्त 05 वर्ष तक यदि कोई खराबी आती है तो सम्बन्धित ठेकेदार को अपने व्यय से ठीक कराना होगा इसके उपरान्त ही जमा की गई जमानत धनराशि वापस होगी।
19. निविदादाताओं को ई-निविदा में लगाये गये समस्त दस्तावेजों की हार्ड कॉपी नगर पंचायत कार्यालय में निविदा खोले जाने से पूर्व प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
20. निर्माण कार्य के ठेकेदार का किसी भी राजकीय संस्था में पंजीकरण होना अनिवार्य है। एवं निविदा के साथ पंजीकरण संबंधी अभिलेख लगाना अनिवार्य होगा।
21. उक्त निविदा सूचना को जिलाधिकारी महोदय बदायूं की वेबसाइट http://www.badaun.nic.in पर क्लिक करके देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी **नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)**

अध्यक्ष **नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)**

कार्यालय नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)

पत्रांकः 997/न.पं.कुंवरगांव/2025-26 दिनांकः 18.10.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत कुंवरगांव की ओर से अद्योहस्ताक्ष्झरी द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना वर्ष 2025-26 में प्राप्त धनराशि से निम्नवत् कार्य हेतु फर्मो/ठेकेदारों से दिनांक 18.10.2025 से दिनांक 29.10.2025 दोपहर 2:00 बजे तक ई-निविदा (टैक्नीकल/फायनेन्सियल बिड) आमंत्रित की जाती है। जिसकी समस्त कार्यवाही वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। आमंत्रित ई-निविदा दिनांक 30.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेंगी। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)

अध्यक्ष नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)

रूद्र-बिलास किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, बिलासपुर (रामपुर)

पत्रांकः 936 / गन्ना / ई-टेण्डरिंग / 2025-26 दिनांक 17 / 10 / 2025

ई-टेण्डरिंग की रि-टेण्डरिंग निविदा सूचना

इस मिल समिति द्वारा पेराई सत्र 2025-26 के अन्तर्गत 6 वाह्य क्रयकेन्द्रों से मिल गेट तक ट्रक / पंजीकृत ट्रैक्टर-ट्राला द्वारा अपने मजदूरों से गनना लदाई / ढुलाई कर मिलगेट तक पहुंचाने के कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है, तथा निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया 500.00+90.00 जी.एस.टी. अर्थात कुल रूपया 590.00 प्रति निविदा एवं धरोहर धनराशि आर.टी.जी.एस. / नगद / बैंक ड्राफ्ट-रूद्र बिलास किसान सहकारी चीनी मिल लि0, बिलासपुर रामपुर (बैंक का नाम) - पंजाब नैशनल बैंक, शाखा-रूद्रपुर, खाता संख्या 0833000100123339 आई.एफ.सी कोड (PUNB0083300) के पक्ष में जमा कराना अनिवार्य है। निविदाता को निविदा के साथ गन्ना परिवहन में लगाये जाने वाले वाहनों का रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं सूची उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। यदि आवश्यक हुआ तो नेगोशियेशन भी कराया जायेगा। निविदा फार्म तथा धरोहर धनराशि का पूर्ण विवरण आदि **www.etender.up.nic.in** से तथा **www.upsugarfed.org** से डाउनलोड किये जा सकते है। एक अथवा निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

S. No.	Name of the Item	Technical bid Opening at 11:15 am	Commercial Bid opening	E.M.D. (in Rs.)	Starting date of Loading of E-Tender
1	भोगपुर, बोसेना, स्वालेपुर, भंबरका, खानपुर, नवाबगंज।	29.10.2025	29.10.2025	15,000.00 20,000.00	17.10.2025

प्रधान प्रबन्धक

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि एक असल बयनामा वही नंबर जिल्द 2992/3003 के पृष्ठ 170/773-782 क्रमांक 8799 दिनांक 17.06.1989 को सबरजिस्ट्रार बरेली में पंजीकृत हुआ जो कि मै0 रोहिलखंड सहकारी आवास समिति लिमिटेड बरेली द्वारा सचिव अरविंद कुमार अग्रवाल ने श्री सुभाष चंद्र सक्सेना पुत्र श्री राज बहादुर सक्सेना के हक में किया था, कहीं खो गया है, जिसकी एल.ए.आर. नंबर 20250000754358 दिनांक 14.10.2025 को प्रेषित की जा चुकी है। उपरोक्त के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह भारतीय स्टेट बैंक आर.ए.सी.पी.सी. आँचलिक कार्यालय में प्रकाशन से 15 दिनों के अंदर प्रेषित कर सकते हैं। **आदेश कुमार सक्सेना पुत्र स्व. श्री कृष्ण बहादुर सक्सेना निवासीः- अग्रसेन नगर बीसलपुर रोड, हरूनगला, बरेली**

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, फतेहगंज (प.), बरेली

पत्रांक : 1182/लेखा/निविदा/क्षे.पं./2025-26 दिनांक : 18.10.25

निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग जिला पंचायत राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड फतेहगंज (प.) बरेली को प्राप्त क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पंचम राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त की प्राप्त धनराशि से निम्न कार्य के निर्माण हेतु (आइटम रेट) पर सीलबंद निविदायें आमंत्रित की जा रही है। निविदायें दिनांक 10.11.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड फतेहगंज (प.) मुख्यालय बरेली में रखे निविदा बाक्स में नियत तिथि एवं समय तक डाली जा सकती है जो उसी दिनांक 10.11.2025 अपरान्ह 03:00 बजे निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष सार्वजनिक रूप से गठित कमेटी के द्वारा खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	स्वीकृति धनराशि (जी.एस.टी. सहित) लाख रू. में	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	पूर्ण करने का समय
1.	ग्राम तिलियापुर में विकारूद्दीन के घर से धारा के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	140 मी.	9.90	1500	10500	90 दिन
2.	ग्राम तिलियापुर में छंगा सलमानी के घर से नईम खां के घर तक सी.सी. व नाली रोड निर्माण कार्य	135 मी.	9.80	1500	10500	90 दिन
3.	ग्राम मढोली में प्यारेलाल के घर से जयपाल के घर तक सी.सी. निर्माण कार्य	155 मी.	9.90	1500	10500	90 दिन
4.	ग्राम मढोली में हेतराम के घर से मेन रोड तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	150 मी.	9.90	1500	10500	90 दिन
5.	ग्राम मढौली में टीकाराम पटवा के घर से सोमपाल यदुवंशी के घर तक सी.सी. रोड	90 मी.	4.50	800	5500	90 दिन
6.	ग्राम औध में हजारी लाल के घर से हरदयाल के घर तक सी.सी. रोड	145 मी.	9.90	1500	10500	90 दिन
7.	ग्राम जगतपुर मुबारकपुर के धुरे पर पुलिया निर्माण कार्य	1 नग	4.00	800	5500	90 दिन
8.	ब्लाक परिसर का जीर्णाद्धार कार्य	1 कार्य	9.90	10500	10500	90 दिन
9.	ग्राम खरसैनी के मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
10.	ग्राम विक्रमपुर में मस्जिद पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
11.	ग्राम वसावनपुर मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
12.	ग्राम बफरी अब्दुलनवीपुर के मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
13.	ग्राम बफरीअब्दुलनवीपुर में मेन रोड मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
14.	ग्राम परतापुर में मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
15.	ग्राम विक्रमपुर में मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
16.	ग्राम बढेपुरा में पंचायत घर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
17.	ग्राम उनासी चौराहे पर रेड रोज पब्लिक स्कूल के पास पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
18.	ग्राम ठिरिया खेतल में पंचायत घर के पास आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
19.	ग्राम ढहिया के मन्दिर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
20.	ग्राम मढौली में मौर्या मोहल्ला मन्दिर पर पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
21.	ग्राम बकैनिया चम्पतपुर मन्दिर (महाराज जी) पर आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
22.	ग्राम कुरतरा में सरकारी स्कूल के पास आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
23.	ग्राम बगरऊ में सरकारी स्कूल के पास आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन
24.	ग्राम कनूनगला में पंचायत घर के पास आर.ओ. की स्थापना	1 कार्य	3.30	670	4500	90 दिन

1. निविदा प्रपत्र का शुल्क बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से स्वीकार होगा जो खण्ड विकास अधिकारी, फतेहगंज (प.) के पक्ष में देय होगा 2. समस्त ठेकेदारों को पंजीयन प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. रजि. एवं लेवर डिपार्टमेन्ट रजि. पैन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी होगी 3. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्दर कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा। 4. निविदा को स्वीकृत करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 5. प्रत्येक निविदा दाता द्वारा रूपये 100/- के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र व 10/- स्टाम्प पेपर पर 90 दिन वेलिडीटी निविदा के साथ संलग्न कराना होगा। 6. सार्वजनिक निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपखनिजों पर रायल्टी का भुगतान सुनिश्चित किये जाने विषय भूतत्व एवं खनिज कर्म अनुभाग के शासनादेश संख्या 3885/65-2015-292/2015 दिनांक 15.10.2015 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। 7. पंजीकृत ठेकेदारों को ठेका दिये जाने के पश्चात कभी भी संज्ञान में आता है कि ठेकेदार सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों में असामाजिक कार्यो एवं संगठित आपराधिक गतिवधियों में लिप्त है तो उस प्रदान किया गया कार्य का ठेका नोटिस जारी कर सक्षम अधिकारी द्वारा ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। 8. किसी भी वाद विवाद की स्थिति में जनपद न्यायालय बरेली ही मान्य होगा। 9. निविदा फार्म क्रय किये जाने सामग्री से सम्बन्धित दिशा निर्देश अधोहस्ताक्षरी कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी फतेहगंज (प.) से दिनांक 18.10.2025 से दिनांक 10.11.2025 मध्यान्ह 12:00 बजे तक निविदा मल्य बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। 10. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की राशि का राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर. /एन.एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी फतेहगंज (प) बरेली के पक्ष में बन्धक हो मोहरबन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न कराना अनिवार्य है तथा 5 प्रतिशत राशि की एफ.डी.आर./एन. एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी फतेहगंज (प) बरेली के पक्ष में बन्धक हो निविदा स्वीकृत उपरान्त अनुबन्ध के समय जमा करनी अनिवार्य होगी जोकि कार्य समाप्ति के बाद कार्य की गुणवत्ता ठीक होने पर एक वर्ष उपरान्त वापस की जाएगी।

खण्ड विकास अधिकारी फतेहगंज (प.), बरेली

ब्लाक प्रमुख फतेहगंज (प.), बरेली

नाबालिग मां को बालिग होने तक बाल गृह में रखने का निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो महीने के बच्चे की 17 वर्षीय मां को सरकारी आश्रय गृह से रिहा करने से इनकार करते हुए कहा कि उसे 5 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की होने तक वहीं रहना होगा, क्योंकि किसी नाबालिग को एक वयस्क पति के साथ रहने की अनुमति देने पर पति को पोक्सो अधिनियम के तहत दंडनीय अपराधों के लिए भी उत्तरदायी माना जाएगा। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने नाबालिग और उसके बच्चे की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज करते हुए दिया।

मामले के अनुसार लड़की ने 3 जुलाई 2025 को मुकेश नामक व्यक्ति से विवाह किया और 14 जुलाई 2025 को एक बेटे को जन्म दिया। हाईस्कूल की मार्कशीट के अनुसार उसकी जन्मतिथि 5 अक्टूबर 2008 है, यानी विवाह के समय वह 18 वर्ष से तीन महीने कम थी।

सोने के नकली सिक्के देकर नेपाली से ठगे 2.20 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र में दो युवकों ने नेपाल निवासी कॉस्टमेटिक व्यापारी को असली बताकर दो नकली सोने के सिक्के दे दिए और दो लाख 20 हजार रुपये ठग लिए। व्यापारी ने जब सिक्कों की जांच कराई तो ठगी का खुलासा हुआ। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कैलाली जिले के गांव मटेरी (नेपाल) निवासी सुनील चौधरी ने बताया कि उसकी नेपाल के गेटी गेटा में कॉस्टमेटिक की दुकान है। उसकी दुकान पर तमाम ग्रहाक आते हैं। इनमें से कुछ ग्राहकों से उनके घनिष्ठ संबंध हैं, जिसमें कोतवाली तिकुनिया के गांव बनवीरपुर निवासी मोशीन शाह और सनी भी शामिल है। व्यापारी के मुताबिक दोनों का उसकी दुकान पर अक्सर आना-जाना रहता था। 18 अगस्त 2025 को मोशीन और सनी ने उसे असली सोने के सिक्के बताकर दो सिक्के दे दिए और दो लाख 20 हजार रुपये लेकर चले गए। आरोपियों के जाने के बाद उसने सिक्कों की जांच कराई तो वह नकली निकले। उसने नाराजगी जताते हुए जब आरोपियों से रुपये मांगे तो आरोपी आज कल करते टरकते रहे। अब रुपये वापस करने से साफ इंकार कर दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शैक्षिक परिसंपत्तियों का व्यावसायिक दोहन अस्वीकार्य

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थाओं की अचल संपत्तियों के व्यावसायिक प्रयोग पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य में शैक्षणिक संस्थानों की अचल संपत्तियों, विशेषकर खेल के मैदानों का उपयोग किसी भी परिस्थिति में प्रदर्शनी, व्यापार मेला, बिक्री या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। शैक्षणिक संस्थान का कार्य केवल शिक्षा प्रदान करना है, इसलिए उनकी भूमि और भवनों (खेल मैदान सहित) का किसी भी नाम पर व्यावसायिक गतिविधियों में उपयोग अनुमन्य नहीं है। ऐसे परिसरों का उपयोग सिर्फ कक्षाएं, खेल आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं और पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए ही किया जाना चाहिए।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 19 अक्टूबर 2025 www.amritvichar.com

दीपोत्सव में पंचपर्वों का अनुपम समागम

इस दीपावली घर के साथ मन और रिश्तों पर जमी धूल भी करें साफ

भारत उत्सवधर्मी देश है। यहां दीपों की अवली (कतार) की भांति विभिन्न त्योहारों की श्रृंखला मनोरम है और उनका अपना अलग-अलग वैशिष्ट्य व संदेश किसी से छिपा नहीं है। दीप-पर्व जिस उजास व आशा का राष्ट्रीय त्योहार है, वह जीवन को जीवट और जिजीविषा से भर देता है। इन दीपमालाओं को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे धरती पर साक्षात आकाशगंगा अवतरित हुई हो। दीपावली मनाने के कई पौराणिक प्रसंग हैं, उनमें श्रीरामचंद्र जी के 14 वर्ष के वनवास से अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने प्रसन्नता से दीप जलाया था। पौराणिक कथानुसार भगवान विष्णु ने नरसिंह का रूप धारण कर जब हिरण्यकश्यप का संहार किया, आततायी के वध से प्रसन्न जनता-जनार्दन ने तब दीपावली मनाई थी।

धनतेरस या धन त्रयोदशी की तिथि का उल्लेख शास्त्रों में वर्णित है। समुद्रमंथन के दौरान भगवान धनवंतरि हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। ये स्वास्थ्य-प्रदायक देवता हैं, जगजाहिर है कि स्वास्थ से बड़ा कोई और धन नहीं होता। भारत सरकार ने इस दिवस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। व्यापारीगण इस दिन अपना नया बहीखाता बनाते और उस पर शुभ-लाभ लिखकर व्यापार में बढ़ोतरी की महालक्ष्मी से कामना करते हैं। दूसरे दिन नरक चतुर्दशी होती है, कहते हैं कि भगवान कृष्ण ने अत्याचारी असुर नरकासुर का वध करके उसके बंदीगृह से हजारों निरपराधियों को मुक्त किया था। एक और प्रसंग में किसी दानी राजा का उल्लेख है, जो पुण्य-प्रतीक थे, परंतु उन्हें मृत्योपरांत नरक प्राप्ति हुई। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक चतुर्दशी को व्रत रखने पर विभिन्न ज्ञात-अज्ञात पापों तथा नरक गमन से मुक्ति मिलती है।

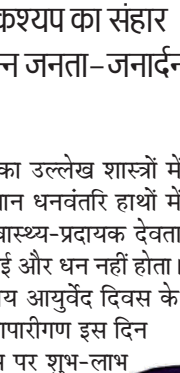

संतोष कुमार तिवारी
शिक्षक, नैनीताल

तीसरे दिवस निर्धारित मुहुर्त बेला में लक्ष्मी-गणेश का पूजन होता है, लोग अपने स्वच्छ घरों में धन की देवी लक्ष्मी के वास हेतु विधि-विधान से उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। भारतीय कालगणना के अनुसार चौदह मनुओं का समय बीतने और प्रलय होने के पश्चात पुनर्निर्माण और नवसृष्टि का आरंभ दीपावली के ही दिन हुआ था। समुद्रमंथन से माता महालक्ष्मी का प्राकट्य लोकविदित है। इसलिए उनकी पूजा-उपासना का विशेष विधान है।

इसी क्रम में चौथे दिवस गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का पर्व मनाया जाता है। यह ब्रज क्षेत्र का विशिष्ट पर्व है। इसमें गाय के गोबर से गोवर्धननाथ की छवि बनाकर उनकी पूजा का विधान है। श्रीमद्भागवत के अनुसार भगवान कृष्ण ने इंद्र की पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा आरंभ कराई, जिससे अभिमानी इंद्र ने कुपित होकर अतिवृष्टि की। तब संपूर्ण ब्रज को तबाही से बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी की जान बचाई। कहते हैं सातवें दिन उन्होंने पर्वत को धरती पर रखा। हालांकि बाद में देवराज ने शर्मिंदा होकर भगवान कृष्ण से माफी मांगी। ज्योतिपर्व के तीसरे दिन यमद्वितीया मनाया जाता है, जिसमें बहनें अपने भाई के दीर्घ जीवन की कामना करती हैं। भाई यमुना में स्नान आदि के बाद बहन के घर जाकर, उन्हें वस्त्र और धनादि देकर सम्मानित करते हैं। चूंकि यम की बहन यमुना है, लोकमत है कि यमुना में स्नान करने के बाद भाई का यम अर्थात यमराज भी बाल बांका नहीं कर पाते। यह ब्रज क्षेत्र का बड़ा पर्व है, इसी को भैयादूज भी कहते हैं। देश के विभिन्न भागों में चित्रगुप्त जी की पूजा इस दिन की जाती है। कहते हैं कि यमद्वितीया के दिन चित्रगुप्त का जन्म हुआ था। भगवान चित्रगुप्त कायस्थों के साथ ही उन सभी प्राणियों के भी आराध्यदेव हैं, जिन्होंने जीवन में कभी भी हाथ में कलम पकड़ी हो। कायस्थ मूलतः कार्यस्थ का तद्भव रूप है, जिसका अर्थ होता है कार्य विशेष को संपादित करने वाला, जिस पर बड़ी जिम्मेदारी हो।

ऐसी मान्यता है कि ब्रह्मा जी की काया से चित्रगुप्त जी के उत्पन्न होने के कारण इस वंश को कायस्थ नाम से जानते हैं। कायस्थ समाज के लोग इस दिन कलम-दवात की पूजा करते हैं, जिसे कलम पूजा भी कहते हैं। सृष्टि के सम्यक संचालन में भगवान चित्रगुप्त महाराज धर्मराज के सहायक व जन-सामान्य के पुण्यापुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले एकमात्र देवता हैं।

दीपावली का त्योहार परंपरागत रूप से सफाई, सजावट और नई शुरुआत का प्रतीक है। हम अपने घर के हर कोने को साफ करते हैं, पुरानी बेकार चीजें हटाते हैं और नई वस्तुओं से घर सजाते हैं, लेकिन हमारे घर की तरह ही, मन और रिश्तों में भी समय के साथ धूल जम जाती है। नकारात्मकता, गलतफहमियां, अहंकार और चुप्पी ये सब धीरे-धीरे हमारे भीतर और रिश्तों पर मोटी परत बना लेते हैं। इसलिए दीपावली केवल घर की सफाई तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह मन व रिश्तों की सफाई का भी समय होना चाहिए।

मेघा राठी
भोपाल, मध्यप्रदेश

मानसिक स्वास्थ्य को दें प्राथमिकता

आज की व्यस्त जिंदगी में मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक मन हल्का और संतुलित नहीं होगा, त्योहार की खुशी भी अधूरी लगेगी। दीपावली के अवसर पर मानसिक सफाई का संकल्प लें। जैसे घर की सफाई करते समय हर कोना चमकाते हैं, वैसे ही अपने भीतर की धूल को भी झाड़ें। अवसाद, तनाव, ईर्ष्या और नकारात्मक सोच को बाहर निकालें। योग, ध्यान और प्राणायाम को अपनाएं। दिन के 10-15 मिनट का ध्यान आपके भीतर शांति और सकारात्मकता भर सकता है।

स्वयं से करें प्रश्न

अक्सर हम भीतर ही भीतर ऐसी बातों को पकड़े रहते हैं, जो हमें बार-बार दुख देती हैं। इस दीपावली, अपने आप से प्रश्न करें-

- क्या वास्तव में इस बात पर गुस्सा बनाए रखना जरूरी है?
- क्या यह घटना इतनी बड़ी है कि मेरी शांति छीन ले?
- क्या माफी देने से मैं खुद हल्का नहीं हो जाऊंगा?
- ईमानदारी से खुद से सवाल करने पर जवाब मन को साफ कर देंगे। यही आत्मनिरीक्षण मन की सफाई का असली साधन है।

समय का सही प्रबंधन

तनाव और असंतोष का एक बड़ा कारण है। समय का सही उपयोग न कर पाना। काम और निजी जीवन का संतुलन बिगड़ते ही रिश्ते और मानसिक शांति दोनों प्रभावित होते हैं। इस दीपावली, संकल्प लें कि अपने समय का प्रबंधन करेंगे। कामकाजी लोग परिवार और शौक के लिए भी समय निकालें। नियमित ब्रेक लें, बच्चों या माता-पिता के साथ बैठकर बातें करें और कभी-कभी खुद को भी अकेले समय दें। यह सब आपको मानसिक शांति और रिश्तों में निकटता देगा।

रिश्तों में संवाद की शक्ति

रिश्तों की सबसे बड़ी समस्या है संवाद का टूट जाना। छोटी-सी गलतफहमी चुप्पी का रूप ले लेती है और धीरे-धीरे दूरी बढ़ जाती है। इस दीपावली, कोशिश करें कि पुराने रिश्तों की धूल साफ करें। किसी से माफी मांगना या किसी को माफ करना, दोनों ही बड़े कदम होते हैं। एक फोन कॉल, एक संदेश या सिर्फ एक मुस्कान भी बर्फ पिघला सकती है।

क्षमा और समर्पण की भावना

हम अक्सर मान लेते हैं कि गलती हमेशा सामने वाले की है, लेकिन सच यह है कि रिश्तों में दोनों तरफ से गलतियां हो सकती हैं। माफी मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल है। जब हम अपनी गलती स्वीकार करते हैं, तो रिश्तों में सच्चाई और गहराई आती है, जब हम किसी को माफ करते हैं, तो हम सबसे पहले खुद को आजाद करते हैं। दीपावली जैसे शुभ पर्व पर यह कदम रिश्तों में नई रोशनी ला सकता है।

सकारात्मकता का संचार

दीपावली पर दीप जलाकर हम अंधकार दूर करते हैं। उसी तरह, हमें अपने भीतर भी सकारात्मकता का दीप जलाना चाहिए। ईर्ष्या, क्रोध और घृणा जैसे अंधकार को बाहर निकालें। यह आसान नहीं होता, लेकिन शुरुआत जरूरी है। हर दिन खुद से कहें, आज मैं नकारात्मकता नहीं, बल्कि प्रकाश चुनूंगा। धीरे-धीरे यह अभ्यास आदत बन जाएगा।

कृतज्ञता का भाव अपनाएं

हमारे जीवन में जो कुछ भी है, वह आभार योग्य है। परिवार, दोस्त, स्वास्थ्य और अवसर इन सबके लिए कृतज्ञ होना हमें मानसिक रूप से हल्का करता है। इस दीपावली अपने परिवार और मित्रों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करें। एक छोटा-सा 'धन्यवाद' भी रिश्तों में जादू भर देता है।

दूसरों की अच्छाइयां स्वीकारें

हम दूसरों में सिर्फ कमी ढूंढते हैं, तो रिश्तों पर धूल जमने लगती है, लेकिन जब हम उनकी अच्छाइयां देखते हैं और सराहना करते हैं, तो हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं। यह दीपावली दूसरों की अच्छाइयों को पहचानने और स्वीकार करने का अभ्यास करें। इससे मन हल्का होगा और रिश्ते भी मजबूत होंगे।

पारिवारिक मूल्य और परंपराएं

दीपावली केवल रोशनी और मिठाइयों का त्योहार नहीं, बल्कि यह हमारे परिवार और संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है। अपने बच्चों को परंपराओं का महत्व बताएं, उन्हें पूजा-पाठ और पारिवारिक रीति-रिवाजों में शामिल करें। इससे वे अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे और रिश्तों में आत्मीयता बनी रहेगी।

सामाजिक जुड़ाव और सेवा

दीपावली का त्योहार केवल हमारे घर तक सीमित नहीं है। हम दूसरों के जीवन में रोशनी भरते हैं, तभी असली दीपावली होती है। किसी जरूरतमंद को कपड़े, मिठाई या दीपदान करें। किसी बुजुर्ग का हालचाल लें, किसी अकेले पड़ोसी को साथ बैठकर दीपावली मनाएं। यह छोटे-छोटे कदम आपके भीतर सकारात्मकता भरेंगे और रिश्तों का दायरा भी विस्तृत करेंगे।

त्योहार और विज्ञान

आज वैज्ञानिक भी मानते हैं कि घर की सफाई और दीपक जलाने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा व ताजगी आती है। रोशनी का यह प्रतीक हमारे दिमाग पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। जब घर और मन दोनों स्वच्छ हों, तो मानसिक स्वास्थ्य स्वतः बेहतर होता है।

दीपावली केवल सजावट और उत्सव का प्रतीक नहीं, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर है। हम अपने घर के साथ-साथ मन और रिश्तों की सफाई करते हैं, तो जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता प्रवेश करती है। इस बार दीपावली पर केवल घर को ही नहीं, बल्कि अपने मन और रिश्तों पर जमी धूल को भी साफ करें, ताकि आपका जीवन प्रेम, शांति और सुख से भर जाए।

भौतिकता में खोती त्योहार की चमक

भौतिकवादी चमक-दमक के पीछे हम त्योहारों की असली उपयोगिता को भूलते चले जा रहे हैं। सदियों से भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी में दीपावली का त्योहार चल रहा है। घर-घर में रंग-बिरंगी लड़ियां शाम ढलते ही अपनी रोशनी बिखेरकर हवा के साथ अठखेलियां करने पर आमादा हो जातीं हैं और दीए मानो हवा का इम्तिहान लेने की ठान रहे हों। ऐसे में एक द्वंद्व मन के भीतर लगातार चलता रहता है। कुछ साल पहले तक प्रकाश और दीपों का जो त्योहार सबसे अधिक भाता था, आज थोड़ा-थोड़ा मन खट्टा है। वजह कोई एक नहीं। बहुत सारी वजहें हैं, जो शायद आप लोगों ने भी महसूस की होंगी।

अमृता पांडे
लेखिका, हल्द्वानी

आज देश में हर त्योहार दो दिन मनाए जाने की परंपरा शुरू हो गई है। लक्ष्मी पूजन पर भी इसी तरह का संशय है। जानकारों का एक वर्ग 20 तारीख को दिवाली मनाने की बात कहता है, तो दूसरा 21 तारीख को। कभी किसी राज्य विशेष को लेकर एक दिन दिवाली मनाने की घोषणा होती है, जबकि देश में कुछ जगह अलग दिन। दिवाली तो देश का सबसे बड़ा त्योहार है, जिसे सभी लोग उत्साह के साथ मनाते हैं, तो देश का यह त्योहार एक दिन क्यों नहीं?

कुछ सालों पहले तक इन त्योहारों का एक उद्देश्य होता था। त्योहार आते ही मन में एक उमंग छा जाती थी। यह त्योहार खासकर मेलजोल के त्योहार होते थे और रूठे हुए अपनों को मनाने के माध्यम बनते थे, लेकिन आज बाजारवाद हमारे इन त्योहारों पर बुरी तरह से हावी हो गया है। बड़े-बड़े उपहार देने-लेने में ही इसकी सार्थकता रह गई है। यह सच है कि आज रिश्ते भावनाओं से नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य से तोले जाते हैं। इस तरह की प्रवृत्ति समाज को एक ऐसी दिशा की ओर ले जा रही है, जहां पर भावनाओं और संवेदनाओं का कोई मोल नहीं रह जाता। बस स्वार्थपरता रहती है। भौतिकवादिता की परत-दर-परत उभर कर आती है, लेकिन इंसान का मन खोखला रह जाता है, क्योंकि इसे सहलाने वाला कोई नहीं होता। मानव जीवन ऐश्वर्य और दौलत के सहारे नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और भरोसे के सहारे पार लगता है।

बीते कुछ समय से सामाजिक सद्भाव में कमी देखने को आ रही है। सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के प्रयास पूरे देश की प्रगति के लिए घातक हैं। खासकर ऐसे समय में जब चारों तरफ से विदेशी ताकतें सिर उठाकर खड़ी हों। इन त्योहारों को मनाने का आनंद सामूहिक है, एकल नहीं। अमावस्या की रात जब लाखों दीप एक साथ जलते हैं, तो अंधकार कहीं छुप सा जाता है, तो क्यों न हम सभी के दिलों में प्रेम, विश्वास और श्रद्धा के दीप इसी तरह जगमगाएं कि हम तमाम भेदभाव को भूलकर सामाजिक सौहार्द की मिसाल बन जाएं। हमें याद रखना होगा कि तरह-तरह के बल्ब और रोशनी के इस युग में जीवन के एक गहन सत्य को संप्रेषित करने के लिए दीपक जलाए जाते हैं। इस दिवाली में हम सभी के भीतर का अंधकार समाप्त हो। हमारा विवेक और हमारी संवेदनाएं जागृत हों।

गर्भावस्था और शिशु हानि-एक मौन पीड़ा

गर्भावस्था एक स्त्री के जीवन की सबसे पवित्र और आनंदमयी यात्रा होती है। यह वह समय होता है जब एक नया जीवन उसके भीतर आकार ले रहा होता है, जब उसके मन में नन्हीं-नन्हीं उम्मीदें पल रही होती हैं, लेकिन कभी-कभी यह यात्रा अधूरी रह जाती है, जब गर्भपात, मृतजन्म या शिशु की असामयिक मृत्यु जैसी घटनाएं सामने आती हैं। यह केवल एक शारीरिक घटना नहीं होती, बल्कि गहराई तक पहुंचने वाला मानसिक और भावनात्मक आघात होती है। समाज में अक्सर ऐसी घटनाओं पर खुलकर चर्चा नहीं की जाती, जिससे परिणाम स्वरूप पीड़ित परिवार एकाकीपन महसूस करता है।

गर्भावस्था और शिशु हानि का वास्तविक अर्थ

- गर्भावस्था की हानि का अर्थ है-गर्भ का किसी भी अवस्था में समाप्त हो जाना, चाहे वह प्रारंभिक गर्भपात हो या प्रसव के बाद शिशु की मृत्यु।
- यह किसी भी महिला और परिवार के लिए अत्यंत कष्टदायी अनुभव है।
- यह न केवल शरीर को, बल्कि मन को भी झकझोर देने वाली स्थिति होती है।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से गर्भ हानि के कारण

आयुर्वेद में गर्भधारण और प्रसव को "सुप्रजा जन्म" की संकल्पना के रूप में देखा गया है। गर्भ का स्थायित्व और शिशु का स्वास्थ्य माता-पिता दोनों के "शुद्ध शुक्र एवं आर्तव, सात्विक आहार-विहार और मानसिक संतुलन" पर निर्भर करता है।

आयुर्वेदिक कारण

- क्षीण गर्भाशय (क्षीण गर्भाशय वलय)-जब गर्भाशय की पेशियां कमजोर होती हैं।
- रज-दोष या शुक्रदोष- बीजदोष के कारण गर्भ का सही विकास नहीं हो पाता।
- अतियोग (अत्यधिक परिश्रम या सहवास)- प्रारंभिक गर्भावस्था में शारीरिक परिश्रम या तनाव।
- अविपक्व गर्भ- जब आहार-विहार गर्भवती के अनुकूल न हो।
- मानसिक कारण-अत्यधिक भय, क्रोध या चिंता भी गर्भाशय में संकुचन को उत्पन्न कर सकती है।

समाधान और निवारण

गर्भिणी परिचर्या : आयुर्वेद के अनुसार, गर्भवती स्त्री को हर मास के अनुसार विशेष आहार, औषधि और दिनचर्या अपनानी चाहिए।

शांत मन और सात्विक भोजन : मानसिक शांति और सात्विक भोजन गर्भस्थ शिशु के विकास में महत्वपूर्ण है।

गर्भस्राव की प्रवृत्ति होने पर अशोक घनसार, लोध्रासव, शतावरी कल्प आदि औषधियां चिकित्सक की सलाह से दी जाती हैं।

पंचकर्म से पूर्व तैयारी : जिन महिलाओं में बार-बार गर्भपात होता है, उन्हें गर्भधारण से पहले रसायन चिकित्सा और शोधन चिकित्सा (जैसे वमन, विरेचन, बस्ति) से शरीर को संतुलित किया जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा का योगदान

- आधुनिक विज्ञान ने मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।
- नियमित अल्ट्रासाउंड और प्रसवपूर्व जांचें भ्रूण की स्थिति और स्वास्थ्य को समझने में मदद करती हैं।
- फोलिक एसिड, आयरन और कैल्शियम सप्लीमेंटेशन गर्भवती महिला के लिए अनिवार्य है।
- संक्रमण नियंत्रण व टीकाकरण, शिशु मृत्यु के जोखिम को कम करते हैं।
- मानसिक स्वास्थ्य परामर्श- गर्भावस्था के दौरान मनोवैज्ञानिक परामर्श भी आवश्यक है ताकि तनाव से गर्भ पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

भावनात्मक समर्थन और परिवार की भूमिका

- शिशु हानि के बाद सबसे महत्वपूर्ण है-सहानुभूति और समझ।
- समाज को यह समझना चाहिए कि यह किसी की गलती नहीं है। ऐसे में परिवार और मित्रों को चाहिए कि दु:ख को सुनें, पर सलाह देने से बचें।
- मातृ-पितृ को भावनात्मक सहारा दें।
- स्मृति दिवस जैसे अवसरों पर उनकी भावनाओं का सम्मान करें।

शिशु हानि के सामान्य कारण

गर्भावस्था या शिशु हानि कई कारणों से हो सकती है। कभी यह चिकित्सा जटिलताओं के कारण होती है, तो कभी जीवनशैली या सामाजिक कारक भी इसमें भूमिका निभाते हैं। इसके मुख्य कारणों में शामिल हैं-

- गर्भावस्था में संक्रमण- रुबेला, टॉक्सोप्लाजमोसिस या अन्य वायरल संक्रमण गर्भस्थ शिशु को प्रभावित कर सकते हैं।
- प्रीक्लेम्प्सिया या गर्भावधि उच्च रक्तचाप- गर्भवती महिलाओं में रक्तचाप बढ़ने से भ्रूण को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता।
- पोषण की कमी- आयरन, फोलिक एसिड या कैल्शियम की कमी गर्भावस्था की जटिलता को बढ़ा देती है।
- गर्भाशय या गर्भनाल की असामान्यताएं- जैसे प्लेसेंटा का समय से पहले अलग होना या गर्भनाल का उलझना।
- दुर्घटनाएं, मानसिक तनाव या धूम्रपान- अल्कोहल जैसी आदतें।
- असमय जन्म- जब शिशु का जन्म समय से पहले होता है और वह पूर्ण रूप से विकसित नहीं होता।
- आनुवंशिक विकार- कुछ भ्रूण जन्मजात विकृतियों के कारण जीवनक्षम नहीं होते।

भावनात्मक और सामाजिक प्रभाव

गर्भावस्था या शिशु की हानि केवल एक शारीरिक घटना नहीं, बल्कि गहरी मानसिक आघात का कारण होती है।

माता के लिए : यह घटना उसके भीतर गहन अपराधबोध, उदासी और अवसाद का कारण बन सकती है।

पिता के लिए : समाज में पिता की भावनाओं को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है, परंतु वे भी समान रूप से दर्द महसूस करते हैं।

परिवार के लिए : घर का वातावरण मौन और दु:ख से भर जाता है। परिवार में अन्य बच्चों पर भी इसका मानसिक प्रभाव पड़ सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि ऐसे परिवारों को मानसिक और सामाजिक समर्थन दिया जाए, ताकि वे इस कठिन समय से उबर सकें।

भारत में स्थिति और चुनौतियां

- भारत में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पिछले कुछ वर्षों में घटी है, परंतु अभी भी यह पूरी तरह संतोषजनक नहीं है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार, भारत में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) लगभग 27 प्रति 1000 जीवित जन्म है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर अधिक है, जहां स्वास्थ्य सेवाएं सीमित हैं।
- सामाजिक कारण, जैसे प्रारंभिक विवाह, कुपोषण, शिक्षा की कमी और प्रसव में देरी भी बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए, गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच, संतुलित आहार और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है।

आयुर्वेद की दृष्टि से मातृ शांति के उपाय

- आयुर्वेद मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को समान महत्व देता है।
- ध्यान, प्राणायाम और मंत्र जाप गर्भवती और शोकग्रस्त माता के मन को शांत करते हैं।
- शतावरी, अशोक, गुडूची, ब्राह्मी जैसी औषधियां मानसिक और शारीरिक संतुलन के लिए उपयोगी हैं (चिकित्सक की देखरेख में)।
- स्नेहपूर्ण वातावरण, सात्विक आहार और नकारात्मक भावनाओं से दूरी गर्भ के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- गर्भावस्था और शिशु हानि का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।
- यह अनुभव एक गहरी खालीपन, अपराधबोध और दुख की भावना छोड़ जाता है।
- सही देखभाल, समय पर चिकित्सा, मानसिक समर्थन और आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर इस दु:ख को जीवन की नई दिशा में बदला जा सकता है।
- आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि मातृत्व को सम्मान, सुरक्षा और संवेदना के साथ देखा जाए।
- हर मां का अनुभव चाहे अधूरा रहा हो, वह सम्मान और प्रेम की पात्र है। हर वह जीवन, जो क्षणभर भी अस्तित्व में आया, वह हमारे दिलों में सदा जीवित रहेगा।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरेली

इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है कि समाज में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाई जाए। संस्थान में गर्भिणी परिचर्या क्लिनिक, आयुर्वेदिक परामर्श केंद्र, गर्भसंस्कार कार्यक्रम और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाएं उपलब्ध हैं।

यहां की चिकित्सा पद्धति केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित है। संस्थान का उद्देश्य है- "हर मां को स्वस्थ गर्भावस्था और हर शिशु को सुरक्षित जन्म मिले।"

बच्चों में 'गाली' क्यों बन रही है कूल!

डिजिटल दुनिया एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसे पालने वाला नहीं बनाया जा सकता। हमारे बच्चे उस दुनिया की भाषा बोल रहे हैं, जिसे हमने उन्हें बिना किसी फिल्टर के सौंप दिया है। यह दोष मढ़ने का समय नहीं है। स्कूल अनुशासन सिखाता है, लेकिन जीवन का पाठ घर और समाज ही पढ़ाता है। हमें अपने बच्चों के नैतिक और भाषाई विकास के लिए एक साथ खड़े होना होगा। आइए माता-पिता, शिक्षक और समुदाय के रूप में, हम उनकी भाषा की सुरक्षा दीवार बनें।

यह स्कूल नहीं, सामाजिक चुप्पी का नतीजा

एक हालिया घटना ने मुझे स्तब्ध कर दिया। कक्षा 3 की एक शिक्षिका ने हैरान होकर बताया कि सात साल के एक बच्चे ने खेल-खेल में बेहद अश्लील गाली का इस्तेमाल किया। जांच करने पर पता चला कि उस बच्चे ने वह शब्द अपने पसंदीदा ऑनलाइन गेमिंग कमेंटेटर से सुना था, जो लाइव-स्ट्रीमिंग के दौरान अक्सर ऐसे शब्दों का प्रयोग करता है। यह केवल एक बच्चे की कहानी नहीं है, बल्कि तकनीक प्रेमी पीढ़ी (टेक सैवी जनरेशन) के सामने खड़ी एक विकट सामाजिक समस्या का आईना है। एक स्कूल काउंसलर के तौर पर मैं अक्सर माता-पिता से एक ही सवाल सुनती हूं: 'मेरा बच्चा ये सब स्कूल से सीख रहा है, हम तो घर पर कभी ऐसे शब्द इस्तेमाल नहीं करते। स्कूल क्या कर रहा है?' यहीं पर हमें रुककर सोचने की जरूरत है। अगर न माता-पिता सिखा रहे हैं और न ही स्कूल, तो यह अभद्र भाषा का चलन हमारी नई पीढ़ी में कहां से आ रहा है?

डॉ. सिमरन कौर
मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ

सामुदायिक संकल्प

यह समस्या न तो केवल बच्चों की है, न केवल स्कूलों की, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। हमें एक 'सामुदायिक संकल्प' लेना होगा।

माता-पिता बनें 'पहला फायरवॉल'

संयुक्त स्क्रीन टाइम : बच्चे को फोन या टैबलेट अकेले न दें। उनके साथ बैठें। वे कौन सी गेमिंग स्ट्रीम देख रहे हैं, उसे साथ में देखें। जब कोई गाली देता है, तो वहीं पर चर्चा करें कि 'क्या यह सही तरीका है?'

उदाहरण बनें : घर में खासकर बच्चों के सामने, अपनी भाषा को लेकर अत्यंत सजग रहें। डिजिटल डिटॉक्स करें- भोजन के समय फोन दूर रखें।

सशक्त भाषा का प्रशिक्षण

अगर बच्चा गाली देता है, तो उसे सजा देने के बजाय पूछें: 'जब तुमने वह शब्द इस्तेमाल किया, तब तुम्हें कैसा महसूस हो रहा था? उन्हें सिखाएं कि क्रोध या असहमति व्यक्त करने के लिए 'गाली' नहीं, बल्कि 'मुझे निराशा हुई' या 'मैं इस बात से सहमत नहीं हूं' जैसे मुखर वाक्य का उपयोग किया जाता है।

सकारात्मक ऑफलाइन गतिविधियां

सामाजिक कौशल विकास : बच्चों को खो-खो, कैरम या कहानियों की किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। ऑफलाइन खेल उन्हें वास्तविक जीवन में टीमवर्क, हार-जीत को स्वीकारना और संघर्षों को भाषा के माध्यम से हल करना सिखाते हैं।

सामूहिक समस्याएं

हमारी सामूहिक समस्याएं, हमारा समुदाय जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है, वह है भाषा की भावनात्मक असंवेदनशीलता।

गाली का 'कूल' फैक्टर : आज तीसरी कक्षा तक के बच्चों के लिए अभद्र शब्द गुस्से की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि ऑनलाइन दुनिया में 'तेज', 'हिम्मती' या 'कूल' दिखने का एक माध्यम बन गए हैं। वे सोचते हैं कि जो जितना अधिक गाली देता है, वह उतना ही अधिक 'प्रो' या 'मजेदार' होता है।

उत्तरदायित्व का अभाव : हमने बच्चों को स्मार्टफोन तो दे दिए, लेकिन उन्हें यह नहीं सिखाया कि ऑनलाइन दुनिया के लिए भी एक शिष्टाचार संहिता होती है। वे गेमिंग चैट्स, सोशल मीडिया कमेंट्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी नियंत्रण के सब कुछ देख रहे हैं।

स्कूल पर दोष डालना : बच्चे 8 घंटे स्कूल में रहते हैं, लेकिन बाकी के 16 घंटे और सप्ताहांत वे घर और डिजिटल दुनिया में बिताते हैं। हम यह मान लेते हैं कि बच्चे के चरित्र और भाषा की पूरी जिम्मेदारी स्कूल की है, जबकि घर पर दिया गया डिजिटल एक्सेस पूरी तरह अनफिल्टर्ड होता है।

गाली-गलौज की पाठशाला : कहां से सीख रहे हैं बच्चे?

यह स्वीकार करना जरूरी है कि बच्चे यह अभद्र भाषा स्कूल के पाठ्यक्रम से नहीं, बल्कि इन तीन स्रोतों से सीख रहे हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

अनियंत्रित डिजिटल मंच

ऑनलाइन गेमिंग : पबजी/बीजीएमआई, फ्री फायर जैसे गेम्स में वॉयस चैट के दौरान हार-जीत के बीच इस्तेमाल होने वाली अपशब्दों की बौछार। बच्चा सामने वाले को नीचा दिखाने के लिए गाली देना सीखता है।

भारतीय संदर्भ : कई क्षेत्रीय गेमिंग स्ट्रीमर्स और रोस्टर्स अपनी सामग्री को रोमांचक बनाने के लिए हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हैं, जो सीधे बच्चों की श्रवण शक्ति पर असर डालता है। सोशल मीडिया और मीम्स : व्यंग्य या हास्य के नाम पर बनाए गए वीडियो, वेब सीरीज के ट्रेलर और मीम्स में अपशब्दों का मुक्त उपयोग।

घर का अप्रत्यक्ष प्रभाव

माता-पिता खुद कभी गाली न दें, लेकिन अगर वे फोन पर गुस्से में बात करते हुए, ट्रैफिक जाम में या टीवी पर किसी बहस के दौरान कड़े या अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चा तुरंत उस व्यवहार को पकड़ लेता है। बच्चे हमें देखकर सीखते हैं कि गुस्से या हताशा को व्यक्त करने का 'सबसे तेज़' तरीका क्या है।

मानसिक स्वास्थ्य के सुझाव

समय सीमा और मानसिक शांति

- नियम : गैजेट्स (फोन, टैबलेट) इस्तेमाल करने का एक निश्चित समय तय करें।
- बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए : सोने से कम से कम एक घंटा पहले सभी स्क्रीन बंद करवा दें। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी नींद को प्रभावित करती है, जिससे तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद बेहतर मानसिक स्वास्थ्य की नींव है।

साइबर बुलिंग/धमकी और भावनात्मक सुरक्षा

- नियम : उन्हें सिखाएं कि ऑनलाइन किसी से भी बदतमीजी नहीं करनी है और अगर कोई उनके साथ बदतमीजी करता है (साइबर धमकी), तो तुरंत माता-पिता या शिक्षक को बताना है।
- बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए : बच्चे को यह विश्वास दें कि शिकायत करने पर उन्हें डांटा नहीं जाएगा। उन्हें बताएं कि ऑनलाइन धमकी से होने वाली चिंता, डर और उदासी पूरी तरह सामान्य है और वे इसे अकेले न सहें।

ऑनलाइन अजनबियों से बात न करें

- नियम : बच्चों को समझाएं कि वे ऑनलाइन गेम्स या सोशल मीडिया पर केवल उन्हीं लोगों से दोस्ती करें, जिन्हें वे वास्तविक जीवन में जानते हैं।
- डर और असुरक्षा की भावना : ऑनलाइन अजनबी अक्सर हानिकारक इरादे रखते हैं, जिससे बच्चों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। सुरक्षित महसूस करना अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की पहली शर्त है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है, लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता भी बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको परिवार के साथ में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

वृष
यह सप्ताह बीते हफ्ते से ज्यादा शुभता और सौभाग्य लिए रहेगा। यदि आप बीते कुछ समय से किसी कार्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत थे, तो वह इष्टमित्रों की मदद से पूर्ण हो जाएगा। सप्ताह की शुरुआत में संतान से जुड़ी किसी बड़ी चिंता के दूर होने से आप राहत की सांस लेंगे।

मिथुन
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपकी कोई बड़ी मनोकामना पूरी हो सकती है। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको मनचाहे रोजगार की प्राप्ति संभव है और यदि आप पहले सही कहीं पर कार्यरत हैं, तो आपके पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि संभव है।

कर्क
यह सप्ताह थोड़ा राहत भरा रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको तमाम परेशानियों से आंशिक ही सही, लेकिन राहत मिलती हुई नजर आएगी। रोजी-रोजगार से जुड़ी मुश्किलों का समाधान खोजने में मित्रगण एवं शुभचिंतक सहायक साबित होंगे।

सिंह
इस सप्ताह किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने की बजाय उसे बहुत सोच-समझकर करने की आवश्यकता रहेगी। आप अपने करियर अथवा कारोबार के प्रति लापरवाह होने से बचें अन्यथा आपको पद एवं प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। समय पर शुभचिंतकों और इष्टमित्रों की मदद न मिल पाने से भी आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

कन्या
इस सप्ताह मन, वचन और कर्म से किसी को भी दु:ख देने से बचना चाहिए। आप खुद को जितना तमाम तरह के विवादों से दूर रखेंगे, उतना ही सुकून में रहेंगे। किसी बात को लेकर आत्मीयजनों के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है। इस दौरान आपको लोगों को जवाब देने से ज्यादा उन्हें सुनने और समझने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

तुला
यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपको अपनी वाणी विनम्रता रखते हुए खुद को तमाम विवादों से दूर रखना श्रेयस्कर रहेगा। घर-परिवार से जुड़ी समस्याएं आपकी चिंता का कारण बनेंगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको बाजार में आई मंदी से जूझने में मुश्किलें आ सकती हैं।

वृश्चिक
इस सप्ताह करियर और कारोबार में मिले-जुले फल प्राप्त हो सकते हैं। इस पूरे सप्ताह आपको इस कहावत को हमेशा याद रखना होगा कि सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे। हालांकि आप उनकी चालों को अंतत: अपनी सूझबूझ से नाकाम करने में कामयाब हो जाएंगे।

धनु
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपना कार्य किसी दूसरे के भरोसे छोड़ने की बजाय खुद बेहतर तरीके से पूरा करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा बना-बनाया कार्य भी बिगड़ सकता है अथवा उसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिली पाएगी।

मकर
इस सप्ताह आपको अपने करियर और कारोबार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को अपने सीनियर से अपेक्षित सहयोग व समर्थन न मिल पाने के कारण कुछेक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कर्मक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोजने में आपके शुभचिंतक एवं इष्टमित्र काफी मददगार साबित होंगे।

कुंभ
इस सप्ताह दूसरों के साथ वैसा व्यवहार बिल्कुल नहीं करना चाहिए, जो खुद के लिए पसंद नहीं है। यदि आप निरंतर अपने लक्ष्य के लिए प्रयासरत रहते हैं, तो आपको सप्ताह के उत्तरार्ध तक अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति हो सकती है। यह सप्ताह व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है।

मीन
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपका मन घर-परिवार से जुड़े किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंतित रह सकता है। आपको इस दौरान चिंता की बजाय चिंतन करने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप अपने प्रयास और शुभचिंतकों की मदद से काफी हद तक समस्याओं का समाधान खोजने में कामयाब हो जाएंगे।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 30

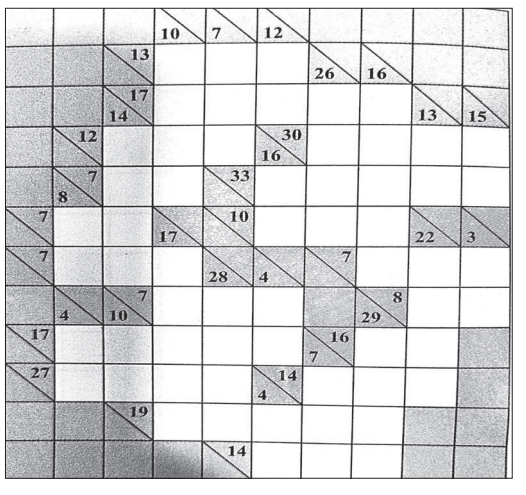

काकुरो 29 का हल

3	8	6	2	1	7			
1	5	2	4	8	9			
9	1		1	3	2	1		
9	7		3	6	8	7	9	
8	6	4	9	7	2	1	3	
		2	3		2	1		
8	7	5		7	8	3	6	9
7	2	1	3	4			1	8
9	1		1	3		1	3	
		1	5	2		3	2	1
		4	2	1		2	4	3

कहानी

इजहार...

दोनों की दुनिया अलग थी, पर नजरों की भाषा एक थी। नजरें भी कुछ ऐसी कि सब कुछ कह जाती थीं, सिवाय एक इजहार के। अक्सर उसे देखकर ममता हौले से मुस्कुरा देती थी और दिलीप था कि बस एक नजर डालकर आगे बढ़ जाता था। शायद उसके मन में भय था कि अगर उसने कुछ बोल दिया तो यह लड़की कहीं मुस्कुराना ही न भूल जाए। बात यूनिवर्सिटी कैंपस की है, जिन दिनों वो पढ़ाई किया करते थे। दिलीप विज्ञान का छात्र था, वहीं ममता कॉमर्स की पढ़ाई कर रही थी। उनकी क्लासें अलग होने से कभी-कभार ही उनमें मुलाकातें होती थी। कॉरिडोर में जब कभी भी वे दोनों आपस में टकराते थे, उनकी आंखे दो से चार होती रहती थीं। इस सिलसिले का इतना तो असर हुआ कि थोड़े समय बाद ही उन्हें महसूस होने लगा कि ऐसा कुछ है, जो उनके दिलों में हलचल करने लगी है। फिर भी खामोशी की दीवार तोड़ने का प्रयास उन दोनों में से किसी ने कभी भी नहीं किया था। दरअसल वो जमाना ही कुछ और हुआ करता था, जब आशिकों को ढेर सारी बंदिशें जकड़े रहा करती थीं। चार आंखें एक क्या हुईं, चालीस आंखें पीछा करने लगती थीं।

यूनिवर्सिटी के दिन ऐसे ही गुजर गए। वक्त ने करवट ले ली। यूनिवर्सिटी तो अपनी जगह वहीं पर थी। वहां की रौनक और चहल-पहल में कहीं से कोई कमी नहीं आई थी। यदि कहीं से कुछ कम हुआ था, तो बस यही कि वे दोनों मूक पंछी कहीं और किसी दिशा में उड़ चुके थे। अक्सर ऐसा देखा गया है कि प्यार परवान चढ़ने से पहले ही दम तोड़ देती है। इस कहानी में शायद दोनों यही चाहते थे कि इजहार की पहल सामने वाला करे। लड़की की उलझन तो एक बार फिर भी समझी जा सकती है, परंतु दिलीप के मन में क्या चल रहा था, यह समझना आसान नहीं था। जरूर कुछ बात थी, जो वह ममता को इग्नोर करके बड़ी खामोशी के साथ दूर निकल गया था। फिलहाल इनके प्यार की कहानी यहीं नहीं खत्म होती।

आज लगभग छह वर्षों के बाद, वक्त ने एक बार फिर से करवट ली थी। दिल्ली एयरपोर्ट पर, टैक्सी से उतरते ही, दिलीप ने ट्रॉली पर अपना सामान रखा और गेट की ओर लगभग दौड़ते हुए बढ़ चला। तेज बारिश और जाम के चलते, उसे पहले ही एयरपोर्ट पहुंचने में काफी देर हो चुकी थी। उसे भय सता रहा था कि कहीं उसकी फ्लाइट की बोर्डिंग पास इशू करने वाली विंडो बंद न हो गई हो। विंडो को खुला देखकर, उसकी ललाट पर सिमट आई सिलवटें कुछ कम होने लगी। जल्दी से उसने अपने पेपर काउंटर की दूसरी तरफ बैठे स्टाफ की ओर बढ़ा दिया।

अच्छा! तो आप ही दिलीप हैं। हमलोग आप ही के इंतजार में बैठे हैं, अच्छा हुआ आपने आने से पहले ही मैसेज कर दिया था। चलिए जल्दी से अपना सामान जमा कीजिए, तब तक मैं आपके पेपर चेक कर लेता हूं। सामान जमा करके जब वह लौटा उसका बोर्डिंग पास तैयार था। दिलीप आगे बढ़ गया। अंत में इमिग्रेशन काउंटर से निपटकर वो वेटिंग रूम की ओर बढ़ चला। यद्यपि उसके दिल की धड़कने कम हो गई थीं, परंतु अभी भी माथे पर छलक आई पसीने की चंद बूंदें सूखने का नाम ही नहीं ले रही थीं। जेब से रुमाल निकालकर, अपने पसीने को साफ करते हुए, उसने वेटिंग रूम में प्रवेश किया ही था कि सबसे पहले उसकी निगाहें उस लड़की की ऊपर जा टिकी जो अपना सिर झुकाए, लैपटॉप पर झुकी बैठी हुई थी। ये तो वही यूनिवर्सिटी वाली लड़की लग रही है, नहीं, नहीं ये वो नहीं है, वो तो दुबली पतली थी, यह तो भरे बदन वाली उसी की शक्ल जैसी कोई और ही है। यह सोचकर वह उसके सामने के सोफे पर जाकर बैठ गया।

दिलीप बैठ तो गया था, परंतु अभी भी रह-रह कर वह उसी लड़की को चोरी-चुपके देख रहा था, अगर वही होगी तो मुझे देखकर शायद एकबार फिर से मुस्कुरा दे। हुआ भी ऐसा ही, जब ममता ने अपना सिर उठाया तो सामने दिलीप को पाकर चौंक गई। अरे! यह तो वही है। उसने पहचाने में कोई भूल नहीं की थी। अगले ही पल उसने दिलीप की ओर मुस्कुराकर हेलो बोला और अपना बैग उठाकर दिलीप के पास आकर बैठ गई। पूछा, पहचाना आपने।

दिलीप ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, क्यों नहीं, आप लखनऊ यूनिवर्सिटी वाली अरे! मैं तो आपका नाम भी नहीं जानता। क्या नाम है आपका ममता और आपका दिलीप फिर दोनों खिलखिला कर हंस पड़े।

ममता बोली चलिए, हम दोनों ने कम से कम एक दूसरे का नाम तो जान लिया अन्यथा... अन्यथा क्या?

फिर ऐसे ही मिलते और अजनबी की तरह अपने-अपने रास्ते निकल पड़ते है ना! अच्छा पहले ये तो बताइए, आप जा कहां रहे हैं? जर्मनी फ्रैंकफर्ट, दिलीप ने संक्षिप्त सा जवाब दिया। ओह! घूमने या फिर किसी काम से। नहीं, वहां मेरी जॉब लगी है, ज्वाइनिंग लेने जा रहा हूं। क्या अजीब इत्तेफाक है, मैं भी बंगलौर ज्वाइनिंग ही लेने जा रही हूं।

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

अपने क्या कोर्स किया है। इसी साल सी.ए कंप्लीट किया है। और आप? मैंने बी.टेक करने के बाद एम.बी.ए किया था।

शादी की या अभी कुंवारे ही बैठे हैं। ममता ने एक झटके में दिलीप से पूछ तो लिया, परंतु अगले ही पल झेंपकर उसने अपना सिर झुका लिया। नहीं.. अभी नहीं.. हाल-फिलहाल अभी इरादा भी नहीं है। और आप ने? जी नहीं आप ही जैसा मेरा भी हाल है। दोनों एक बार फिर से खिलखिला पड़े। एक बात पूछूं, जवाब देंगे? पूछिए, क्या आपको कभी मेरी याद आती थी?

दिलीप ने सोचा भी न था कि वह ऐसे प्रश्न भी पूछ सकती है। वह एकटक ममता को निहारने लगा। उसे कोई जवाब सूझ नहीं रहा था कि वह क्या बोले? आपने मेरे प्रश्न का जवाब नहीं दिया। अचानक से फ्रैंकफर्ट की फ्लाइट का अनाउंसमेंट सुनकर दिलीप उठ खड़ा हुआ। उसकी बोर्डिंग के लिए गेट खुल गया था।

एक काम करिए आप किसी पेपर पर अपना मोबाइल नंबर लिखकर दे दीजिए। अब तो हम दोस्त बन गए हैं। फोन पर बात करते रहेंगे।

आप मोबाइल में मेरा नंबर सेव कर लीजिए। ममता की वाणी में अजीब सी उदासी थी। देखिए जल्दी में मैं अपने बड़े वाले सूटकेस के जेब में मोबाइल रखकर भूल गया हूं, वह तो लगेज के साथ ही चला गया है। इसीलिए आपसे कागज पर नंबर मांग रहा हूं।

ओह! फिर आप अपना ही नंबर बोल दीजिए मैं सेव कर लेती हूं। आपको जब फोन करूंगी, आपको मेरा नंबर मिल जाएगा। अरे नहीं! जर्मनी में मेरा यहां वाला नंबर बदल जाएगा। वहां जाते ही मुझे वहां का सिम लेना होगा। फिर आप कैसे बात करेंगी। इसीलिए तो आपका नंबर मांग रहा हूं। ममता जल्दी से बैग में कागज पेन ढूंढने लगती है। इतने में अंतिम अनाउंसमेंट होता है। फ्रैंकफर्ट की फ्लाइट की बोर्डिंग गेट दस मिनट में बंद हो जाएगी, जो यात्री अभी भी इतने सुनते ही दिलीप 'बाय-बाय..' बोलकर मुड़ा और तेजी से गेट की ओर बढ़ गया।

ममता फटी आंखों से दिलीप को जाते हुए देखती रह गई। कैसा है ये इंसान! मुझे अपना मोबाइल नंबर तक देना नहीं चाहता। कितनी बेरुखी से मुड़ कर चला गया। कहीं मैं ही जबरदस्ती पीछे तो नहीं पड़ रही हूं? बैंगलोर में ज्वाइनिंग लेने के बाद ममता को वहां काम करते हुए 11-12 माह गुजर चुके थे। उसे विश्वास होने लगा था कि अब दिलीप से शायद ही कभी मुलाकात होगी। कॉन्टेक्ट नंबर, एक दूसरे का अता पता, कुछ भी तो नहीं था उसके पास। फिर भी न जाने क्यों, जब कभी किसी का फोन आता था, ममता को ऐसा लगता था, जैसे अभी दूसरी तरफ से दिलीप की आवाज आएगी.. "बताओ मैं कौन हूं"।

शायद यह उसके मन का विश्वास ही था कि एक दिन शाम को जब वह अपने कमरे में पहुंचकर लेटी ही थी कि मोबाइल की घंटी बजने लगी। कौन हो सकता है, यह सोचते हुए उसने जैसे ही मोबाइल उठाकर कान से लगाया, उसे दूसरी तरफ से आवाज सुनाई पड़ी। हेलो! बताओ मैं कौन हूं।

ओह नो.. दिलीप!.. अरे वाह.. आपको मेरा नंबर कहां से मिल गया! मैं तो बिल्कुल ही निराश हो गई थी। अच्छा, पहले ये बताइए, आप कहां से बोल रहे है, जर्मनी से या फिर इंडिया आए हुए हैं? आप एक साथ इतने प्रश्न पूछेंगी, फिर मैं कैसे जवाब दे पाऊंगा। सॉरी.. वेरी सॉरी..! वो क्या है कि अरे कुछ नहीं। हां, आप बोलिए न दिलीप को ममता की आवाज में आश्चर्य, उल्लास और उत्तेजना का मिश्रण साफ सुनाई दे रहा था। शांत चित्त होकर मेरी बात ध्यान से सुनिएगा, आपके सारे प्रश्नों के जवाब मिल जाएंगे। हां तो, मैं इस वक्त लखनऊ में हूं, आपके घर पर हूं, मैं अकेला नहीं आया हूं, मेरे मम्मी-पापा भी साथ में आए हुए हैं। वे सभी लोग आपस में बातें कर रहे हैं, मैं थोड़ी देर के लिए बाहर निकल आया हूं, आपका मोबाइल नंबर आपके पापा से मुझे मिला है, आपके घर का पता आपकी कंपनी के रिकॉर्ड्स से मिला है। जिस इंसान ने आपका पता ढूंढकर मेरी मदद की है, वो मेरा दोस्त है, जो वहीं बंगलौर में काम करता है। आप सोच भी नहीं सकती हैं कि इस काम के लिए उसने कितने पापड़ बेले हैं। उसने सिर्फ आपका ही नहीं और भी कंपनियों में काम करने वाली ममता नाम की लड़कियों के भी अते-पते भेजे थे। उन सारे पतों को देखकर मुझे लगा कि यह लखनऊ वाला पता आपका हो सकता है। सो आपके घर तक पहुंच गया। बस अब फोन रख रहा हूं, फिर बात करेंगे। एक बात और अब जब भी हम आपस बात करेंगे। यह "आप..आप" की दीवार गिराकर, बात करेंगे। बाकी की खबर अपने पापा-मम्मी से ले लेना।

हां, एक बात कहना भूल गया था हो सकता है, वो तुमसे हमारी शादी के विषय में तुम्हारी रजामंदी पूछें। अपनी रजामंदी देने से पहले, जीवन की कुछ जिम्मेदारियों और कर्तव्यों की ओर तुम्हारा ध्यान दिलाना चाहूंगा, जिन पर तुम्हें भी विचार कर लेना चाहिए। पहली बात यह कि हमें नौकरी के चलते, एक दूसरे के साथ रहने का कम ही अवसर मिलेगा। ऐसे में एक दूसरे पर हमारा विश्वास सदैव कायम रहना चाहिए। दूसरी बात मेरे माता-पिता के लिए बुढ़ापे का एक मात्र सहारा मैं ही हूं, उन्हें भी हमें अपने जीवन में उचित स्थान देना होगा। तीसरी और अंतिम बात यह कि जब तुम रूठोगी, मैं तुम्हें मनाऊंगा और जब मैं रूठूंगा, तुम मनाओगी। मेरी बात तुम्हें कुछ अटपटी लग सकती है, पर यह हमारी जिंदगी की खुशहाली के लिए कड़वी सच्चाई है। कट फोन कट गया। ममता सोच में पड़ गई। यह कौन सा तरीका है, खुशखबरी देने का। अपने मुंह से नहीं कह सकते, मेरे पापा-मम्मी मुझे बताएंगे। उफ्फ! कैसे इंसान से दिल लगा बैठी। प्यार करेंगे, पर इजहार नहीं करेंगे। ममता की आंखों में आंसू छलक आए।

दोहे/कविताएं/गीत

रौशन हुआ जहान

दीप दीप जलते गये, रौशन हुआ जहान।
अंधियारे ने अंतत:, ली अब चुप्पी तान।।

स्याह अमावस सी घनी, कितनी भी हो रात।
जलकर दीपक दे रहा, अंधियारे को मात।।

बाती मिल कर तेल से, होती रही निहाल।
अपने मन की कह रही, पूंछ रही फिर हाल।।

आंख मिचौली कर रही, नटखट झालर आज।
दीपों से है आ रही, कुछ कुछ उसको लाज।।

छुई मुई सी फुलझड़ी, नखरे करे हजार।
इस नखरे में फंस गया, सुंदर सरल अनार।।

खील-बताशे-रेवड़ी, पहन नए परिधान।
त्योहारों पर आ गए, लिए मधुर मुस्कान।।

खुशियां आंगन की बढ़ी, चहक रहे हैं द्वार।
इस दीवाली देखकर, संग सकल परिवार।।

हमको पुरखों ने दिये, जितने भी त्योहार।
मौसम के अनुकूल सब, हैं सुख का आधार।।

दीपक से हम सीख लें, परमार्थ का भाव।
जलकर उजियारा करे, यह है संत स्वभाव।।

आओ मिलजुल कर सभी, करते रहें प्रयास।
धरती पर हो सर्वदा, उजियारे का वास।।

प्रदीप बहराइची
शिक्षक

उत्सव

उत्सव है, उजास है विनय-पत्रिका
अंधेरे के विरुद्ध एक सख्त कार्रवाई भी
जीवन से जुड़ी-जुड़ी, विस्तृत विशाल
भरी-भरी हैं हरे-भरे से प्रिय और सुंदरतम
है हर हाल है कोशिश यही कि पहुंचे फिर जहां तक भी पहुंचे वह
हारेंगी-हारेंगी साजिशें ही हारेंगी
और जितेगा सौजन्य-सौहार्द जितेगा फिर प्रेम ही जितेगा
द्वारे-द्वारे जाग रही है लौ विश्वास की
साहसपूर्ण साहस भरे पांवों की धीरे-धीरे धधकते-सुलगतें गारों की तरह
मेरे-तेरे, सभी-सभी के सीनों में हर कहीं
कौन है, कौन है जो रोक सकता है युद्ध ये
कहीं नहीं, कभी नहीं, कोई नहीं, जरा नहीं
उत्सव है, उजास है विनय-पत्रिका
जो करती है मुक्त सभी को।

राजकुमार कुम्भज
स्वतंत्र पत्रकार

मां

मां है कितना पावन नाम, जैसे कोई तीर्थ धाम।
मां का सचमुच नहीं बखान, मां होती है बहुत महान।
जीवन भर दुख सहती रहती, मुख से पर कुछ कभी न कहती।
खुशियां हम पर न्योछावर करती, हम बच्चों के सब दुख हरती।
हर मुश्किल सी लड़ना सिखाती, ख्वाब दिखाकर हिम्मत देती।
मां तुम ही मेरी पहली शिक्षक, तुम ही जीवन का आधार।

दीपा त्रिपाठी
शिक्षिका

लघुकथा

दिवाली की जगमग

अभिनव और अर्नव दिवाली की छुट्टी होने के बाद से घर की सफाई में लगे हुए थे। हर कोने की गंदगी साफ करने पर दोनों अमादा थे। फिर दीवाली से दो दिन पहले ही दोनों ने किसी और के जीवन को खुशियों से जगमग करने की सोची। दोनों ने अपनी जेब खर्च को सालभर से बचाया था कि दिवाली पर पूरे घर की दीवारों पर नीचे पीली-लाल और हरा झालर लगाकर सजाएंगे, लेकिन दोनों के मन में आ गया था कि किसी और के जीवन में उजाला भरने के लिए इस दीवाली पर उपहार दिया जाए।

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

दिवाली की सुबह भी दोनों भाई अभिनव और अर्नव दिन ढलने से पहले ही घर को झालरों से न सजाने का मन बना लिया। फिर बाजार जाकर मिठाइयां, पटाखे और मोमबत्तियां खरीदी। घर आकर अपनी मां को सारी बात बताई तो मां ने कहा असली दिवाली तो किसी जरूरतमंद की मदद करके खुशियों का प्रकाश फैलाना ही दिवाली का जगमग है। उनकी बात सुनकर खुशी-खुशी दोनों ने मां के काम में हाथ बंटाया। वे दोनों कभी दीयों को धोने-सुखाने, बत्तियां बनाने में मदद करने के बाद पास के झुग्गी में जाने के लिए निकल पड़े। मां को दोनों के इस परोपकारी निर्णय पर काफी अच्छा महसूस हो रहा था। वे भी लक्ष्मी पूजन की तैयारी में लग गईं। यह तो सच था कि लक्ष्मी जी सबसे ज्यादा सजे घर में ही आएंगी, सो सभी अपनी-अपनी जगह लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी में जुटे हुए थे। साथ ही दोनों बच्चे झुग्गी में पहुंचकर अपने हम उम्र बच्चों को मिठाइयां, पटाखे और मोमबत्तियां बांटने लगे। उनसे दीवाली का उपहार पाकर उन गरीब बच्चों के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव तैर रहा था। एक छोटा बच्चा बड़ी व्यग्रता से मिठाई और पटाखे मिलने की प्रतीक्षा कर रहा था कि तभी सारे पटाखे और मिठाइयां खत्म हो गईं। वे दोनों बच्चों के पास आकर बोले हम तुम्हारे लिए अभी मिठाई और पटाखे लेकर आते हैं फिर दोनों बाजार से लाकर उस बच्चे को दे दिया। बच्चा बहुत प्रसन्न हुआ। यह देखकर दोनों को अंदर से बहुत खुशी हुई। दोनों वापस घर लौट आए।

मां ने अभिनव, अर्नव से कहा, "तुम अपने सारे पैसे से उन बच्चों को दिवाली मनवा दी। मैंने पिताजी को सारी बात बताई है। सुनकर बहुत प्रसन्न हुए हैं। उनको आने दो, वे इकट्ठे ही मिठाइयां और पटाखे ले आएंगे। क्या पता वो शहर से ही तुम दोनों के लिए इस परोपकार के लिए नए कपड़े भी ले आएं। दोनों भाई बोले, अच्छा मां! कुछ देर में पिता जी आ गए। उनके हाथ में बड़ा-सा झोला, कपड़ा और मिठाई का डिब्बा था। आओ अब हम भी दिवाली मनाते हैं, रोशनी से घर जगमग करते हैं और पटाखे जलाते हैं। पिताजी के साथ नए कपड़े पहनकर दोनों खुशी-खुशी पटाखे जलाने लगे।

अनुभूति

प्रेम

जानते हैं इस दौर में जो कई पवित्र भाव बचे रह गए हैं, उनमें से एक है अध्यापिका के प्रति उसकी किसी छात्रा का अनकहा प्रेम। संकोच, आंखों में किसी नन्हें शावक सा दुबका बैठा दिखता है। होंठों पर हर बार एक मर्यादित, औपचारिक प्रश्न-मैम, आप नोटबुक चेक कर देंगी?/आज ये पढ़ाना है/ये मैं एक्सरसाइज कर के लाई हूं देख लीजिए। इसका क्या अर्थ होता है? आदि आदि।

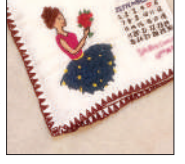

त्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका

औपचारिक प्रश्नों के भीतर जो अनौपचारिक प्रेम छुपा होता है, उसे अनुभव करने के लिए किसी विशेष मापयंत्र की आवश्यकता नहीं होती। प्रेम कभी भी ठोस नहीं होता, वह द्रव हो सकता है, जो द्रवित कर दे या वह सुगंध हो सकता है, जो आजीवन एक स्मृति बनकर महकता रहे। एक अध्यापिका के समक्ष सबसे बड़ी दुविधा होती है कि वह प्रेम का प्रतिकार 'प्रकट प्रेम' से नहीं कर सकती। अव्वल तो अध्यापक का प्रेम आशीर्वाद है, जो किसी मेधावी के सिर पर स्वयं ही चला जाता है। दूसरा प्रेम के बदले विशेष प्रेम दिया ही नहीं जा सकता है, समानता और निष्पक्षता का नियम अध्यापक का बंधन है। अध्यापिका का प्रेम भी मूक होता है। दिखता नहीं है, अप्रकट है, अप्रत्यक्ष है। अध्यापिका जानती है तुमने अंदर ही अंदर कुछ भावनात्मक सूत्र जोड़ लिए हैं, पर इसे न तो बढ़ावा देना है, न ही मुरझाने देना है। बस इसे एक अलग दिशा में ऊर्जा देनी है। इसी प्रेम में उसे सानकर उससे कुछ बड़ा करवाना है। उसे संवारना है, उसे निखारना है।

समीक्षा

नृत्य और दृढ़ता का संगम

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में सोनल मानसिंह एक अनमोल रत्न हैं। पद्म विभूषण से सम्मानित, ओडिसी और भरतनाट्यम की महान नृत्यांगना और सांस्कृतिक दूत हैं। उनकी आत्मकथा, 'एक जिगजैग मन', जो अगस्त 2025 में प्रकाशित हुई, एक सामान्य आत्मकथा नहीं है। 208 पेज की यह किताब 26 अध्यायों में उनके जीवन, नृत्य और आध्यात्मिकता की एक जीवंत कहानी है, जो पाठकों को भारतीय सौंदर्य और पर्यावरण के करीब लाती है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने अपने विद्वतापूर्ण प्राक्कथन में लिखा है, "सोनल मानसिंह ने नाट्य, नृत्य और नृत्त को खूबसूरती से समझाया है। सोनल मानसिंह की लेखनी उनके नृत्य की तरह ही है-अप्रत्याशित, भावपूर्ण और गहरी। किताब का शीर्षक, 'एक जिगजैग मन', उनके जीवन दर्शन को दर्शाता है। यह कोई सीधी राह नहीं, बल्कि एक घुमावदार यात्रा है, जिसमें कई मोड़, खोजें और दृढ़ता भरे कदम हैं। वह अपने जीवन को समय के क्रम में नहीं, बल्कि अलग-अलग थीम के माध्यम से प्रस्तुत करती हैं, जो नृत्त की स्वतंत्र भावना को दर्शाता है। किताब का एक प्रमुख आकर्षण गुरु-शिष्य परंपरा का वर्णन है। वह अपनी जिंदगी के अनोखे पलों को आत्म प्रकाशन के रूप में पेश करती हैं। किताब में नृत्य की दुनिया के अलावा नदी संस्कृति, कला की धर्मनिरपेक्षता और भारतीय विरासत की बहुस्तरीयता जैसे विषय भी शामिल हैं। यह किताब आत्मकथा से आगे बढ़कर रचनात्मकता, साहस और भारतीय संस्कृति की कहानी है।

पुस्तक : एक जिगजैग मन
लेखक : सोनल मानसिंह
प्रकाशन : विटस्टा पब्लिशिंग, नई दिल्ली
रुपये : 495
समीक्षक : विवेक शुक्ला, नई दिल्ली

जीवन और समाज का आईना

वरिष्ठ साहित्यकार और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' के लेखक डॉ. सुरेश वशिष्ठ एक संवेदनशील रचनाकार हैं। हाल ही में इनका नया लघुकथा संग्रह 'रंगे हुए सियार' प्रकाशित हुआ। इस संकलन में 60 लघुकथाएं संकलित है। इस संग्रह की लघुकथाएं मानवीय संवेदना से लबरेज हैं। इनकी लघुकथाएं हमारे आसपास की हैं। इस संग्रह की रचनाएं अपने आप में मुकम्मल और उद्देश्यपूर्ण लघुकथाएं हैं और पाठकों को मानवीय संवेदनाओं के विविध रंगों से रूबरू करवाती हैं। लघुकथा एक कठिन विधा है। इसकी संरचना में कसावट का विशेष ध्यान रखना होता है। एक अतिरिक्त शब्द भी इसे कमजोर बना सकता है। लेखक हिन्दी भाषा के एक संवेदनशील लेखक हैं। 'वस्त्र' लघुकथा में नए प्राचार्य की सादा और सरल उपस्थिति न केवल एक अचंभित करने वाली घटना थी, बल्कि यह समाज की उस मानसिकता को भी सामने लाती है, जहां हम किसी की प्रतिष्ठा या सामाजिक स्थिति का आकलन केवल उसके बाहरी रूप-रंग से करने लगते हैं। हम अक्सर यह सोचते हैं कि कोई व्यक्ति जितना भव्य होगा, उसकी योग्यता और प्रभाव भी उतना ही बड़ा होगा, लेकिन इस लघुकथा में इसका उल्टा हुआ है। संवेदनात्मक स्तर पर ये लघुकथाएं भीतर तक उद्वेलित करती हैं। हर लघुकथा खत्म होने के लंबे अंतराल तक जेहन में अपना प्रभाव छोड़ती हैं। इस संग्रह की लघुकथाओं में जीवन और समाज के हर पक्ष को बड़ी बारीकी से देखा और परखा गया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने पात्रों के मानसिक धरातल को समझकर उनके मन की तह तक पहुंचकर लघुकथाओं का सृजन किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ की रचनाओं की भाषा सहज, स्वाभाविक और संप्रेषणीय है। इस संग्रह की लघुकथाओं के शीर्षक भी कथानक के अनुसार ही हैं। यह लघुकथा संग्रह आपको कई विषयों पर सोचने के लिए मजबूर कर देता है। आशा और उम्मीद है कि प्रबुद्ध पाठकों में इस लघुकथा संग्रह का स्वागत होगा।

पुस्तक : रंगे हुए सियार (लघुकथा संग्रह)
लेखक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ
प्रकाशक : प्रेम प्रकाशन मंदिर, दरियागंज, दिल्ली
मूल्य : 250/- रूपए
समीक्षक-दीपक गिरकर

व्यंग्य

त्योहारी सीजन का मारा...एक बेचारा

यूं तो भारतीय समाज आजकल नारी-पुरुष एक समान की नीति पर चल रहा है। अधिकारों के नाम पर श्रीमतियों की डिमांड अपने- अपने श्रीमान जी से बढ़ती जा रही है। करवाचौथ पर्व पर जब श्रीमती जी ने श्रीमान जी के दीर्घायु होने की कामना में व्रत रखा, तो अपनी डिमांड की लंबी फेहरिस्त श्रीमान जी के हाथ में थमा दी। महंगी साड़ी के साथ महंगाई की ऊंची कूद लगाते स्वर्ण आभूषणों की डिमांड कर डाली। साथ ही धमकी भी दी कि चाहे जो मजबूरी हो, डिमांड श्रीमती जी की पूरी हो।

श्रीमान जी मरते क्या न करते, श्रीमती जी की डिमांड पूरी करने के लिए बैंक के कर्जे की किश्त बढ़ाने के लिए विवश हो गए। गृहस्थ जीवन में शांति पाठ का महत्व केवल श्रीमान जी ही जानते हैं। श्रीमती जी तो आपदा में अवसर ढूंढने की फिराक में ही रहती हैं, कि जैसे भी हो, त्योहार के नाम पर कैकेयी बनकर कोप भवन में अनशन की धमकी देती रहें और श्रीमान जी को समझौता वार्ता के लिए विवश करती रहे। बहरहाल करवाचौथ के समापन के उपरांत श्रीमती जी यदि श्रीमान जी से प्राप्त उपहारों से संतुष्ट हों, तो बड़ी बात है, अन्यथा श्रीमान जी भले ही अपनी जेब का अतिक्रमण करके कितना ही महंगा उपहार श्रीमती जी की सेवा में प्रस्तुत कर दें। श्रीमती जी को प्रसन्न करना आसान काम नहीं होता। त्योहारी सीजन आता तो है, मगर सामान्य श्रीमान जी के सम्मुख मुसीबतों का पहाड़ खड़ा करने में पीछे नही रहता। करवाचौथ के उपरांत धनतेरस भी श्रीमान जी की जेब पर क्रूर प्रहार करने से नहीं चूकता। श्रीमती जी की सुविधा प्राप्त करने वाली फेहरिस्त का आकार प्रतिवर्ष बढ़ता ही जाता है। अब पीतल के बर्तनों की डिमांड नहीं होती। डायमंड के गहनों की डिमांड अधिक होती है। साइकिल आज भी कुछ श्रीमानों के लिए सपना होगी, किंतु सुविधा भोगी श्रीमतियों की नजर किसी दोपहिया पर नहीं पड़ती। सामान्य चौपहिया भी उन्हें आरामदायक नही लगते। चौपहिया में भी उन्हें ऊंचे कद और तेज गति से दौड़ने वाली गाड़ियां ही पसंद आती हैं। ऐसा नहीं है कि श्रीमती जी श्रीमान जी की जेब की सीमाएं न जानती हों, किंतु श्रीमती जी अपने अड़ोस-पड़ोस, अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों की समृद्धि को कैसे पचाएं, जो भौतिक संसाधनों से घर के ड्रॉइंग रूम में महंगे झूमर की रोशनी से नहा रहे हों तथा श्रीमती जी की महत्वकांक्षा के परों को उड़ान भरने के लिए उकसा रहे हों। खैर जो भी हो, भले ही व्यापार घाटे में जाए या श्रीमान जी की नौकरी छूट जाए? त्योहारी सीजन श्रीमतियों के लिए ख्वाहिश बुनने और उन्हें पूरा कराने के लिए एक अदद श्रीमान जी पर दवाब बनाने का सीजन जरूर बन जाता है।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

आधी दुनिया

दीपों की जगमगाहट, मिठाइयों की मिठास और अपनों का साथ-दिवाली का जादू बस कुछ ऐसा ही होता है, लेकिन इस उत्सव की रौनक तब और बढ़ जाती है, जब आप अपने लुक में भी वही रोशनी और रंग भर दें। फैशन की यह दिवाली सिर्फ नए कपड़े पहनने की नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति और स्टाइल सेंस को नए अंदाज में पेश करने का मौका है। इस बार फैशन ट्रेंड्स कह रहे हैं-परंपरा और आधुनिकता का मिलन ही असली ग्लैमर है। महिलाओं के लिए सिल्क, बनारसी या चिकनकारी साड़ियों के साथ कंट्रास्ट ब्लाउज ट्रेंड में हैं, वहीं इंडो-वेस्टर्न कुर्ता सेट और स्टेटमेंट ज्वेलरी आपका लुक और भी ग्लैमरस बना सकते हैं।

दिवाली पर अपनाएं स्टाइल और परंपरा का संगम

लहंगे: पारंपरिक और आधुनिक अंदाज

लहंगा दिवाली का एक पारंपरिक परिधान है, लेकिन इस दिवाली के लिए, कुछ अलग क्यों न आजमाएं? पन्ना हरा, शाही नीला या चटख पीला जैसे गहरे रंगों में लहंगे चुनें। ज्यादा आधुनिक लुक के लिए, इसे क्रॉप टॉप या कढ़ाई वाले ब्लाउज के साथ पहनें। लहंगे का फ्लोई सिल्हूट आपके उत्सवी लुक में चार चांद लगा देता है और साथ ही लंबे समय तक चलने वाले उत्सवों के लिए भी आरामदायक रहता है।

साड़ियां: कालातीत सुंदरता

भारतीय दिवाली परिधानों के लिए साड़ियां एक लोकप्रिय विकल्प हैं। इस दिवाली पहनने के अलग-अलग तरीके आजमाएं या एक सहज और स्टाइलिश लुक के लिए पहले से ड्रेप की हुई साड़ी पहनें। सिल्क, ऑर्गेंना और जॉर्जेट जैसे कपड़े आपके लुक को निखार सकते हैं, आप जहां भी जाएंगी, सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेंगी। अगर आपको इतिहास के स्पर्श के साथ सादगी पसंद है, तो साड़ी आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

शरारा सेट

क्या आप कुछ ऐसा ढूंढ रही हैं, जो पारंपरिकता के साथ-साथ थोड़ी मस्ती का भी मेल खाए? इस साल दिवाली पर महिलाओं के लिए शरारा सेट ट्राई करें। ये सेट, चौड़े पैरों वाली पैंट और छोटे कुर्ते के साथ, पारंपरिक भारतीय पहनावे को एक नया रूप देते हैं। चाहे आप भारी कढ़ाई चुनें या साधारण, खूबसूरत डिजाइन, शरारा सेट आपके पहनावे को और भी निखार देंगे।

अनारकली सूट: शाही और आरामदेह

अगर आप आराम और परिष्कार का मेल चाहती हैं, तो अनारकली सूट दिवाली के लिए एकदम सही परिधान है। अनारकली में फर्श तक लंबी ड्रेस से लेकर छोटे, फैले हुए आकार तक हर दिवाली उत्सव के लिए आदर्श हैं। उत्सव के माहौल को पूरी तरह से अपनाने के लिए चटख रंगों या बेहतरीन कारीगरी वाले अनारकली सूट चुनें। ये हवादार, मुलायम होते हैं और आपको शाही एहसास दिलाते हैं, इन्हें पसंद करने के लिए क्या नहीं है?

कुर्ता-प्लाजो कॉम्बो

जो लोग ज्यादा आरामदायक लुक पसंद करते हैं, उनके लिए कुर्ता-प्लाजो का कॉम्बिनेशन एकदम सही है। दिवाली के लिए यह आउटफिट स्टाइल से समझौता किए बिना आराम का प्रतीक है। आप प्रिंटेड कुर्ते को प्लेन प्लाजो के साथ या फिर इसके उलट भी पहन सकती हैं। कुछ स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनें और आप तैयार हैं।

खाना खजाना

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर

केसर रसगुल्ला

केसर रसगुल्ला एक लोकप्रिय मिठाई है, जिसे त्योहारों और उत्सवों के दौरान बनाया जाता है। इसको ताजा मुलायम पनीर, केसर और मिश्रित सूखे मेवों से बनाया जाता है, इन्हें चीनी की चाशनी में भिगोकर ठंडा या नार्मल ठंडा खाया जाता है। केसर रसगुल्ले का एक बड़ा रूप है, जो पीले रंग का होता है। ये मुलायम और स्पंजी गोले सुगंधित गुलाब की चाशनी में डूबे होते हैं, जिससे इन्हें एक मनमोहक फूलों जैसा स्वाद मिलता है। आइए आज आपको बताते हैं, इन स्वादिष्ट केसर रसगुल्लों की रेसिपी।

सामग्री

- दूध-1 लीटर
- नींबू का रस या सिरका- 2 टेबल स्पून
- चीनी- डेढ़ कप
- पानी- 3 कप
- केसर के धागे- 1 बड़ा चम्मच
- गर्म दूध (केसर मिलाया हुआ)- 2 टेबल स्पून
- वैनिला एसेंस (वैकल्पिक)- कुछ बूंदें
- इलायची पाउडर (वैकल्पिक)- 1/4 चम्मच

बनाने की विधि सबसे पहले आप एक बड़े बर्तन में दूध उबालें। वह उबलने लगे, तो आंच धीमी कर दें और नींबू का रस या सिरका डालें। दूध फटने लगेगा और मक्खन जैसी मलाई और पानी अलग हो जाएगा। इसके बाद इसमें सादा पानी और मलाई को कपड़े से छानकर निथार लें। मक्खन जैसी वस्तु को साफ कर लें। फिर मक्खन जैसी वस्तु को अच्छी तरह गूंधें और छोटी-छोटी गेंदें बनाएं। इन गेंदों को हल्का सा खाल्का गुलाबी रंग भी दे सकते हैं। इसके बाद केसर के धागों को गर्म दूध में डालें और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें ताकि केसर का रंग और खुशबू मिल जाए।

चाशनी- एक गहरे बर्तन में पानी और चीनी मिलाकर उबालें। जब चीनी घुल जाए, तो उसमें केसर का दूध और केसर के धागे डालें।

रसगुल्लों को पकाना- इन गेंदों को चाशनी में डालें और मध्यम आंच पर 15-20 मिनट तक पकने दें। रसगुल्ले फूलकर चाशनी सोख लेंगे। फिर रसगुल्लों को ठंडा होने दें। चाहें तो ऊपर से वैनिला एसेंस या इलायची पाउडर भी मिला सकते हैं। अब आप केसर रसगुल्ला को सर्व करें और चाहें तो सजावट के लिए थोड़े केसर के धागे ऊपर से डाल सकते हैं।

दीपावली में लाएं चेहरे पर सोने सा निखार

दीपावली रोशनी का त्योहार है, जब घर से लेकर दिल तक हर चीज जगमगा उठती है। ऐसे में अगर चेहरे पर भी वही सुनहरी चमक झलकने लगे, तो त्योहार की रौनक दोगुनी हो जाती है। कुछ आसान घरेलू उपायों और सही स्किन केयर रूटीन से आप भी पा सकती हैं सोने सा निखार, वो भी बिना किसी महंगे ट्रीटमेंट के।

- त्योहार से पहले की तैयारी-दिवाली के कुछ दिन पहले से ही अपनी स्किन केयर रूटीन पर ध्यान देना शुरू करें। दिनभर की धूल, प्रदूषण और तनाव आपकी त्वचा की चमक को फीका कर देते हैं। रोजाना रात में चेहरा अच्छी तरह क्लींजर से धोकर मॉइस्चराइजर लगाएं। हफ्ते में दो बार स्टीम लेकर क्लीनअप करें ताकि त्वचा की गहराई में जमी गंदगी निकल जाए।
- घर पर स्क्रब बनाएं - शक्कर, नींबू का रस और शहद मिलाकर हल्के हाथों से मसाज करें। प्राकृतिक फेस पैक से पाएं गोल्डन ग्लो घर की रसोई में मौजूद चीजों से तैयार फेस पैक आपकी स्किन को तुरंत निखार सकते हैं।
- हल्दी और बेसन पैक- एक चम्मच बेसन में चुटकीभर हल्दी, थोड़ा दूध और गुलाबजल मिलाएं। इसे 15 मिनट चेहरे पर लगाकर गुनगुने पानी से धोलें। हल्दी त्वचा में सुनहरी चमक लाती है और बेसन डेड स्किन हटाता है।
- केसर और दूध पैक- कुछ केसर की कली रातभर दूध में भिगो दें। सुबह इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट बाद धोलें। केसर का नैचुरल पिग्मेंट स्किन टोन को उजला और ग्लोइंग बनाता है।
- एलोवेरा और नींबू जेल- एलोवेरा जेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाएं। इससे त्वचा को ठंडक मिलती है और टैनिंग दूर होती है।

रचनात्मकता और सुरक्षा से बच्चों के साथ मनाएं दीपावली

दीपावली और अन्य सांस्कृतिक त्योहार मनाने से बच्चों में उन परंपराओं के प्रति सम्मान और जिज्ञासा विकसित होती है, जो उनकी अपनी परंपराओं से भिन्न हो सकती हैं। रोशनी का त्योहार दिवाली, नन्हें बच्चों को विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं की खूबसूरती से परिचित कराने का एक अद्भुत अवसर है। कुछ मजेदार और सार्थक गतिविधियों के माध्यम से हम बच्चे को यह समझने में मदद कर सकते हैं कि भले ही हम सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं, फिर भी हम प्रेम, प्रकाश और समुदाय के समान मूल्यों को साझा करते हैं।

दीपावली को रौशनी और दियों का त्योहार माना जाता है। पर इस त्योहार में दियों को इतना महत्व दिए जाने के साथ विज्ञान और आध्यात्म दोनों हैं। बच्चे के शुरुआती शिक्षण अनुभव में सांस्कृतिक उत्सवों को शामिल करके, हम एक अधिक समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण विश्वदृष्टि की नींव रख सकते हैं।

हमारा मानना है कि विविध त्योहार मनाने से बच्चों में दुनिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति समझ और प्रशंसा विकसित होती है। दुनियाभर में लाखों लोगों द्वारा मनाई जाने वाली दिवाली, बच्चों को दयालुता, परिवार और एकजुटता के मूल्यों की शिक्षा देते हुए, मजेदार और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने का एक आदर्श अवसर प्रदान करती है।

यहां कुछ गतिविधियां साझा की जा रही हैं, जिनका आनंद आप अपने छोटे बच्चों के साथ दिवाली मनाने और विविधता के महत्व को समझाने के लिए ले सकते हैं।

कागज के दीये लैंप बनाएं

अपने बच्चे को रंगीन कागज, ग्लिटर और स्टिकर का इस्तेमाल करके खुद दीये बनाने में मदद करें। आप मॉडलिंग क्ले का इस्तेमाल करके दीयों को आकार दे सकते हैं और उन्हें चटख रंगों से रंग सकते हैं। यह हाथ से बनाया गया शिल्प न केवल उनकी रचनात्मकता को बढ़ाता है, बल्कि उन्हें दिवाली की परंपराओं से भी परिचित कराता है।

डॉ. अनिल चौबे
शिक्षक

कहानियां भी बताएं

छोटे बच्चों को दिवाली के महत्व और मूल्यों के बारे में सिखाने के लिए कहानियां सुनाना एक प्रभावशाली तरीका है। दिवाली पर बच्चों के लिए कई बेहतरीन किताबें उपलब्ध हैं इन कहानियों को पढ़ने से बच्चों को इस त्योहार के बारे में मजेदार और रोचक तरीके से जानने में मदद मिल सकती है।

संगीत, नृत्य के साथ जश्न मनाएं

संगीत और नृत्य दिवाली के कई उत्सवों का केंद्र बिंदु होते हैं। पारंपरिक भारतीय संगीत या आधुनिक बॉलीवुड गाने बजाएं और अपने बच्चे के साथ एक छोटी सी डांस पार्टी का आयोजन करें। उन्हें लय के साथ थिरकने और जीवंत धुनों का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

आनंद के साथ सुरक्षा भी जरूरी

हालांकि कई बार पैरेंट्स दिवाली सेलिब्रेशन में डूब जाते हैं और बच्चों पर उनका ध्यान नहीं रहता है, जिससे किसी भी तरह की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं, तो उनका खास ध्यान रखना चाहिए।

मिठाइयां भी जरूरी

दिवाली खुशियों और रोशनी का त्योहार है। इस दिन बेहद स्वादिष्ट मिठाइयां और पटाखे फोड़ने का लुत्फ उठाया जाता है। बच्चों के लिए यह त्योहार बेहद खास होता है। इस दिन वे नए-नए कपड़े पहनकर पटाखे-फूलझड़ियां जलाते हैं।

कैसे रखें बच्चों की सेफ्टी का ध्यान

बच्चों को बिना मास्क न रखें

दीपावली से पहले प्रदूषण काफी हद तक बढ़ जाता है। ऐसे में बच्चों की सेहत का खास ख्याल रखना पड़ता है। दिवाली में जब काफी ज्यादा पटाखे जलाए जाते हैं, तो उससे निकलने वाला धुआं बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए बच्चों को हमेशा मास्क पहनाएं रखें और दिवाली मजे से सेलिब्रेट करें।

दीपक जलाते समय रखें ध्यान

दिवाली के खास अवसर पर घर में दीये जलाए जाते हैं। ऐसे में कई बार बच्चें इस काम में मदद करते हैं। चूंकि बच्चे नटखट होते हैं, इसलिए दीये जलाते समय उन पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि जरा सी लापरवाही हादसे को दावत दे सकती है। कई बार बच्चे दीये जलाते समय खुद का हाथ भी जला बैठते हैं। इसलिए उनका ख्याल रखें।

अकेले न जलाने दें पटाखें

दिवाली की तैयारियों में कई बार पैरेंट्स इतने व्यस्त हो जाते हैं कि बच्चे अकेले ही पटाखे जलाने लगते हैं। ऐसे में कई बार बच्चे पटाखों की चपेट में आ जाते हैं। कोशिश करें कि बच्चों को साथ लेकर ही पटाखें जलाएं ताकि बच्चा सुरक्षित रहें और दिवाली सेलिब्रेशन सेफ्टी के साथ हो।

दीपावली का विज्ञान भी समझें

आज हम सभी वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन आप अपने घर पर घी या तेल का दिया जलाकर आपके घर में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ा सकते हैं। ये कोई अंधविश्वास नहीं। इसके पीछे विज्ञान है। आपके घर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ जाता है। जब हम घी या तेल का दिया जलाते हैं, तो तेल या घी में मौजूद फैटी एसिड जलते हैं। इस प्रक्रिया में फैटी एसिड का एक मॉलीक्यूल जलने से 56 कार्बन के मॉलिक्यूल निकलते हैं और 52 पानी के मॉलिक्यूल निकलते हैं। वहीं एक फैटीएसिड के मॉलिक्यूल को जलाने के लिए हवा में मौजूद ऑक्सीजन के 79 मॉलिक्यूल खर्च होते हैं।

सही कपड़े पहनाएं

कई बार फैंसी कपड़ों के चक्कर में बच्चों को दिवाली जैसे मौके पर खराब क्वालिटी के कपड़े पहना देते हैं। ऐसे कपड़ों के आग पकड़ने का खतरा ज्यादा रहता है। कोशिश करें कि बच्चों को दिवाली पर कॉटन के कपड़े ही पहनाएं। ऐसे कपड़े पहनाएं, जिनसे उनका पूरा शरीर ढका रहे।

रंगोली पैटर्न डिजाइन करें

रंगोली एक पारंपरिक भारतीय कला है, जिसमें रंगीन पाउडर, चावल या फूलों का उपयोग करके जमीन पर जटिल डिजाइन बनाए जाते हैं। आप अपने बच्चे के साथ कागज के एक टुकड़े पर या अपने ड्राइववे पर चाक या रंगीन रेत का उपयोग करके सरल रंगोली पैटर्न बना सकते हैं।

दिवाली पर उपहार में दें फास्टैग वार्षिक पास

नई दिल्ली। एनएचएआई ने शनिवार को कहा कि फास्टैग वार्षिक पास अब राजमार्ग यात्रा एप के जरिए किसी को भी उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए एप पर पास जोड़ें विकल्प पर क्लिक करते उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ना होगा, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। एनएचएआई ने कहा कि ओटीपी सत्यापन के बाद उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर वार्षिक पास सक्रिय हो जाएगा।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 19 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकिo) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी TO पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में बढ़ रही आगे

भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

- केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में होगी सकारात्मक वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भारत और अमेरिका के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गोयल ने यह भी भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। उन्होंने जीएसटी बचत उत्सव पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत के किसानों का, मछुआरों का, भारत के एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र का, जब तक देश हितों को पूरी तरह से हम संभाल नहीं लेते, तब तक कोई समझौता नहीं हो सकता।

जीएसटी बचत उत्सव के दौरान प्रेसवार्ता में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव।

प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रगति और इसके कब तक पूरा होने के बारे में गोयल ने कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में चल रही है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत के कृषि क्षेत्र में रियायतें चाह रहा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय आधिकारियों का दल इस सप्ताह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वाशिंगटन में था। इस वर्ष फरवरी में, भारत और अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को एक प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत आगे बढ़ाने को कहा था। उन्होंने समझौते के पहले चरण को 2025 में अक्टूबर-नवंबर तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। पिछले महीने, गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व न्यूयॉर्क में किया था।

जीएसटी में सुधार से देश को गमिलेगी गति

गोयल ने कहा कि जीएसटी में सुधार से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और वैश्विक चुनौतियों के प्रभाव से निपटने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी की घोषणा होते ही निवेशकों को तुरंत एहसास हो गया कि यह एक बड़ा लाभ है। मांग में भारी वृद्धि होगी। ई-कॉमर्स कंपनियों के जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाने पर मंत्री ने कहा कि आमतौर पर सभी कंपनियों ने लाभ पहुंचाया है और उन्होंने नकद बोनस और छूट की भी घोषणा की है। लेकिन किसी साइट या मंच ने लाभ नहीं पहुंचाया है तो उपभोक्ता शिकायत कर सकता है और विभाग जरूरी कदम उठाएगा।

जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा : सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी सुधारों का लाभ कम कीमतों के रूप में उपभोक्ताओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार 22 सितंबर को जीएसटी की कम दरें लागू होने के बाद से देश भर में 54 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रख रही है। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी के चलते खरीदारी बढ़ी है। उपभोग में वृद्धि का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा है कि ऐसी हर वस्तु पर कंपनियां उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा रही हैं। उन्होंने बताया कि कुछ वस्तुओं के मामले में व्यवसायों ने जीएसटी दर कटौती से अधिक लाभ उपभोक्ताओं को दिया है। सीतारमण ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग को जीएसटी कटौती के अनुरूप कीमतों में कमी न करने से संबंधित 3,169 शिकायतें मिली हैं। इनमें से 3,075 शिकायतें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के नोडल अधिकारियों को भेज दी गई हैं। विभाग ने 94 शिकायतों का समाधान किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि विभाग शिकायत पोर्टल पर एक सुविधा उपलब्ध कराएगा, ताकि शिकायतों को उन संबंधित क्षेत्रों के मुख्य आयुक्तों को भेजा जा सके जहां से शिकायतें मिली हैं।

जीएसटी सुधारों से 20 लाख करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स बिक्री की उम्मीद: वैष्णव

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधारों के कारण इस साल 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक्स बिक्री होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि सभी खुदरा शृंखलाओं के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले नवरात्रि की तुलना में 20-25 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई और 85 इंच के टीवी जैसी कई ऐसी श्रेणियां हैं जिनका स्टॉक पूरी तरह से बिक गया। वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की बढ़ती मांग का सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर पड़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण अब दोहरे अंकों की वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है। इस साल खपत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की पूरी संभावना है, जिसका अर्थ है कि पिछले वर्ष की तुलना में 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री होने की प्रबल संभावना है। वह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जीएसटी सुधारों से होने वाली बचत पर बोल रहे थे। ये सुधार 22 सितंबर, 2025 से लागू हुए थे।

गोयल ने भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) के दौरान देश के वस्तु एवं सेवा निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। चालू वित्त् वर्ष 2025-26 के अप्रैल-सितंबर के दौरान यह लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 413.3 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि के दौरान भारत का वस्तु निर्यात भी तीन प्रतिशत बढ़कर 220.12 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में हमारी वस्तुओं और सेवाओं की मांग है और भारत इस वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा और हमें विश्वास है कि 2025-26 में देश के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी।

फेडरल का लाभ 9.51% घटकर 992 करोड़

मुंबई। फेडरल बैंक का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 9 .51% घटकर 991 .94 करोड़ रुपये रह गया। फेडरल बैंक को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,096 .25 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक की मुख्य शुद्ध ब्याज आय 5 .4% बढ़कर 2,495 करोड़ रुपये हो गई। एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ऋण पुस्तिका को 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रख रहा है, जो पहली छमाही की 7 .6 प्रतिशत वृद्धि से अधिक होगा।

कृषि-ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति में आई कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः शून्य से 0.07 प्रतिशत नीचे और 0.31 प्रतिशत रह गई। यह आंकड़ा अगस्त में क्रमशः 1.07 प्रतिशत और 1.26 प्रतिशत था। श्रम मंत्रालय ने शनिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी।

इसके मुताबिक सितंबर 2025 में कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-एएल) 0.11 अंक घटकर 136.23 हो गया। इस दौरान ग्रामीण श्रमिकों का सूचकांक (सीपीआई-आरएल) 0.18 अंक घटकर 136.42 पर था। अगस्त 2025 में सीपीआई-एएल 136.34 अंक और सीपीआई-आरएल 136.60 अंक थे। सितंबर 2025 में कृषि मजदूरों (एएल) के लिए खाद्य सूचकांक में 0.47 अंक और ग्रामीण मजदूरों (आरएल) के लिए 0.58 अंक की कमी आई।

सोने की डिजिटल बिक्री बढ़ी, आभूषण बाजार ने बदला अंदाज

- फिक्की-डेलॉयट के मुताबिक 73% लोग पहले ऑनलाइन लेते हैं जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में आभूषणों की खरीदारी का तरीका तेजी से बदल रहा है। पहले लोग आभूषण खरीदने सुनार के पास जाते थे, लेकिन अब यह ऑनलाइन हो रहा है। भारत में सोने और हीरे से लोगों का पुराना जुड़ाव है। अब इस क्षेत्र में डिजिटल बाजार की पैठ तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन मंच पर हॉलमार्क प्रमाणन, ब्रांड की गारंटी और बेहतर सर्विस के कारण लोग ऑनलाइन गहने खरीदने में भरोसा दिखा रहे हैं।

धनतेरस के अवसर पर शोरूम में आभूषण की खरीदारी करते लोग।

फिक्की-डेलॉयट की रिपोर्ट के मुताबिक, 73% लोग अब किसी भी चीज की जानकारी सबसे पहले ऑनलाइन ही लेते हैं यहां तक की आभूषण के लिए भी। हालांकि 53% ग्राहक अब भी आखिरी खरीदारी ऑफलाइन स्टोर से करते हैं, लेकिन यह रुझान तेजी से बदल रहा है। देश में आभूषणों का बाजार वर्ष 2025 तक 91 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है और 2030 तक यह 146 अरब डॉलर का हो सकता है।

धनतेरस पर सोने की बिक्री 15% घटने का अनुमान

मुंबई/नई दिल्ली। धनतेरस पर सोने और चांदी की खरीदारी शनिवार को शुरू हो गई है। आभूषण विक्रेताओं को उम्मीद है कि ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन सोने की रिकॉर्ड उच्च कीमतों के कारण मात्रा के मामले में मांग पिछले साल की तुलना में 15% तक कम हो सकती है। बिक्री मात्रा के लिहाज से 15% तक घटने का अनुमान धनतेरस को हिंदू पंचांग में बर्तन से लेकर कीमती धातुओं तक की खरीदारी के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। इस बार धनतेरस दो दिनों तक मनाया जा रहा है। यह पर्व रविवार दोपहर पौने दो बजे तक चलेगा। आभूषण विक्रेताओं को उम्मीद है कि ऑनलाइन और दुकानों पर ग्राहक बड़ी संख्या में खरीदारी करने आएंगे। इस बार 24 कैरेट सोने की कीमत सभी करों सहित बढ़कर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो गत वर्ष धनतेरस के दिन 81,400 रुपये थी। चांदी की कीमतें 1,77,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर हैं। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन राजेश रॉकड़े ने कहा कि हमें उम्मीद हैं कि मुहूर्त के बाद खरीदारी में तेजी आएगी। चूंकि यह त्योहार सप्ताहांत पर पड़ रहा है। सालाना आधार पर मूल्य के संदर्भ में सोने की बिक्री में 40-45% बढ़ने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय

अवैध प्रवासियों का रेड कार्पेट पर हो रहा स्वागत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह बोले- उन्होंने वोट चोरी का मुद्दा छोड़ दिया

पटना, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य असम में घुसपैठ रुक गई है, लेकिन पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में यह जारी है और वहां की सरकार अवैध प्रवासियों का रेड कार्पेट पर स्वागत कर रही है। पटना में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि उन्होंने अब वोट चोरी के मुद्दे को छोड़ दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दोहराया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया घुसपैठियों को चिह्नित कर हटाने में सहायक होगी। यह अचंभे की बात है कि विपक्ष निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई उस प्रक्रिया पर आपत्ति जता रहा है, जिसका उद्देश्य घुसपैठियों को बाहर करना है। मैं एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन करता हूं। यह पूरे देश में लागू की जाएगी। देश में घुसपैठ की जिम्मेदारी पर शाह ने कहा कि लुटियंस दिल्ली में बैठे लोगों को सीमाओं की हकीकत का अंदाजा नहीं है। बांग्लादेश सीमा पर घने जंगल हैं, विशाल नदियां हैं जो बरसात में उफान पर रहती हैं। वहां बाड़ लगाना और 24 घंटे निगरानी रखना असंभव है। सुरक्षा बलों की नौकाएं भी कई बार बह जाती हैं। मेरा सवाल है - जब कोई व्यक्ति पड़ोसी देश से हमारे क्षेत्र में घुसता है, तो क्या यह स्थानीय थाने और पटवारी को पता नहीं चलता? ये अधिकारी चेतावनी क्यों नहीं देते? क्योंकि उन्हें ऊपर से आदेश मिला है कि इन घुसपैठियों का 'रेड कार्पेट' बिछाकर स्वागत करो। यही कारण है कि प. बंगाल में घुसपैठ जारी है, जबकि असम में उस पर रोक लग चुकी है। उन्होंने प. बंगाल के लोगों से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को सत्ता से बाहर करें।

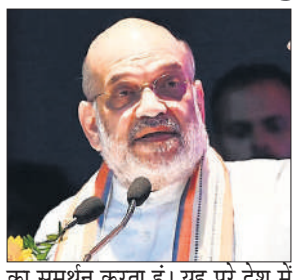

नया मुखौटा पहने जंगलराज पर भरोसा न करें जनता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार की जनता को नए मुखौटा पहने जंगलराज पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में सत्ता बरकरार रखेगा। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) दरअसल जंगलराज का नया रूप है, जबकि राजग ने प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को स्थिरता और प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की जनता का आशीर्वाद लेने आया हूं। 20 वर्षों में हमने इस राज्य को नरक से बाहर निकाला है। अब समय है कि इस मजबूत नींव पर एक संरचना तैयार की जाए। मैं जनता से अपील करता हूं कि वे जंगलराज लाने वालों पर भरोसा न करें, चाहे वे किसी नए चेहरे या गठबंधन के रूप में क्यों न आएं। मैं लोगों से नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे राजग को एक और मौका देने का आग्रह करता हूं। इससे हमें वर्षों से चली आ रही प्रगति को जारी रखने में मदद मिलेगी, जिसमें केंद्र में (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी और राज्य में (मुख्यमंत्री) नीतीश हैं।

शाह ने कहा कि हम राज्य से हर एक घुसपैठिए को निकाल देंगे। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा कि वह अब वोट चोरी का आरोप भूल गए हैं। 15 दिनों में जब भी गांधी जनता के बीच आए, उन्होंने इस राग को नहीं अलापा। शायद बिहार की जनता ने उन्हें इस मुद्दे से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। उन्हें किसी सुझाव के आधार पर सलाह दी गई होगी। उन्होंने यह बात राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के संदर्भ में कही, जो कुछ माह पूर्व बिहार में निकाली गई थी। राहुल गांधी ने उस यात्रा में आरोप लगाया था कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना है। शाह ने विपक्ष के इस आरोप को खारिज किया कि 130वां संविधान संशोधन विधेयक, विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने की साजिश है।

बक्सा जेल के पास हिंसा में नौ गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी

गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों को असम के बक्सा जिले की जेल में स्थानांतरित किए जाने के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। बक्सा के एसएसपी उज्ज्वल प्रतिम बरुआ ने बताया कि हिंसा में शामिल कई अन्य लोगों की पहचान हो गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान जारी है।

अधिकारी ने बताया कि हमने अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। और लोगों की पहचान हो गई है। कुछ आरोपी अब भी फरार हैं लेकिन हम उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लेंगे। हमने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और एक टीम इसकी जांच में जुटी है। मीडिया, स्थानीय लोग, सभी हमारी मदद कर रहे हैं।

बरुआ ने बताया कि स्थानीय लोग ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को खाना मुहैया करा रहे हैं। बक्सा जेल के निकट बुधवार को उस समय हिंसा भड़की थी, जब गर्ग की मौत के मामले में पांच आरोपियों को गुवाहाटी की अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद यहां लाया गया था। बरुआ ने बताया कि गर्ग को चाहने वालों को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि प्रशंसक होने की आड़ में हिंसा भड़काने वालों की पहचान कर ली गई है। जो लोग दोषी है उनमें बाइक व मवेशी चोर और कई हिस्ट्रीशीटर हैं। व्हाट्सएप पर एक ग्रुप मिला है, जिसमें अशांति फैलाने पर चर्चा हो रही थी। आरोपियों को ले जा रहे काफिले की गतिविधियों के बारे में मीडिया से मिल रही जानकारियों को इस ग्रुप में साझा किया जा रहा था।

जुबिन की मौत मामला

- पांच आरोपियों को जेल ले जाने के दौरान हुई थी हिंसा
- हिंसा में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी को अभियान जारी

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाला पकड़ाया

असम के नागांव जिले में गायक जुबिन गर्ग की मौत से संबंधित भड़काऊ टिप्पणी वाला विवादास्पद वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में 27 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को बताया कि आरोपी ने ओटीटी मंच की 'क्लिप' का इस्तेमाल किया और उसमें भड़काऊ टिप्पणी जोड़ी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, नागांव के तेलिया बेबेजिया निवासी मोहम्मद इंजामुल हक को 15 अक्टूबर को अपने फेसबुक पेज पर एसके अहमद नाम से गर्ग की मौत से संबंधित विवादास्पद वीडियो साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में मौत हुई थी। सीआईडी मौत की जांच कर रही है।

मढ़ौरा सीट से लोजपा (आर) की उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन रद्द

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को शनिवार को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया। भोजपुरी फिल्मों में अभिनय कर चुकीं सीमा सिंह को लोजपा (आर) ने सारण जिले की मढ़ौरा विस सीट से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन पत्रों की जांच के दौरान तकनीकी कारणों से उनका नामांकन रद्द हो गया। केंद्रीय मंत्री और पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि हमने निर्वाचन आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है। यह स्थिति छोटी सी त्रुटि से उत्पन्न हुई है। उम्मीद है कि जल्द समाधान हो जाएगा। मढ़ौरा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार अल्ताफ आलम राजू का नामांकन भी रद्द कर दिया गया है।

- निर्दलीय उम्मीदवार अल्ताफ आलम राजू का भी नामांकन हुआ रद्द

अधिकारियों को कानूनों के प्रति करें जागरूक : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

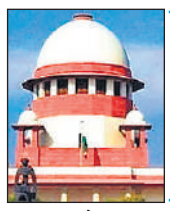

- एनआरआई के खिलाफ कार्यवाही को रद्द करते हुए की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर कानून प्रवर्तन की जिम्मेदारी संभालने वाली एजेंसियों के लिए ये जरूरी है कि वे अंतर्राष्ट्रीय यात्री को हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने से पहले अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के बारे में जागरूक बनाएं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने रॉकी अब्राहम नाम के प्रवासी भारतीय (एनआरआई) के खिलाफ जारी आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। रॉकी दो दशक पहले इटली में बस गए थे। उन्हें जनवरी 2025 में हिरण का सींग ले जाने के लिए वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के प्रावधानों के तहत दिल्ली हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। वह दो हफ्ते तक हिरासत में रहे, जिसके बाद उन्हें भारत छोड़ने पर प्रतिबंध सहित अन्य कठोर शर्तों के तहत जमानत मिल गई। अदालत ने कहा कि बरामद वस्तु का डीएनए परीक्षण किया गया, जिसमें उसके हिरण का सींग होने की बात सामने आई, जिसे ले जाना भारत में वन्यजीव से संबंधित कानून के किसी प्रावधान का उल्लंघन नहीं है।

मतदान के दिन मतदाता सवैतनिक अवकाश के हकदार : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि बिहार में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदाता मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश के हकदार हैं और इस कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

बिहार विस चुनाव

आयोग ने कहा कि जिन राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवंबर को उपचुनाव होना है, वहां के मतदाता भी सवैतनिक अवकाश के हकदार हैं। आयोग ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के अनुसार, किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य प्रतिष्ठान में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति, और लोकसभा या किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा के चुनाव में मतदान करने का हकदार है, उसे मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा। आयोग ने कहा कि इस तरह के अवकाश के कारण वेतन में कोई कटौती नहीं की जाएगी।

संस्कृति समागम 2025

परंपरा-आधुनिकता का समन्वय

संवाददाता, भोपाल,

अमृत विचार : वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संस्कृति समागम 2025 ने भारतीय संस्कृति, कला, संगीत और तकनीक के अनुपम संगम के साथ मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी भोपाल को नई पहचान दी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स में आयोजित ऐतिहासिक सांस्कृतिक उत्सव ने परंपरा और आधुनिकता का जीवंत समन्वय प्रस्तुत किया।

इस वर्ष की थीम मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित थी, जिसमें लोककला, शास्त्रीय संगीत, नृत्य और परंपराओं की आत्मा को मंच पर उतारा गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा मध्य प्रदेश मेगा ड्रोन शो, जो राज्य का पहला ऐसा शो था। इसमें 400 ड्रोनों ने 120 फीट की ऊंचाई पर 4 किलोमीटर के दायरे में आकर्षक दृश्य रचनाएं बनाईं, जो शास्त्रीय और लोक प्रस्तुतियों के साथ समन्वित थीं। इस शो ने दर्शकों को कला और नवाचार का अद्भुत अनुभव प्रदान किया। पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह ने अपने शास्त्रीय नृत्य से भारतीय संस्कृति और नारीत्व की गहनता को जीवंत किया। सिस्थु खान, अनन्या चक्रवर्ती और विनी शंकर की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन में मंत्रिगण, सांसद, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद् और विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज शामिल हुए। वीआईटी भोपाल के चांसलर शंकर विश्वनाथन, ट्रस्टी मीरा मणि बालसुंदरम, वाइस प्रेसिडेंट कादंबरी एस. विश्वनाथन, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. टीबी श्रीधरन और एक्टिंग रजिस्ट्रार केके नायर की उपस्थिति ने आयोजन को और गरिमामय बनाया। संकाय सदस्यों, स्टाफ, पूर्व छात्रों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने इसकी भव्यता को बढ़ाया।

विज्ञापन

पुरूषों की कमजोरी के लिए वरदान आयुर्वेदिक औषधि

गुप्त रोग, स्वप्नदोष, कमजोरी, शीघ्रपतन इत्यादि का सही एवं पूर्ण इलाज सम्भवः डॉ.शेख

पुरुषों की यौन समस्याएं जैसे कि गुप्त रोग, स्वप्नदोष, शारीरिक कमजोरी, शीघ्रपतन, धातु क्षीणता आदि आज के समय में बहुत आम हो गई हैं। तेज रफ्तार जीवनशैली, मानसिक तनाव, असंयमित खानपान और अशुद्ध आदतें इसके मुख्य कारण हैं। आधुनिक चिकित्सा में इन समस्याओं का अस्थायी समाधान दिया जाता है, लेकिन आयुर्वेद इनका पूर्ण एवं प्राकृतिक इलाज प्रस्तुत करता है। आइए जानते हैं कि आयुर्वेद इन समस्याओं को कैसे समझता है, और किस प्रकार उसकी औषधियाँ पुरुषों के जीवन में फिर से ऊर्जा और आत्मविश्वास भर सकती हैं। **Best Sexologist**

डॉ. अजहर अली शेख
M.B.B.S.

आयुर्वेद में यौन शक्ति का महत्त्व

आयुर्वेदिक शास्त्रों में यौन शक्ति को 'वीर्य बल' कहा गया है। यह शक्ति सात धातुओं में अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। अगर व्यक्ति का वीर्य बलवान है, तो वह मानसिक, शारीरिक और आत्मिक रूप से संतुलित रहता है। आयुर्वेद का मानना है कि जब शरीर की धातु कमजोर होती हैं, तो यौन शक्ति भी प्रभावित होती है। अतः यौन दुर्बलता केवल एक समस्या नहीं, बल्कि यह पूरे शरीर की कमजोरी का संकेत है।

प्रमुख यौन समस्याएं और उनके कारण

1. शीघ्रपतनः यह समस्या तब होती है जब पुरुष सहवास के दौरान बहुत जल्दी स्खलित हो जाता है।
इसके कारण मानसिक तनाव, हस्तमैथुन की आदत, या नसों की कमजोरी हो सकते हैं।

2. स्वप्नदोषः नींद में अनैच्छिक वीर्य स्खलन स्वप्नदोष कहलाता है।
यह अधिकतर युवाओं में देखने को मिलता है और इसके कारण मानसिक कमजोरी, नींद की कमी, और अत्यधिक कामुक विचार होते हैं।

3. धातु कमजोरीः वीर्य का पतला होना, मात्रा में कमी या शीघ्र बह जाना धातु दोष का लक्षण है। इसके पीछे खानपान की गड़बड़ी, शराब, धूम्रपान और नशे की आदतें प्रमुख हैं।

4. नपुंसकताः यह ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष में स्तंभन की क्षमता नहीं होती। यह शारीरिक ही नहीं, मानसिक कारणों से भी हो सकती है।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से इलाज

आयुर्वेद इन सभी समस्याओं को वात, पित्त और कफ दोष के असंतुलन से जोड़ता है। विशेषकर वात दोष में असंतुलन से स्नायु और यौन शक्ति पर असर पड़ता है। अतः उसका उपचार भी दोषों के संतुलन से किया जाता है।

प्रमुख आयुर्वेदिक औषधियाँ और जड़ी-बूटियाँ

1. शिलाजीत
यह आयुर्वेद की सबसे शक्तिशाली औषधियों में से एक है। यह शरीर की संपूर्ण ऊर्जा को बढ़ाता है, वीर्य को गाढ़ा करता है और मानसिक संतुलन लाता है।

2. अश्वगंधा
यह एक शक्तिवर्धक औषधि है जो तनाव को कम करती है और मांसपेशियों को ताकत देती है। यह यौन शक्ति को भी बढ़ाता है और नपुंसकता में लाभकारी है।

3. कौंच बीज
यह वीर्य की गुणवत्ता को सुधारता है, शुक्राणुओं की संख्या बढ़ाता है और शीघ्रपतन में फायदेमंद है।

4. गोखरू
यह मूत्र संबंधी समस्याओं में सहायक होता है और यौन शक्ति को बेहतर बनाता है।

5. सफेद मूसली
यह शरीर में बल, वीर्य और शक्ति को बढ़ाने वाला एक उत्तम टॉनिक है। यह थकान, कमजोरी और तनाव को दूर करता है।

घरेलू नुस्खे

दूध और बादामः रात में 5-6 बादाम पानी में भिगोकर सुबह दूध के साथ सेवन करें।

तुलसी और शहदः तुलसी के रस में शुद्ध शहद मिलाकर रोज सुबह सेवन करें।

घी और मिश्रीः देशी घी में मिश्री मिलाकर खाना वीर्य वर्धक होता है।

जीवनशैली में परिवर्तन

योग और प्राणायामः भस्त्रिका, कपालभाति, ब्रह्मचारी मुद्रा आदि यौन शक्ति के लिए बहुत लाभदायक हैं। नियमित योग अभ्यास से मन शांत रहता है और शारीरिक संतुलन बना रहता है।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यानः तनाव, चिंता और डिप्रेशन से दूरी बनाएं। ध्यान और सकारात्मक सोच को अपनाएं। रोगों का संपूर्ण इलाज एक समग्र दृष्टिकोण आयुर्वेद केवल औषधियों पर निर्भर नहीं करता, यह शरीर, मन और आत्मा का समग्र उपचार करता है। इसलिए किसी भी यौन समस्या का इलाज करते समय तीन बातें जरूरी हैं: 1. औषधि सेवन 2. जीवनशैली में सुधार 3. मानसिक संतुलन
इस तरह आयुर्वेदिक उपचार केवल लक्षणों का नहीं, बल्कि रोग की जड़ का समाधान करता है।

- आयुर्वेद में यौन दुर्बलता की जड़ें
- वात दोष और यौन दुर्बलता

वात दोष मुख्य रूप से स्नायु तंत्र को नियंत्रित करता है। जब यह असंतुलित होता है तो व्यक्ति को तनाव, भय, घबराहट, और यौन इच्छा में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वात दोष के कारण निम्न समस्याएं जन्म लेती हैं: ● लिंग में तनाव की कमी ● शीघ्रपतन ● स्वप्नदोष ● नपुंसकता
इसका समाधान वात को संतुलित करने वाली औषधियों, तेल मालिश, घृत सेवन और गर्म, पौष्टिक भोजन से किया जाता है।

पित्त दोषः जब पित्त दोष बढ़ता है, तो शरीर में अधिक गर्मी उत्पन्न होती है जिससे वीर्य जल्दी नष्ट होता है। इसका असर यौन प्रदर्शन पर पड़ता है। पित्त को शांत करने के लिए ठंडी चीजें जैसे गिलोय, शीतोपचारी औषधियाँ, व मानसिक शांति आवश्यक है।

कफ दोषः कफ दोष बढ़ने से आलस्य, भारीपन, इच्छा में कमी जैसे लक्षण दिखते हैं। अधिक मीठा, ठंडा, भारी भोजन कफ को बढ़ाता है। इसके लिए हल्का, सुपाच्य भोजन और व्यायाम आवश्यक है।

पंचकर्म द्वारा यौन समस्याओं का उपचार

पंचकर्म आयुर्वेद की विशेष चिकित्सा पद्धति है जो शरीर को शुद्ध करके रोगों की जड़ को समाप्त करता है। यौन दुर्बलता के इलाज में निम्न पंचकर्म प्रक्रियाएँ उपयोगी मानी गई हैं:

स्नेहन (तेल मालिश): शरीर में जमी विषाक्तता को ढीला करता है।

स्वेदन (स्टीम बाथ): शरीर की नाड़ियों को खोलता है और शिथिलता दूर करता है।

वमनः पित्त दोष को शुद्ध करता है।

बस्ती (औषधीय एनीमा): विशेष रूप से वात जनित यौन दुर्बलता में लाभकारी।

नस्यः मानसिक दोषों को शांत करता है जो यौन जीवन को प्रभावित करते हैं।

सफल आयुर्वेदिक उपचारो की कहानिया

केस स्टडी 1:- 28 वर्षीय युवक की शीघ्रपतन से मुक्ति
एक 28 वर्षीय युवक को विवाह के बाद शीघ्रपतन की समस्या हो गई। उसे मानसिक तनाव और आत्मविश्वास की भारी कमी थी। आयुर्वेदिक चिकित्सक ने उसे अश्वगंधा, शतावरी और शिलाजीत के साथ-साथ ब्रह्मचर्य नियम, प्राणायाम और पंचकर्म बस्ती चिकित्सा दी। मात्र 3 महीनों में उसकी स्थिति पूरी तरह ठीक हो गई।

केस स्टडी 2:- 40 वर्षीय पुरुष में यौन इच्छा की कमी
एक 40 वर्षीय पुरुष, जो लंबे समय से काम के तनाव में था, उसकी यौन इच्छा पूरी तरह खत्म हो चुकी थी। उसे गोखरू, सफेद मूसली और मानसिक संतुलन के लिए शंखपुष्पी दी गई। जीवनशैली में बदलाव और नियमित योग से उसे 2 महीनों में संतोषजनक सुधार मिला।

समाज में गुप्त रोगों को लेकर भ्रांतियाँ

भारत जैसे देश में यौन समस्याओं को गुप्त रखा जाता है। लोग शर्म के कारण उपचार नहीं करवाते और कई बार झोलाछाप डॉक्टरों के चक्कर में पड़ जाते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है। आवश्यक है कि समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाई जाए। आयुर्वेदिक चिकित्सा एक सम्मानजनक, वैज्ञानिक और प्राकृतिक पद्धति है, जिसे अपनाकर कोई भी व्यक्ति स्वस्थ और आत्मनिर्भर बन सकता है।

संतुलित आहार और यौन स्वास्थ्य

आयुर्वेद कहता है कि "आप जैसा खाएंगे, वैसा ही वीर्य बनेगा।" इसलिए आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

क्या खाएं:
- देशी घी, दूध, बादाम, अंजीर, छुहारे
- हरी सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी
- फल जैसे केला, अनार, सेब
- तिल, चना, मूंगफली
- शुद्ध घृत व मिश्री युक्त पेय

क्या न खाएं:
- अत्यधिक मिर्च-मसाले
- शराब, सिगरेट, तंबाकू
- बासी व जंक फूड
- कोल्ड ड्रिंक्स, कैफीन
- मानसिक स्वास्थ्य और यौन शक्ति

तनाव, चिंता, डिप्रेशन जैसे मानसिक विकार सीधे यौन जीवन को प्रभावित करते हैं। ब्रह्मचर्य, ध्यान, सकारात्मक विचार, संतोष व संयम आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य के स्तंभ माने जाते हैं।

योगिक उपायः

ब्रह्मचारी मुद्राः यौन शक्ति को नियंत्रित और बढ़ाने वाला आसन
शशांकासन, मकरासनः मन को शांत करते हैं
ओम चेन्टिंग और ध्यानः मनोबल और आत्मबल को मजबूत बनाते हैं

निष्कर्षः गुप्त रोग, स्वप्नदोष, कमजोरी, शीघ्रपतन आदि समस्याएं भले ही असहज लगें, परंतु आयुर्वेद में इनका सरल और पूर्ण समाधान उपलब्ध है। शुद्ध जड़ी-बूटियों, उचित आहार-विहार और मानसिक शांति से व्यक्ति फिर से पूर्ण रूप से स्वस्थ और आत्मविश्वासी बन सकता है। पुरुषों की यौन समस्याएं संकोच का विषय नहीं हैं, बल्कि शरीर के संतुलन में आई गड़बड़ी का संकेत हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सा, सही

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्र.1. क्या आयुर्वेद से शीघ्रपतन का स्थायी इलाज संभव है?
उत्तरः हाँ, आयुर्वेद में शीघ्रपतन का कारण वात दोष माना गया है। वात संतुलन के साथ, मर्द एक्स्ट्रा टाईमवटी अश्वगंधा और ब्राह्मी जैसी औषधियों से यह स्थायी रूप से ठीक हो सकता है।

प्र. 2. कितने समय में सुधार होता है? क्या यह इलाज सुरक्षित है?
उत्तरः व्यक्ति की समस्या की गहराई के अनुसार 4 से 12 सप्ताह में अच्छे परिणाम दिखते हैं। आयुर्वेद पूर्णतः सुरक्षित और साइड इफेक्ट्स रहित है।

प्र. 3. क्या इन औषधियों के साथ एलोपैथिक दवा ली जा सकती है?
उत्तरः बेहतर होगा कि दोनों पद्धतियों को एक साथ न मिलाएँ। यदि आवश्यक हो तो चिकित्सक की सलाह लें।

अंतिम विचारः पुरुषों की यौन दुर्बलता केवल एक शारीरिक समस्या नहीं है, यह मन और जीवनशैली से भी जुड़ी हुई है। आयुर्वेदिक चिकित्सा, जब आहार, व्यवहार, ध्यान और संयम के साथ अपनाई जाती है, तो वह चमत्कारी लाभ देती है।

बरेली मण्डल का सबसे बेहतरीन आधुनिक क्लीनिक

आईये देखते है डॉ शेख की सफलता की कहानी खुद मरीजो की जुबानी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज मैं पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीध्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चुके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चुके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

बै-औलाद, शीध्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, इन्द्री का छोटापन-पतलापन

गुप्त रोग

हर तरफ से निराश रोगी मिलें

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडलिस्ट

डा.शेख®

Best Sexologist in India

आयुर्वेदा

मिलें हर मंगलवार

ईसाईयों की पुलिया बरेली

निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड

जानकारी हेतु सम्पर्क करे : 9837023223

ब्रांचः - दिल्ली, नोएडा, गुरूग्राम, जयपुर, ग्वालियर, लखनऊ, आगरा, मथुरा, अलीगढ, फिरोज़ाबाद, इटावा, मुम्बई

सुनि परमित पिय प्रेम की, चातक चितवति पारि। घन आशा सब दुख सहै, अंत न याँचै वारि॥

सूरदास जी कहते हैं, प्रिय की अहमियत को जानकर पपीहा बादल की ओर निरंतर देखता रहता है। उसी मेघ की आशा से सब दु:ख सहता है, पर मरते दम तक भी पानी के लिए प्रार्थना नहीं करता। सच्चा प्रेम अपने प्रेमी से कभी कुछ नहीं मांगता या चाहता।

हम तमम से ज्योति व मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें

> दीपोत्सव भारत का प्रकाश पर्व है। प्रकाश ज्ञान का उपकरण है, प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। प्रकाश अमरत्व है, अज्ञान मृत्यु। वृहदारण्यक उपनिषद् के ऋषि की प्रार्थना है, 'असतो मा सदगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमयेति- हम असत् से सत्, तमस से ज्योति और मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें।' भारत की ज्योतिर्गमय आकांक्षा चिरंतन है। ऋग्वेद के ऋषि अग्नि की स्तुति में आह्लादित हैं, 'अग्नि ने अमर सूर्य को जन-जन को प्रकाश देने के लिए ही आकाश में स्थापित किया है।'

संसार का सर्वोत्तम प्रकाशरूपा है। छांदोग्य उपनिषद् के अनुसार 'सृष्टि का समस्त सर्वोत्तम और पुरुषोत्तम प्रकाशरूपा है। एक ही प्रकाश भिन्न-भिन्न रूपों-प्रतिरूपों में दीप्त होता है, चमकता है और 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' होता है।' सूर्य परम तेजोमय है, वे स्थावर और जंगम की आत्मा हैं। वे भी सहस्त्र आयामी प्रकाशरूपा हैं। गीता के अर्जुन ने विश्वरूप देखा, उसके मुंह से शब्द फूटे 'दिव्य सूर्य सहस्त्राणि-सहस्त्रों सूर्यों का प्रकाश एक साथ जगमगा उठा।' उपनिषद् के ऋषियों ने परमसत्ता की अनुभूति को प्रकाशरूप ही पाया। कठोपनिषद् (2.2.15), मुण्डकोपनिषद् (2.2.10) व श्वेताश्वतर उपनिषद् (6.10) में एक साथ गाए गए मंत्र में कहते हैं, 'न तत्र सूर्यो भाति, न चन्द्रतारकम्/नेमा विद्युतो भान्ति कुतोऽयमग्निः-वहां न सूर्य चमकते हैं और न चांद तारे। बिजली भी नहीं, अग्नि की बात ही क्या है?' बताते हैं, 'तमे भान्तमनुभाति सर्वं उसी के प्रकाश से यह सब प्रकाश है। तस्य भासा सर्वम् इदं विभाति-उसी की दीप्ति से यह सब प्रकाशित हैं।' हम भारत के लोग उत्सवप्रिय हैं। एक उत्सव प्रकाश दीप्ति के लिए।

दीपोत्सव भारत का प्रकाश पर्व है। क्यों न हो? अंधकार अज्ञान है। प्रकाश ज्ञान का उपकरण है, प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। प्रकाश अमरत्व है, अज्ञान मृत्यु। वृहदारण्यक उपनिषद् (1.3.28) के ऋषि की प्रार्थना है, 'असतो मा सदगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमयेति- हम असत् से सत्, तमस से ज्योति और मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें।' भारत की ज्योतिर्गमय आकांक्षा चिरंतन है। ऋग्वेद (10.156.4) के ऋषि अग्नि की स्तुति में आह्लादित हैं। 'अग्नि ने अमर सूर्य को जन-जन को प्रकाश देने के लिए ही आकाश में स्थापित किया है।' ज्योति सनातन मानवीय आकांक्षा है। अग्नि ज्योतिरूप हैं।

ज्योति हमारी चिरंतन अभीप्सा है। पूर्वजों ने जहां-जहां ज्योति पुंज देखे, प्रणाम किया, स्तुतिवाचन किया, दिव्यता की अनुभूति पाई, देवता की प्रतीति मिली। जहां-जहां ज्योतिर्गमय प्रकाश, वहा-वहां दिव्यता और वहां-वहां देवता। सूर्य अखंड प्रकाश पुंज है। वे सविता देव हैं। ऋग्वेदकालीन विश्वामित्र ने सविता का प्रकाश देखा, दर्शन किया, उनके मुंह से गायत्री फूटी, 'तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात्-हम बुद्धि को प्रेरित करने वाले सविता देव के वरण करने योग्य दिव्य प्रकाश तेज को धारण करते हैं।' (ऋ 3.62.10) प्रकाश दिव्य है, बुद्धि प्रकाशक है, तेज पुंज भी है।

हम भा-रत हैं। भा अर्थात प्रकाश, रत यानी संलग्न। सो सूर्य को नमस्कार हमारी संस्कृति है। हम चंद्र को अर्घ्य देकर पूजते हैं। अंधकार सूर्य से नहीं लड़ पाता, लेकिन यही अंधकार चंद्र से लड़ता है। प्रकाश और अंधकार का संघर्ष सनातन है। पूर्णिमा के दूसरे ही दिन से चांद घटने लगता है और अमावस तक रोजाना घटता है। अमावस परिपूर्ण तमस रात्रि है। अगले दिन से अंधकार पिटता है, प्रकाश बढ़ता है, 15 दिन बाद पूर्णिमा आती है। पूनो (पूर्णिमा) का चंद्र पूरी आभा, प्रभा दीप्ति और प्रीति के साथ खिलता है। भारत ने प्रत्येक पूर्णिमा को उत्सव बनाया। अषाढ़ पूर्णिमा का चंद्र बादलों से भी ढकता है, लेकिन उन्मुक्त चमकता है सो इस रात गुरु पूर्णिमा। श्रावण की पूर्णिमा रक्षाबंधन होती है, लेकिन शरद् चंद्र का क्या कहना? बहुत दूर आसमान में बैठा शरद् चंद्र धरती की प्रीति में अमृतघट उलीचता है, भारत ने शरद् पूनो के चंद्र को बहुत ज्यादा प्यार किया है। शरद् पूर्णिमा का प्रकाश-रास बनता है। शरदकाल वैदिक ऋषियों की प्रीति रहा है। वे सौ शरद् जीने के अभिलाषी थे-जीवेम शरदं शतं। सौ शरद् देखना भी चाहते थे- पश्येम शरदं शतं।

शरद् पूर्णिमा की रात रस, गंध, दीप्ति, प्रीति, मधु, ऋत और मधुआनंद तो 15 दिन बाद झमाझम दीपमालिका। भारत ने इसी तमस् रात्रि को प्रकाश पर्व बनाया। जहां-जहां तमस् वहां-वहां प्रकाश-दीप। शरद चंद्र का झकास-प्रकाश प्रकृति की अनुकंपा है, तो दीपोत्सव मनुष्य की कर्मशक्ति का रचा गढ़ा तेजोमय प्रकाश है। प्रकाश ज्ञानदायी और समृद्धिदायी भी है।

हृदय नारायण दीक्षित

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

कार्तिकी अमावस का अंधकार प्रकाश की अनुपस्थिति ही नहीं होता। यह अस्तित्वगत होता है, अनुभूति प्रगाढ़ हो तो पकड़ में आता है। गजब के द्रष्टा थे हमारे पूर्वज। उन्होंने इसी रात्रि को अवनि अंबर दीपोत्सव सजाए। भारत इस रात केवल भूगोल नहीं होता, राज्यों का संघ नहीं होता, इस या उस राजनीतिक दल द्वारा शासित भूखंड नहीं होता। भारत इस रात 'दिव्य दीपशिखा' हो जाता है। भारत का मन पुलक में होता है, आमोद प्रमोद और परिपूर्ण उत्सवधर्मा होता है। वातायन मधुमय होता है। वातायन में शीत और ताप का प्रेम प्रसंग चलता है।

दीपपर्व लक्ष्मी आराधना की मुहूर्त है। लक्ष्मी धन की देवी हैं। वे धन देती हैं, समृद्धि देती हैं, 'शुभ लाभ' देती हैं। पश्चिमी अर्थशास्त्र में उद्यमी को साहसी बताया गया है। वह साहस करता है, कारखाना वगैरह लगाता है। लाभ उद्यमी के साहस का प्रतिफल है। 'शुभ लाभ' भारतीय चिंतन का विकास है। लाभ में श्रमिक का शोषण, टैक्स चोरी और भ्रष्टाचार भी शामिल है। 'शुभ लाभ' ईमानदार उद्यमी का हिस्सा है।पुराणों की तुलना में ऋग्वेद का समाज अतिप्राचीन है। समृद्धशाली भी है। यहां एक देवी 'अलक्ष्मी' (10.15.5) हैं, उनसे स्तुति है, 'आप विकृतरूपा हैं, अकाल लाती हैं, ये देवी हमसे दूर रहें।' यहां धन समृद्धि भी देवता (ऋ 10.117) हैं, 'सामान्य धनी दोगुनी, तीन गुनी और चार गुनी संपत्ति चाहते हैं, लेकिन धन का निजी हित में प्रयोग करने वाले पापी है।' यहां धन के सामाजिक उपयोग पर जोर है। ऐसा धन ही वस्तुतः शुभ लाभ है। सांस्कृतिक मर्यादा से हटने के कारण शुभ लाभ की परंपरा समाप्त हो गई।

लक्ष्मी भी मनमाना आचरण नहीं कर सकती। ऋग्वेद के देवता विष्णु विराट हैं, वामन भी हैं। विष्णु 'शांतकारं भुजग शयनं' हैं। श्रीलक्ष्मी विष्णु के श्रीचरण दबाती हैं। सापों पर भी शांत रहकर मजे से विश्राम करने वाले के पैर लक्ष्मी के अलावा कौन दबा सकता है? प्रतीकों के अपने रहस्य हैं, नीराजन और आराधन के अपने आनंद हैं। दीप पर्व में सबके सब एक जगह मिल जाते हैं। दीप मंगल मुहूर्त का प्रतीक है। यह प्रत्येक शुभ कर्म का श्रीगणेश है। अथर्ववेद के विराट सूक्त (8.9) में कहते हैं, 'इयमेव सा या प्रथमा व्योच्छदास्वितरासु- यही वह है जो प्रथम बार (सृष्टि पूर्व) प्रकाशित हुआ।' ऋग्वेद के गणपति कवि हैं, विद्वान हैं, लेकिन यजुर्वेद के गणपति 'निधिपति' भी हैं-निधीनां त्वा निधिपति। पुराणों वाले गणपति शंकर सुवन हैं। वे लंबोदर हैं। चतुर भी हैं। कार्तिकेय पिछड़ गए, वे ईमानदारी से पूरी दुनिया घूमे, गणेश ने मां-बाप का चक्कर लगाया, कहा, मां-बाप में ब्रह्मांड है। चूहा उनका वाहन है, लेकिन ऋग्वेद से लेकर संपूर्ण प्राक् साहित्य में वे प्रकांड विद्वान हैं। गणेश गण-प्रथम हैं, आदि देव हैं, सो अपने पिता शंकर की बारात में हैं। भारत का मन देवताओं में रमता है, कर्म में तपता है। देव प्रतीति आत्म अनुभूति देती है, निराशा में आशा देती है, इसलिए देवकथाओं में संगति बैठाने की कोशिश बेकार है।

दीप-उत्सव का दीप प्रकाश पुंज है और उत्सव है। अतिरिक्त आनंद का अतिरेक। उत्सव बड़ा प्यारा शब्द है। इसका अर्थ है, उत्स-मूल से उगना। संपूर्णता या ब्रह्म का केंद्र है उत्स। उत्सव इसी केंद्रक का उफनाया आनंद है। भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यह हर दिन पावन और हर तिथि सुहावन है। शुभकामना है, दीपावली भारत के जन-गण-मन को दीप्ति दे, आलोक दे, ज्योतिर्मय आभा दे।

फैलाएं शिक्षा का उजियारा तभी बदलेंगे देश के हालात

किसी देश का भविष्य उसके नागरिकों की सोच पर निर्भर करता है और सोच बनती है शिक्षा से। शिक्षा किसी समाज को सिर्फ पढ़ा-लिखा नहीं बनाती, बल्कि सोचने, समझने और चुनने की क्षमता देती है। यही क्षमता व्यक्ति को अंधविश्वास से बाहर लाती है, लोकतंत्र को मजबूत करती है और अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाती है। अगर हम इतिहास पर नजर डालें, तो हर विकसित देश की जड़ में शिक्षा ही रही है। जापान, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देशों ने युद्धों और संकटों के बाद खुद को शिक्षा के बल पर ही खड़ा किया। भारत में भी जब स्वतंत्रता आंदोलन चला, तब गांधी, टैगोर, अंबेडकर और नेहरू जैसे नेताओं ने स्पष्ट कहा, "शिक्षा स्वतंत्र भारत की रीढ़ होगी।" उनका मानना था कि जब कोई सरकार या परिवार शिक्षा पर पैसा खर्च करता है, तो वह किताबें नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य खरीद रहा होता है। एक शिक्षित व्यक्ति न सिर्फ अपने परिवार की आय बढ़ाता है, बल्कि समाज के लिए उत्पादकता, नवाचार और नैतिक चेतना लाता है, इसलिए एक शिक्षक को अच्छी तनख्वाह देना, गांव में स्कूल बनाना या डिजिटल लैब खोलना, यह सब व्यय नहीं, बल्कि निवेश है जो आने वाले वर्षों में देश को फल देता है।

राजेश जैन

वरिष्ठ पत्रकार

> अंधकार चाहे जितना गहरा हो, एक दीया काफी होता है उसे हराने के लिए। शिक्षा भी वैसा ही दीया है, जो अज्ञान, गरीबी और असमानता के अंधकार को मिटा सकता है। जब बच्चा पहली बार स्कूल की किताब खोलता है, तो वह सिर्फ अक्षर नहीं पढ़ रहा होता, वह अपना भविष्य पढ़ रहा होता है।

यह सही है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल बहुत हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि पिछले दशकों में हमने इस क्षेत्र में कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत के लगभग हर गांव में प्राथमिक विद्यालय हैं। सर्व शिक्षा अभियान, मिड-डे मील योजना और राइट-टू-एजुकेशन जैसे कार्यक्रमों ने लाखों बच्चों को स्कूल तक पहुंचाया है। 1951 में जहां साक्षरता दर केवल 18% थी, वहीं आज यह 77% से ऊपर है। देश में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और आईआईएसईआर जैसे संस्थानों ने भारत की शिक्षा को वैश्विक पहचान दी है। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उच्च-शिक्षा नेटवर्क रखता है। नई शिक्षा नीति ने अब 10+2 की जगह 5+3+3+4 की संरचना दी है, जो बच्चों की शुरुआती शिक्षा, मातृभाषा और व्यावहारिक ज्ञान पर केंद्रित है। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में दीक्षा, स्वयम और ई-पाठशाला जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म नई दिशा दे रहे हैं।

कागजी वादों और जमीनी हकीकत के बीच अब भी बड़ा अंतर है। सरकारें बड़े वादे करती हैं, पर निवेश छोटा रखती हैं। 1968 की शिक्षा नीति में कहा गया था कि केंद्रीय बजट का 6% शिक्षा पर खर्च होना चाहिए, जबकि 2020 की नीति में कहा गया कि देश की जीडीपी का 6% शिक्षा पर निवेश किया जाए। सुनने में दोनों एक जैसे लगते हैं, लेकिन अंतर बड़ा है। केंद्रीय बजट का 6% यानी सरकार के वार्षिक खर्च का 6% तो दूसरी ओर जीडीपी का 6% मतलब पूरे देश की आर्थिक उत्पादन क्षमता का 6%। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। आज भारत मुश्किल से जीडीपी का 3% ही शिक्षा पर खर्च कर पा रहा है। सरकार अपने ही लक्ष्य का आधा भी नहीं पहुंची।

पानी मटके के भार से टूटती सपने की डोर

वैसे तो जब भी राजस्थान का नाम आता है, सबसे पहले सभी के दिमाग में रेगिस्तान और योद्धाओं की भूमि वाली छवि उभरती है, जिसे देखने के लिए दुनिया भर से पर्यटक आते रहते हैं। यह सच है कि राजस्थान की पहचान इसी से है, लेकिन इस खूबसूरती के पीछे यहां के स्थानीय विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की चुनौतियां अक्सर पीछे छूट जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

ज़ाहिर है यह संघर्ष सबसे अधिक महिलाओं और किशोरियों को ही करना पड़ता है। यहां पानी की कमी सिर्फ एक शब्द नहीं है, बल्कि यह उन लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी की चोट है, जो हर सुबह, हर अवसर, हर सपना खोने की कीमत चुका रही हैं। मटका, ऊंची तख्ती, गगरी, बाल्टी, ये उनके दैनिक साथी हैं। मीठे पानी के लिए मटका सिर पर उठाकर कड़ी से कड़ी धूप में भी रेतों पर चलना उनके जीवन का हिस्सा बन चुका है, जिसकी वजह से उनका सर्वांगीण विकास प्रभावित हो रहा है, लेकिन इसकी चिंता न तो समाज को है और न ही विकास की रूपरेखा तैयार करने वाली संस्थाओं को है।

हेमलता

राजस्थान

राजस्थान में हुए एक अध्ययन के अनुसार ग्रामीण घरों में पानी इकट्ठा करने की जिम्मेदारी लगभग 71 प्रतिशत महिलाओं और लड़कियों की होती है। यह काम साल भर चलता है। कुल मिलाकर यह काम प्रति वर्ष सौ-दो सौ घंटों का समय ले लेता है, जो पढ़ाई-आराम में लग सकता है। गांवों में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। वहां की किशोरियों का कहना है कि मटका पांच-छह किलो का होता है, कभी-कभी उससे ज़्यादा, और दोनों हाथों से पकड़कर सिर से नीचे या कंधे पर बांधकर उठाना पड़ता है। इससे सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि मन की थकावट भी कम नहीं होती है। अगर पानी पास होता, नल चलता, हैंडपंप नियमित काम करता, तो लड़कियों को स्कूल से लौटकर बाल्टी न भरनी पड़ती, होमवर्क रात को करना आसान होता, नींद पूरी होती। स्वास्थ्य बेहतर होता, आत्म-सम्मान बढ़ता, पढ़ाई-लिखाई में मन लगता, जीने की उम्मीदें उजली होतीं।

इस कहानी को सिर्फ शिकायत न समझा जाए, बल्कि एक ऐसे परिवर्तन की पुकार माना जाए, जहां पानी केवल मटका तक सीमित न हो, बल्कि एक सुविधा के रूप में हो, जहां लड़कियों को बोझ न ढोना पड़े, बल्कि वो कलम उठाएं, जहां शारीरिक थकावट के बजाय कविता और गणित के प्रश्न हल करने पर ध्यान केंद्रित हो। लड़कियों की मुस्कान तभी वापस आएगी, जब केवल पानी की कमी से उनका स्कूल जाना बाधित न हो।

2019 में जल जीवन मिशन परियोजना शुरू होने से पहले बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 18 प्रतिशत परिवारों के पास पीने का नल उपलब्ध था, जो इस योजना के बाद मार्च 2025 तक बढ़कर 56 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। इतनी योजनाओं के बाद भी गांवों में पानी का संकट पूरी तरह से दूर होता नजर नहीं आ रहा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव किशोरियों की शिक्षा पर पड़ रहा है, जिनके मटके संभाले हाथों से शिक्षा की डोर छूटती जा रही है।

बिहार के चुनाव में पीके की बिसात

> बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को अंडर स्टीमेट करना सत्ता की दौड़ में शामिल किसी भी दल के लिए भूल होगी। दो साल में उन्होंने अपनी चुनाव प्रवंधन की विशेष पहचान से अलग एक ईमानदार राजनीतिक चेहरे की पहचान भी स्थापित की है।

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद बीस साल पुराने मामले में लालू परिवार के खिलाफ आरोप तय होने का न्यायालयीय फरमान आया है। इसमें लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, उनके पुत्र पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित कुछ बड़े होटल मालिक और अफसरों के खिलाफ आरोप तय हुआ है। काफी संभावना है कि अक्टूबर बीतते-बीतते इन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और तेज हो। ऐन चुनाव के वक्त इस कार्रवाई को दो नजरिए से देखा जा रहा है। एक यह कि कानून अपना काम कर रहा है और दूसरा यह कि चुनाव के वक्त भाजपा, विरोधियों के साथ ऐसा करती रहती है। ये दोनों तर्क अब बिहार की जनता की कसौटी पर है।

इस बीच यदि बिहार की राजनीति में लालू परिवार के राजनीतिक दबदबे को देखें तो पता चलता है कि 2014 के बाद जब-जब इस परिवार पर कानूनी शिकंजा कसा गया है, तब-तब यह परिवार राजनीतिक रूप से बहुत कमजोर नहीं हुआ है। चाहे 2015 का चुनाव रहा हो या 2020 का। दोनों ही बार गठबंधन में रहकर चुनाव में आए और गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों से अधिक सीटें जीतने में कामयाब हुए। आरजेडी के साथ गठबंधन में लड़े गए 2015 के चुनाव में आरजेडी को 80 सीटों पर कामयाबी मिली थी, जबकि जनता दल यूनाइटेड को 71 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। भाजपा ने 53 सीटों पर जीत हासिल की थी। जदयू और आरजेडी की गठबंधन सरकार सत्ता में आई थी।

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

अधिक सीटें जीतने के बाद भी आरजेडी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। 2020 के चुनाव में आरजेडी को 75 सीटों पर जीत हासिल हुई और जदयू को 49 सीटों पर जीत मिली, जबकि भाजपा ने 74 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस चुनाव के शुरुआती दौर में भाजपा और जदयू गठबंधन की सरकार थी। बाद में आरजेडी और जदयू की सरकार बनी और अब फिर भाजपा और जदयू की सरकार है। 2015 के मुकाबले 2020 में आरजेडी की सीटें घटकर 75 हो गईं। वहीं जदयू भी 71 से घटकर 49 पर आ गई, लेकिन भाजपा आश्चर्यजनक रूप से 53 से बढ़कर 74 सीटों तक पहुंच गई। 2020 में बढ़ी सीटों को पैमाना मानते हुए 2025 के चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ बराबर-बराबर सीटों पर समझौता किया है, ताकि चुनाव परिणाम बाद सरकार के नेतृत्व का फैसला करने में कोई अड़चन न आए। भाजपा गठबंधन यदि सत्ता में वापसी करता है और उसने जदयू से दो-चार सीटें भी अधिक पा लीं, तो नितीश बखूबी जानते हैं कि उन्हें महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे ही होना है।

इस चुनाव में दूसरा जो बड़ा फैक्टर हैं, वह हैं पीके यानी प्रशांत किशोर। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को अंडर स्टीमेट करना सत्ता की दौड़ में शामिल किसी भी राजनीतिक दल के लिए भूल होगी। दो साल में उन्होंने अपनी चुनाव प्रवंधन की विशेष पहचान से अलग एक ईमानदार राजनीतिक चेहरे की पहचान भी स्थापित की है। वैसे भी जो शख्स अपने कुशल चुनावी प्रवंधन से दूसरे को सत्ता दिला सकता है, वह क्या अपने लिए थोड़ा बहुत भी नहीं कर पाएगा? वह भी उस बिहार में जहां की राजनीति जंगलराज और कथित सुशासन और कुशासन के बीच उलझ कर रह गई हो।

चुनाव में पीके की जन सुराज की इंट्री ने मुकाबला तितरफा बना दिया है। जबसे बिहार में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ी हैं, तब से देखा जाए तो यह साफ दिखता है कि पीके की पार्टी आरजेडी गठबंधन और जदयू गठबंधन दोनों को बराबर-बराबर नुकसान पहुंचा रही है। ये दोनों बड़ी पार्टियां इसे लेकर मुंह भले न खोलें अंदर-अंदर परेशान बहुत हैं। 35 साल से आरजेडी और जदयू के बीच उलझा बिहार पीके के रूप में एक तीसरे विकल्प को भी देख रहा है। इस चुनाव में पीके अपनी साफ-सुथरी छवि के लिए खासा चर्चित हुए हैं। जाति से ब्राह्मण प्रशांत किशोर खूब जानते हैं कि जाति के जाल में फंसे बिहार की राजनीति को उसी जाल में फंसाकर ही बदला जा सकता है। जन सुराज के अब तक घोषित करीब 140 उम्मीदवारों को देखें तो जातीय समीकरण का ख्याल बहुत सोच-समझकर कर किया हुआ जान पड़ता है। पीके ने ईमानदार छवि के कुछ पूर्व नौकरशाहों पर भी दांव लगाया है, तो भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह की पूर्व पत्नी ज्योति सिंह को टिकट देकर महिलाओं को आकर्षित करने का इमोशनल कार्ड भी खेला है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वोटों में थोड़ा-सा झुकाव भी चौंकाने वाले परिणाम ला सकता है।

भौतिक धन के साथ ही स्वास्थ्य धन पर भी सजगता जरूरी

धन की बात जब होती है, तब उसका अर्थ प्रायः रुपया-पैसा तथा भौतिक संपदा से ही लिया जाता है। तीज-त्योहारों पर ईश्वरीय आराधना के क्रम में धन की देवी मां लक्ष्मी का जिक्र आते, यही मन में आता है कि लक्ष्मी जी की पूजा करने और उनके प्रसन्न होने पर आर्थिक आमदनी बढ़ जाएगी। इसी क्रम में पांच दिवसीय दीपावली पर्व पर भी घर-दुकान और प्रतिष्ठान-संस्थान में आय की बढ़ोतरी के लिए लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा के बाद मूर्ति की स्थापना अगले दीपावली पर्व तक के लिए की जाती है।

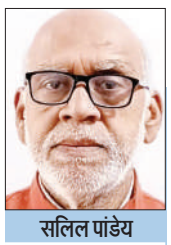

सलिल पांडेय

मिर्जापुर

पूजा-पाठ और ईश्वरीय आराधना सद्संस्कारों के लिए की जाए तो वह सर्वोत्तम है, न कि देवी- देवताओं से भौतिक संपदा की मांग की जाए। दीपावली पर्व के प्रथम पर्व की शुरुआत धन-त्रयोदशी से होती है। इसे धन्वन्तरि जयंती और धनतेरस भी कहते हैं। इस दिन आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वन्तरि की पूजा की जाती है। मनुष्य का स्वास्थ्य भी एक धन है। इसके लिए भौतिक धन के साथ स्वास्थ्य के धन पर भी सजग रहना चाहिए। इसी के साथ नरक-चतुर्दशी का आशय नस-नाड़ियों के जाल से संचालित शरीर में सद्भाव का चतुर्मुखी दीप प्रज्वलित करना है। ऐसी स्थिति में दीपावली के दिन मनुष्य शरीर के रोम-रोम से ऊर्जा की ज्योति निश्चित रूप से जागृत होने लगेगी। रोम-रोम के ऊर्जान्वित होते ब्रह्मांडीय ऊर्जा भी शरीर में प्रवेश करने लगेगी।

यहां तक का पर्व कृष्ण पक्ष का पर्व था, जो आंतरिक जगत के अंधकार को उजाले में जब बदल देगा तब चौथे दिन का पर्व गोवर्द्धन पूजा है। 'गो' शब्द इंद्रियों के लिए भी प्रयुक्त होता है। इसका तो अर्थ यही हुआ कि इंद्रियां इतनी जागृत हो जाएं कि जिस तरह इंद्र के कोप से गोकुल में हाहाकार के खिलाफ कृष्ण ने कनिष्ठिका उंगली पर गोवर्द्धन पर्वत उठा लिया था, उसी प्रकार मनुष्य भी वाह्य आक्रमणों को कनिष्ठिका जैसे लघु प्रयास से मुकाबला करने में समर्थ हो सकेगा। अंतिम दिन भैया दूज का पर्व भी प्रतीकों में लिया जाए और मन को भाई मान लिया जाए तथा कामनाओं को बहन तो जीवन में खुशहाली आते देर नहीं लगेगी। दीपावली का पांच दिवसीय पर्व पांच पर्वों की नदियों के संगम जैसा है।

किचन में ही पूरी उम्र बिता देती हैं भारतीय महिलाएं

अमेरिका जैसे देशों में जा कर बसने वाले भारतीय, जो बहुत अच्छा कमाते हैं वहां, वो भी जल्दी 'कामवाली' वहां अफोर्ड नहीं कर पाते हैं। जो थोड़ा अफोर्ड कर पाते हैं, वो बस हफ्ते या दो हफ्ते में एक दिन कामवाली को खाना बनाने के लिए बुलाते हैं और एक हफ्ते से लेकर दस से पंद्रह दिन का खाना उससे बनवा के रख लेते हैं। वो उस से सब्जी, दाल, मांस और ऐसी चीजें बनवा कर स्टोर कर लेते हैं फ्रिज में और फिर रोज स्वयं या तो चावल ताजा बना लेते हैं या फिर मॉल से लाई हुई, जमी हुई यानी फ्रोजन रोटी सेंक कर सब्जी, दाल या मांस के साथ खा लेते हैं।

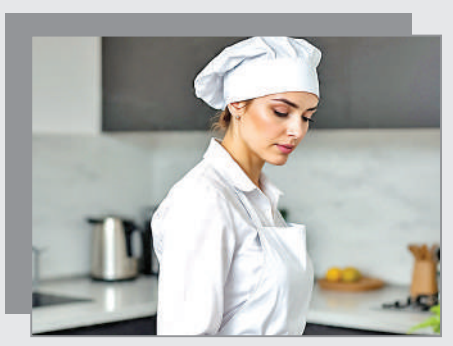

अमेरिका में किसी के पास समय नहीं होता है, तीन समय खाना बनाने का। एक व्यक्ति अगर एक छोटे से, यानि चार लोगों के परिवार के लिए भी अगर तीन समय खाना बनाता है, यानि सुबह नाश्ता, दोपहर का खाना और रात का डिनर तो उसे कम से कम दिन के पांच या छह घंटे देने होने हैं खाना पकाने के लिए। अमेरिका में किसी के पास इतना समय नहीं होता। जो लोग भारत में तीनों टाइम गरम रोटी और घर के बने खाने की वकालत करते हैं, वो भी अमेरिका जा कर एक हफ्ते का फ्रीज किया हुआ खाना बड़े शौक से खाते हैं और अमेरिका ही नहीं, दुनिया के ज़्यादातर देशों में लोग ऐसा ही करते हैं। ईरान से लेकर खाड़ी के देशों की औरतें यहां की औरतों की तरह तीन टाइम सबके लिए खाना नहीं बनाती हैं। दुनिया में कहीं ऐसा नहीं होता है, सिवाय भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और एक दो अन्य छोटे-मोटे देशों के अलावा।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

भारत के धूर्त और चालाक मर्दों ने 'खाने' को धर्म-संस्कृति और जाने किस-किस चीज से जोड़कर, तीन टाइम गरम रोटी और तीन टाइम कुकिंग को बहुत 'महिमामंडित' करके सदियों से औरतों को 'गुलाम' बना के रखा हुआ है। खासकर बेबी बूमर्स (1946 से 1964) और जेनरेशन साइलेंट (1928 से 1945) के बीच पैदा हुआ लोग, खाने के लिए ही जीने वाले लोग होते हैं। ये जिस भी घर में होते हैं, वहां की औरतों का जीवन ये नर्क बनाए रखते हैं। इनके पास कोई काम नहीं होता है, सिवाय ये सोचने के कि अब क्या खाया जाए और अब दोपहर और रात में खाने में क्या बनेगा। एक मील इनके मुंह से सरक के पेट में जाता नहीं है और दूसरे मील की प्लानिंग शुरू हो जाती है और सारी उम्र यही चलता है। एक औरत, जो इनके घर में गलती से ब्याह के आ जाती है, उसे चालीस से पचास साल इन्हें तीन टाइम खाना पका के खिलाना होता है। एक औरत की पूरी उम्र इनको सिर्फ खाना खिलाने में चली जाती है।

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में आप चले जाइए, कहीं-कहीं तो आपको सौ डेढ़ किलोमीटर तक कोई भी होटल नहीं मिलेंगे, सिवाय कुछ ढाबों के, जहां ट्रक वाले और राहगीर खाते हैं और इन सौ डेढ़ सौ किलोमीटर तक आपको तमाम गांव, तमाम कस्बे और तमाम छोटे शहर मिल जाएंगे, मगर वहां एक भी ऐसा कोई होटल नहीं मिलेगा, जहां पूरी फैमिली जा कर कभी लंच या डिनर कर सके। इसका सीधा-सीधा मतलब ये होता है कि इतने बड़े एरिया में बसे लाखों-लाखों घरों में औरतें किचन में सिर्फ और सिर्फ खाना बना रही होती हैं और सारी उम्र वो यही करती हैं। इन्हें सारी उम्र पता ही नहीं होता है कि खाना बाहर भी खाया जा सकता है और जिन्हें पता भी होता है, उनके लिए ये बड़ी बुरी बात होती है कि बाहर जा कर खाया जाए। वो सारी उम्र घर के खाने का महिमामंडन करते हैं और उनके घर की औरतों की सारी उम्र किचन में बीत जाती है। अमेरिका और अन्य देश की औरतें ये सोच कर ही कांप जाती हैं कि भारत की औरतों को सारी उम्र सिर्फ किचन में ही बितानी पड़ती है। भारत में किसी बुजुर्ग से पूछ लीजिए, 'घर के खाने की अहमियत' फिर देखिए उसका महिमामंडन और उसके घर की कौन से औरत सबसे अच्छा खाना बनाती है वो ये भी आपको बताएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

दुनिया में धूम मचाने वाली पांच देसी मॉडल

चाहे ऐश्वर्या राय हों या सुष्मिता सेन या फिर डायना हेडन, इन सभी में दो बातें कॉमन हैं। पहली यह कि ये सभी अपनी सुंदरता और टैलेंट के बूते अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। दूसरी इन सभी ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। आज भी देश में कई ऐसी मॉडल्स हैं, जिनकी खूबसूरती और टैलेंट के चर्चे दुनिया में होते हैं। साथ ही यह वर्ल्ड ब्रांड के लिए एड या मॉडलिंग भी कर रही हैं। लक्ष्मी मेनन, भूमिका अरोड़ा और वर्षिता थाटावर्ती जैसी मॉडलों ने साबित कर दिया है कि भारतीय प्रतिभा वास्तव में विश्व मंच तक पहुंच रखती हैं। आइए जानते हैं टॉप फाइव मॉडल्स के बारे में...

-फीचर डेस्क

श्रुति सितारा

श्रुति सितारा एक भारतीय मॉडल और अभिनेत्री हैं, जिन्हें मुख्य रूप से 2021 में मिस ट्रांस ग्लोबल प्रतियोगिता जीतने के लिए जाना जाता है। वह अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय ट्रांस महिला हैं। मॉडलिंग के अलावा, उन्होंने मलयालम सिनेमा में भी काम किया है और LGBTQ+ अधिकारों की लड़ाई भी लड़ रही है। श्रुति ने केरल में ट्रांस महिलाओं के लिए आयोजित एक सौंदर्य प्रतियोगिता 'क्वीन ऑफ ध्वायाह' जीती है। उन्होंने LGBTQ+ अधिकारों पर केंद्रित ऑनलाइन अभियान 'कैलिडोस्कोप' और सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों के लिए समर्पित 'राइज अप फोरम' की स्थापना की है।

वर्षिता थाटावर्ती

वर्षिता थाटावर्ती भारतीय सुपर मॉडल हैं, जिन्होंने सब्यसाची मुखर्जी के लिए काफी काम किया है। उन्हें रूढ़िवादिता को तोड़ने और मॉडलिंग में बॉडी पॉजिटिविटी और विविधता को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। वर्षिता टी मिलानो फैशन वीक के लिए ध्रुव कपूर की डिजिटल प्रस्तुति में शामिल हुई थीं और उन्होंने अभिनेत्री कैटरीना कैफ द्वारा नाइका के साथ साझेदारी में स्थापित सौंदर्य ब्रांड के ब्यूटी के साथ सहयोग किया था। वह अधिक नैतिक और सुलभ फैशन परिदृश्य की वकालत करती हैं, उद्योग में शरीर के प्रकार और त्वचा के रंग से संबंधित मानदंडों को चुनौती देती हैं तथा युवा महिलाओं को इस कला के प्रति अपने जुनून को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं।

भूमिका अरोड़ा

भारतीय फैशन मॉडल, भूमिका अरोड़ा को 2016 में वोग इंडिया के कवर पेज पर आने के बाद 'नेक्स्ट इंडियन सुपर मॉडल' का खिताब दिया गया था। इसके बाद से, उन्होंने कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, डिजाइनरों और हाई-फैशन ब्रांड्स के साथ काम किया है। भूमिका अपने ब्रेकआउट सीजन, 2015 में, उन्होंने न्यूयॉर्क फैशन वीक में कई प्रतिष्ठित डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक किया, जिनमें अलेक्जेंडर वांग और वेरा वांग भी शामिल थे। उसी सीजन में, उन्होंने लंदन फैशन वीक में गैरेथ पुघ, जोनाथन सॉन्डर्स, सिमोन रोचा और अन्य प्रमुख लेबलों के लिए तथा मिलान में फेंडी शो में कार्ल लेगरफेल्ड के लिए रैंप वॉक किया।

कैरल ग्रेसियस

भारतीय सुपर मॉडल कैरल ग्रेसियस, लॉरियल इंडिया द्वारा 'एलीट लुक ऑफ द ईयर' का खिताब जीतने के लिए मशहूर हैं। उन्होंने लैक्मे फैशन वीक सहित कई फैशन शो में रैंप वॉक किया है और 2000 से 2010 के दशक की शुरुआत में हिंदी फिल्मों के म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है। कैरोल 'बिग बॉस 1' में एक प्रतियोगी थीं, जहां वह प्रथम रनर-अप रहीं और बाद में 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 2' में भी दिखाई दीं, जहां वह द्वितीय रनर-अप रहीं। जब उन्होंने गर्भावस्था के दौरान भी रैंप वॉक किया, तो वे भारतीय रनवे पर विविधता और बॉडी पॉजिटिविटी का चेहरा बन गईं।

लक्ष्मी मेनन

लक्ष्मी मेनन भारत की शीर्ष महिला मॉडलों में से एक हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनरों और पत्रिकाओं के साथ काम करने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कॉलेज के दिनों में ही एक मॉडल के रूप में काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने जीन पॉल गॉल्टियर के चैनल शो में काम किया। इसके बाद, उन्होंने हर्मीस कैटवॉक पर काम किया और एच एंड एम, गिवेंची, ब्लूमिंगडेल, नॉर्डस्ट्रॉम, डी एंड जी जैसे कई ब्रांडों के लिए प्रचार किया। वह पिरेली कैलेंडर (2011) में शामिल होने वाली पहली भारतीय मॉडल हैं और उनकी तस्वीर कार्ल लेगरफेल्ड ने ली थी।

ज़िंदगी का सफर

हिंदी फिल्मों के पहले 'चॉकलेट ब्वाय' जॉय मुखर्जी

जॉय मुखर्जी हिंदी फिल्मों के पहले चॉकलेटी ब्वाय थे। वह पहले हीरो थे, जो पहली बार ऑन स्क्रीन शर्टलेस नजर आए थे। वह अपने डांस और रोमांटिक किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उनका जन्म झांसी में 24 फरवरी, 1939 में एक प्रमुख फिल्मी परिवार में हुआ था, जिसके सदस्य बॉलीवुड से गहरे रूप से जुड़े हुए थे। उनके पिता शशिधर मुखर्जी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और फिल्मालय स्टूडियो के सह-संस्थापक थे। उनकी मां सती देवी किशोर कुमार की बहन थीं। उनके भाई देव मुखर्जी और शोमू मुखर्जी थे और अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं। उन्होंने देहरादून के कर्नल ब्राउन कैंब्रिज स्कूल और बाद में सेंट जेवियर्स कॉलेज में पढ़ाई की।

अभिनय करियर की शुरुआत 1960 में फिल्म 'लव इन शिमला' से अपने करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके साथ साधना थीं। इस फिल्म से वह एक रोमांटिक हीरो के रूप में स्थापित हुए। 60 के दशक में उन्होंने कई सफल रोमांटिक फिल्मों में काम किया। उनकी जोड़ी अक्सर आशा पारेख और सायरा बानो जैसी अभिनेत्रियों के साथ बनती थी। फिर वही दिल लाया हूं (1963), जिद्दी (1964), लव इन टोक्यो (1966), शागिर्द (1967), एक मुसाफिर एक हसीना (1962) जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया। 1960 के दशक के अंत तक, जब रोमांटिक आइकॉन राजेश खन्ना का उदय हुआ, तो जॉय मुखर्जी की लोकप्रियता कम होने लगी और उन्हें मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गईं। इस बीच उनकी कई फिल्में भी नहीं चल सकीं। अभिनय की भूमिकाएं कम होने पर उन्होंने निर्देशन और निर्माण में कदम रखा। उनकी पहली निर्देशित फिल्म हमसाया थी, जो व्यावसायिक रूप से सफल नहीं हुई। हालांकि उन्होंने 1977 में राजेश खन्ना अभिनीत छैला बाबू का निर्देशन किया, जो एक बड़ी सफलता साबित हुई और उन्हें वित्तीय परेशानियों से बाहर निकाला। 1985 में उन्होंने फिल्म इंसाफ मैं करूंगा में नकारात्मक भूमिका निभाई, जो उनकी अंतिम सफल फिल्म थी। 2009 में वह अपने बेटे सुजॉय मुखर्जी के साथ टीवी सीरियल ए दिले नादां में भी दिखाई दिए। जॉय मुखर्जी का 9 मार्च को 73 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। जॉय मुखर्जी की फिल्में आज भी उनके प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं। उन्हें एक ऐसे अभिनेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में रोमांस को एक नया आयाम दिया।

ओटीटी प्लेटफार्म

स्ट्रेंज थिंग्स सीजन-5

हर एपिसोड का खर्च 500 करोड़

नेटनेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज स्ट्रेंजर थिंग्स का पांचवां और अंतिम सीजन नवंबर और दिसंबर 2025 में तीन भागों में रिलीज होने के लिए तैयार है, जो इस महाकाव्य का एक रोमांचक अंत करेगा। यह सीजन 1987 की शरद ऋतु में शुरू होता है, जहां हॉकिन्स शहर अपसाइड डाउन के रिफ्ट्स से बुरी तरह प्रभावित है। इस आखिरी लड़ाई में, टीम वेक्ना को ढूंढने और मारने के मिशन पर है, जो रहस्यमयी ढंग से गायब हो गया है। इस सीजन में कहानी वापस हॉकिन्स में लौटेगी, जिससे पहले सीजन की तरह ही एक गहरा जुड़ाव महसूस होगा। इस बार खतरा पहले से कहीं ज्यादा बड़ा और घातक है और हर एपिसोड एक छोटी फिल्म जैसा अनुभव देगा।

नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज स्ट्रेंज थिंग्स सीजन-5 इस साल तीन हिस्सों में रिलीज होने जा रहा है, जिसका बजट टीवी इतिहास में सबसे अधिक बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सीजन-5 का प्रति एपिसोड बजट 50-60 मिलियन डॉलर (443 से 532 करोड़ रुपये) के बीच है। बजट के मामले में ये "द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स : द रिंग्स ऑफ पावर" के बजट के करीब पहुंच चुकी है। इसके प्रति एपिसोड की लगात 58 मिलियन डॉलर (लगभग 514 करोड़ रुपये) थी, जिसकी वजह से ये सबसे महंगी वेब सीरीज में से एक है। इस पूरे सीजन का बजट लगभग 480 मिलियन डॉलर यानी 4261 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

स्ट्रेंज थिंग्स सीजन-4 का बजट भी 30 मिलियन डॉलर (266 करोड़ रुपये) प्रति एपिसोड था, लेकिन आखिरी सीजन का बजट इसे कहीं पीछे छोड़ देता है। इस सीजन में 8 एपिसोड होंगे, जिनमें से पहले चार 26 नवंबर, अगले तीन 25 दिसंबर और अंतिम एपिसोड 31 दिसंबर को रिलीज होगा। प्रत्येक एपिसोड की अवधि 90 मिनट से दो घंटे तक होगी, जो इसे फिल्मों जैसा भव्य बनाता है। "स्ट्रेंजर थिंग्स" ने दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज पैदा किया है। नेटफ्लिक्स की ये वेब सीरीज काफी मायने रखती है और इस ओटीटी प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता में अहम भूमिका निभाती है। ये सीरीज भी "गेम ऑफ थ्रोन्स" और "स्टार वॉर्स" जैसी सीरीज की लीग में आती है। "स्ट्रेंजर थिंग्स सीजन 5" के शोरनर मैट डफर और रॉस डफर हैं। इस सीरीज में विनोना रायडर, मिली बॉबी ब्राउन, डेविड हार्बर, फिन वुल्फहार्ड और गेटेन माताराज्जो मुख्य किरदारों में दिखेंगे। इन पांच सीजन में कुल 42 एपिसोड होंगे। "स्ट्रेंजर थिंग्स" सीजन 5 का प्रीमियर 26 नवंबर, 2025 को नेटफ्लिक्स पर होगा तो अब इंतजार तो बनता है।

मॉडल आफ द वीक

नामः निशा कुरैशी

टाउनः बरेली

एजुकेशनः बीबीए

अचीवमेंटः कई इवेंट्स में मॉडलिंग

ड्रीमः मॉडलिंग व एक्टर

वर्ल्ड ब्रीफ

मोजाम्बिक: नाव दुर्घटना में तीन भारतीयों की मौत

मापुतो। मोजाम्बिक में एक नाव दुर्घटना में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, एक घायल हो गया जबकि पांच को बचा लिया गया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, भारतीय मिशन ने बेरा बंदरगाह के पास हुई दुर्घटना में तीन भारतीयों सहित सभी लोगों की मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उच्चायोग ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मिशन के एक कांसुलर अधिकारी ने उस भारतीय नागरिक से मुलाकात की, जो दुर्घटना में बच गया था। उसने कहा, पांच अन्य भारतीयों को बचा लिया गया है। मध्य मोजाम्बिक में बेइरा बंदरगाह के पास 14 भारतीय नागरिकों सहित कई लोगों को ले जा रही नौका पलट गई थी।

कल से फिर खोल दी जाएगी रफाह सीमा

काहिरा। मिस्र स्थित फलस्तीनी दूतावास ने कहा है कि गाजा और मिस्र के बीच रफाह सीमा को सोमवार को गाजा लौटने वाले लोगों के लिए फिर खोल दिया जाएगा। दूतावास के सांस्कृतिक दूत नाजी अल-नाजी ने को बताया, गाजा लौटने के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों की संख्या बहुत बड़ी है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग वापस लौटने के लिए पंजीकरण करा रहे हैं। इजराइल की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिली है। यह सीमा गाजा का बाहरी दुनिया से जुड़ने का एकमात्र रास्ता है, जिस पर युद्ध से पहले इजराइल का नियंत्रण नहीं था। मई 2024 से यह तब से बंद है जब इजराइल ने गाजा के उस हिस्से पर नियंत्रण कर लिया था।

ब्रिटेन: सिख महिला से रेप के शक में दो पकड़े

लंदन। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में पिछले महीने एक सिख महिला के साथ बलात्कार के संदेह में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। माना जा रहा है कि ये घटना नस्लीय भेदभाव के कारण अंजाम दी गई। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि ये गिरफ्तारियां बृहस्पतिवार रात को उसी काउंटी के हेल्सओवेन में महिला (30) के साथ हुए बलात्कार के सिलसिले में की गई हैं। बाद में दोनों आरोपियों को 20 वर्षीय ब्रिटिश सिख महिला के उत्पीड़न के मामले में भी गिरफ्तार किया गया।

पाकिस्तान: शीर्ष अफसर का अपहृत बेटा बरामद

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के जियारत क्षेत्र के निकट अपहृत एक शीर्ष सरकारी अधिकारी के बेटे को सुरक्षा एजेंसियों ने ढूंढ लिया है। जियारत के सहायक आयुक्त मुहम्मद अफजल बकी और उनके बेटे का लगभग दो महीने पहले जियारत के पास से अपहरण कर लिया गया था। पुलिस के एक एक वरिष्ठ अधिकारी बिलाल शेख ने कहा कि बकी अब भी लापता हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि अधिकारी उनकी सुरक्षित बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

ब्रिटेन: एपस्टीन से संबंधों पर घिरे प्रिंस एंड्रयू ने छोड़ीं शाही उपाधियां

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई राजकुमार एंड्रयू ने अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों को लेकर लग रहे आरोपों के बीच राजा के साथ चर्चा के बाद ड्यूक ऑफ यॉर्क और अन्य सभी शाही उपाधि त्याग दी हैं।

राजकुमार एंड्रयू (65) ने 'हिज रॉयल हाइनेस' की उपाधि का उपयोग पहले ही बंद कर दिया था। उन्होंने घोषणा की कि उनकी अन्य सभी उपाधियां भी निष्क्रिय हो जाएंगी। हालांकि, वे अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों का पुरजोर खंडन करते रहे हैं। दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पुत्र होने के नाते, वे 1917 में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा जारी 'लेटर्स पेटेंट' के अनुसार 'राजकुमार' की उपाधि बरकरार रखेंगे, जिसे उनकी मां ने 2012 में अद्यतन किया था। एक बयान में राजकुमार एंड्रयू ने कहा, राजा और मेरे निकट एवं व्यापक परिवार के साथ चर्चा में हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि मुझ पर लगातार लग रहे आरोप महामहिम (चार्ल्स) और शाही परिवार के काम में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा की तरह, अपने परिवार और देश के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखने का निर्णय लिया है।

खतरनाक भविष्य की ओर इशारा

मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलते हुए कार्डियक अरेस्ट से एक बच्चे की मौत के बाद यह सवाल एक बार फिर सुर्खियों में है कि मोबाइल गेम लोगों के दिलोदिमाग पर किस हद तक घातक प्रभाव छोड़ रहे हैं। मोबाइल गेम का जीवन का घातक बन जाना कुछ दिनों की बात नहीं है। यह इतिहास 20 साल से भी ज्यादा पुराना हो चुका है और स्मार्टफोन की उपलब्धता और बढ़ती तकनीक के साथ जुड़ा है। विज्ञापन, इन गेम खरीदारी और सब्सक्रिप्शन से लाभ कमाने वाली कंपनियां उनके दुष्प्रभावों की परवाह नहीं करतीं। वयस्कों से कहीं ज्यादा बच्चों पर इसका नकारात्मक शारीरिक और मानसिक प्रभाव पड़ता है। इसी कारण मोबाइल गेम के मौजूदा दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ी के लिए एक बड़े खतरे की ओर भी इशारा कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में करोड़ों लोग मोबाइल गेम्स के आदी हैं।

ऑनलाइन गेम्स

मोबाइल गेम्स का इतिहास

- मोबाइल फोन प्रचलन में आने के साथ वर्ष 2003 में स्नेक, टेट्रिस, ब्रिक गेम जैसे जावा-आधारित छोटे गेम की शुरुआत हुई थी।
- स्मार्ट फोन और एप स्टोर आने के बाद 2009 में एंग्री बर्ड, टेंपल रन और सबवे सर्फर्स जैसे गेम शुरू हुए जिन्हें पसंद किया गया।
- वर्ष 2013 में क्लैश ऑफ क्लैंस, कैंडी क्रश और फिर 2017 के बाद पब जी, फ्री फायल, कॉ ऑफ ड्यूटी और बीजीएमआई आए।
- अब मोबाइल गेम्स ई-स्पोर्ट्स, स्ट्रीमिंग, माइक्रोट्रांजैक्शन आधारित बिजनेस में बदल चुके हैं। यह करोड़ों का कारोबार है।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव और कारण

- वैज्ञानिकों के मुताबिक ये मस्तिष्क में आनंद प्रदान करने वाले हारमोन डोपामिन को ट्रिगर करते हैं, इससे लोग इनके आदी हो जाते हैं।
- जीत, रैंक और रिवार्ड जैसे हथकंडों से इसमें वृद्धि होती है, कंपनियां गेम्स को डोपामिन इंजीनियरिंग के आधार पर ही डिजाइन करती हैं।
- चिकित्सकों के अनुसार गुस्सा बढ़ना, सहनशक्ति कम होना, सामाजिक अलगाव, निराशा, ध्यान भंग जैसे लक्षण गेम के आदी लोगों में आम हैं।

किस हद तक घातक

- फिलीपींस में 2021 में 12 घंटे तक लगातार बैटल रॉयल खेलने के बाद एक युवक की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई।
- पाकिस्तान में वर्ष 2019 में एक युवक ने पबजी गेम हारने के बाद क्रोधित होकर परिवार के चार सदस्यों की हत्या कर दी।
- भारत में भी 2020 में पबजी हारने के बाद एक बच्चे ने अपने पिता की हत्या कर दी थी। रेल ट्रैक पर मौत की कई घटनाएं।

बच्चों पर असर

- चिकित्सकों का कहना है कि दिमाग परिपक्व न होने से बच्चों पर तेज और गहरा असर होता है।
- हिंसा, आत्महत्या करने और हृदयाघात या शारीरिक थकावट जैसे लक्षण ज्यादा होते हैं।
- गर्दन-रीढ़ दर्द, आंखों पर असर, मोटापा, कार्पल टनल, नींद खराब, एंग्जायटी, डिप्रेशन जैसे लक्षण भी बेहद आम।

दुनिया का हाल

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में 320 से 350 करोड़ तक लोग ऑनलाइन मोबाइल गेम खेलते हैं। इनमें से करीब 17 करोड़ लोग गंभीर रूप से आदी हैं और मानसिक रूप से बीमार की श्रेणी में पहुंच चुके हैं।

उठाए जा रहे हैं कदम

- भारत के कुछ राज्यों में पबजी और फ्री फायर जैसे ऑनलाइन गेम्स पर अस्थाई रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।
- चीन में 18 साल से कम बच्चों के लिए सप्ताह में अधिकतम तीन घंटे की गेमिंग सीमा अनिवार्य कर दी गई है।
- दक्षिण कोरिया में शटडाउन लॉ के तहत रात में 16 से कम उम्र वालों के लिए मोबाइल गेम पर प्रतिबंध लगा है।

ट्रंप का फार्मूला: युद्धविराम की कीमत चुकाए यूक्रेन, रूस के कब्जे वाली अपनी जमीन छोड़े

जेलेंस्की से वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया दोनों देशों का जहां के तहां रुकने का आह्वान

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस में युद्धविराम के मुद्दे पर वार्ता के बाद ट्रंप के साथ जेलेंस्की।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ शुक्रवार को व्हाइट हाउस में लंबी बैठक के बाद यूक्रेन और रूस से युद्ध समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देश जहां हैं वहीं रुक जाएं। ट्रंप की ताजा टिप्पणी को यूक्रेन के लिए लिए रूस के हाथों कब्जाई गई जमीन को वापस लेने की कोशिश छोड़ने का संकेत माना जा रहा है।

ट्रंप राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद से यह युद्ध समाप्त नहीं होने को लेकर कई बार हताशा जता चुके हैं। अब ट्रंप ने जेलेंस्की और उनकी टीम के साथ दो घंटे से अधिक की बातचीत के तुरंत बाद 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, काफी खून-खराबा हो चुका है, संपत्ति की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं। उन्होंने कहा, उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए जहां वे हैं। दोनों को जीत का दावा करने दें, इतिहास को फैसला करने दें! ट्रंप ने बाद में फ्लोरिडा पहुंचने के तुरंत बाद दोनों पक्षों से तुरंत युद्ध रोकने'' का आग्रह किया और संकेत दिया कि रूस यूक्रेन से छीना गया क्षेत्र अपने पास रखे।

ट्रंप ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, आप युद्ध रेखा के अनुसार चलें, चाहे वह कहीं भी हो, वरना यह बहुत जटिल हो जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप युद्ध रेखा पर रुक जाएं और दोनों पक्षों को वापस जाना चाहिए, अपने परिवारों के पास जाना चाहिए, हत्याएं बंद करनी चाहिए। जेलेंस्की ने गाजा में पिछले सप्ताह हुए युद्धविराम और बंधक समझौते को लेकर ट्रंप को शुक्रवार को बधाई देते हुए कहा कि अब ट्रंप के पास रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का बड़ा मौका है। अमेरिकी नेता ने संकेत दिया है कि वह कीव को लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली बेचने की सहमति देने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन को इसकी सख्त जरूरत है। हाल में ट्रंप ने यूक्रेन को लंबी दूरी की 'टॉमहॉक क्रूज' मिसाइल बेचने की मंशा दिखाई थी, जबकि पुतिन ने चेतावनी दी थी कि इस तरह के कदम से अमेरिका-रूस संबंधों में और तनाव पैदा होगा।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा- ट्रंप ने जो बोला, वह सही

शुक्रवार की बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम और बातचीत का समय आ गया है। उन्होंने जमीन छोड़ने के लिए ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव डाले जाने के बारे में पूछे गए सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया। जब पत्रकारों ने जेलेंस्की से ट्रंप के पोस्ट के बारे में सवाल किया तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रपति सही हैं। हमें वहीं रुकना होगा जहां हम हैं और फिर बात करनी होगी। युद्ध को लेकर ट्रंप का रुख पुतिन के साथ बृहस्पतिवार को लंबी फोन वार्ता के बाद बदला। फोन पर वार्ता के बाद उन्होंने घोषणा की कि वह आगामी सप्ताहों में हंगरी के बुडापेस्ट में रूसी नेता से मिलने की योजना बना रहे हैं।

मेरे लिए आसान है पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष रोकना : ट्रंप

वाशिंगटन। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती शत्रुता के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अगर उन्हें दोनों देशों के बीच संघर्ष को हल कराने की जरूरत पड़ी तो यह उनके लिए आसान बात होगी। ट्रंप ने जेलेंस्की के साथ भोज के दौरान मीडिया के सामने लाखों लोगों की जान बचाने का एक बार फिर दावा किया, साथ ही आश्वासन भी दिया कि उन्हें अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, मुझे लोगों को मारे जाने से रोकना अच्छा लगता है। मैंने लाखों-करोड़ों लोगों की जान बचाई है।

फिर दावा- रूसी तेल नहीं खरीदेगा भारत

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने मॉस्को से तेल की खरीद लगभग बंद कर दी है। ट्रंप ने मीडिया के एक सवाल के जवाब में कहा, वे पीछे हट रहे हैं। उन्होंने लगभग 38 प्रतिशत तेल खरीदा है और अब वे ऐसा नहीं करेंगे। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह बाजार की स्थितियों के अनुरूप अपने ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार तैयार कर रहा है और इसे विविध बना रहा है।

मैं एक युद्ध रोकता हूं तो वे कहते हैं आपको अगला युद्ध रुकवाने पर नोबल मिलेगा

ट्रंप ने आठ युद्ध रूकवाने के बावजूद नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर निराशा व्यक्त की है। ट्रंप ने कहा, आप जानते हैं कि मैंने आठ युद्ध सुलझाए हैं। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं एक का समाधान कराता हूं तो वे कहते हैं कि अगर आप अगले का भी समाधान कर लेते हैं तो आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा। हालांकि ट्रंप ने तुरंत यह भी कहा कि उन्होंने यह नोबेल के लिए नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि वह 2025 की नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो को नहीं जानते। उन्होंने कहा, मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। किसी महिला को यह पुरस्कार मिला है। वह एक बहुत अच्छी महिला हैं, बहुत अच्छी, मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं।

नीरव मोदी ने किया सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आने का दावा

लंदन, एजेंसी

● प्रत्यर्पण पर सुनवाई शुरू होने से पहले लंदन की अदालत में भगोड़े हीरा कारोबारी की पेशी

करीब छह साल से जेल में बंद भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने ब्रिटेन की एक अदालत में कहा कि अगले महीने धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों पर उसके प्रत्यर्पण के तहत भारत को सौंपने के मामले की सुनवाई के लंदन में फिर शुरू होने पर सनसनीखेज घटनाक्रम देखने को मिलेंगे।

'रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस' में 54 वर्षीय नीरव मोदी शुक्रवार को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश साइमन टिंकलर के समक्ष एक अन्य असंबद्ध मामले में अपने बचाव के लिए पेश हुआ, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया के 80 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक के बकाया ऋण का मुद्दा शामिल है। न्यायाधीश ने जेल में तकनीकी और चिकित्सीय बाधाओं के आधार पर कार्यवाही पर रोक लगाने के नीरव के आवेदन को ठुकरा दिया, जिस पर जनवरी 2026 में सुनवाई होनी है। नीरव ने मुकदमा पूर्व समीक्षा सुनवाई के दौरान कहा, मैंने पहले कभी इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया लेकिन प्रत्यर्पण मामले पर सुनवाई शुरू होने पर कुछ सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आएंगे।

पंजाब नेशनल बैंक के करीब दो अरब डॉलर के ऋण घोटाले के मामले में भारत में वांछित भगोड़े हीरा व्यापारी ने अदालत से कहा कि उसे अत्यधिक उम्मीद है कि या तो उसे बरी कर दिया जाएगा या जमानत दे दी जाएगी, क्योंकि अदालत ने ऐसे मामलों में उच्च स्तर की पाबंदी के बावजूद नए साक्ष्य स्वीकार करने पर सहमति जताई है।

ढाका के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगी भीषण आग, सभी उड़ानें रोकी गई

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो कॉम्प्लेक्स में शनिवार को भीषण आग लग गई, जिसके बाद सभी उड़ानों को स्थगित कर दिया गया।

बांग्लादेश नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा कि हजरत शाहजलाल हवाई अड्डे पर दोपहर में आग लग गई, जिसके बाद दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया और अतिरिक्त टीमें भेजी गईं। अग्निशमन सेवा के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने कहा, 36 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। वायु सेना की दमकल गाड़ियां भी इनमें शामिल हो गईं हैं। सभी विमानों के उतरने और उड़ान भरने पर रोक लगा दी गई है।

मुनीर की अफगानिस्तान को चेतावनी शांति और अव्यवस्था में से एक को चुने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर ने शनिवार को अफगानिस्तान को चेतावनी देते हुए शांति या अव्यवस्था में से किसी एक का चयन करने को कहा। उन्होंने अफगानिस्तान से यह भी कहा कि वह पाकिस्तान के अंदर हमले के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी और तत्काल कार्रवाई करे।

मुनीर का बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान में ताजा हवाई हमले शुरू कर दिए। यह हमला दोनों देशों द्वारा दो दिन के संघर्ष विराम को विस्तारित किए जाने के कुछ घंटों बाद किया गया। मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ऐबटाबाद स्थित पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी काकुल में सेना के दीक्षांत समारोह में अफगानिस्तान का जिक्र कर उससे शांति या अव्यवस्था में से एक को चुनने को कहा। मुनीर ने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करने वाले सभी छद्म आतंकवादियों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा।

भारत को भी गीदड़ भभकी... उकसावे का देंगे निर्णायक जवाब

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने शनिवार को तीखी बयानबाजी करते हुए भारत को मामूली उकसावे पर भी निर्णायक जवाब देने की चेतावनी दी और कहा कि परमाणु हथियारों वाली दुनिया में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है। मुनीर कहा, मैं भारत के सैन्य नेतृत्व को दृढ़ता से आगाह करता हूं कि हम कभी भयभीत नहीं होंगे, बयानबाजी से प्रभावित नहीं होंगे और बिना किसी झिझक के मामूली उकसावे का भी निर्णायक जवाब देंगे।

ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर लगे सभी प्रतिबंध अमान्य घोषित किए

तेहरान। ईरान ने शनिवार को घोषणा की कि वह अब 2015 के संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के प्रतिबंधों से बंधा नहीं है, यह समझौता समाप्त हो चुका है, लेकिन उसने कूटनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा प्रस्तावित जेसीपीओए पर जुलाई 2015 में वियना में ईरान, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और अमेरिका ने हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कई प्रतिबंधों के बदले उसके खिलाफ लगाए गए गंभीर अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंध हटा लिए गए थे। समझौते में उसके यूरेनियम संवर्धन को केवल 3.67% तक सीमित करना और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा उसके परमाणु प्रतिष्ठानों की सख्त निगरानी की अनुमति देना शामिल था लेकिन ट्रंप ने 2018 में इस समझौते से नाता तोड़ लिया और प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था।

सुरक्षा बलों ने लेह में नहीं निकलने दिया मौन मार्च

कारगिल में किया गया प्रदर्शन, प्रशासन पर ताकत के बेजा इस्तेमाल का आरोप

लेह, एजेंसी

संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और सुरक्षा उपायों के लिए अपने आंदोलन के हिस्से के रूप में लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) का संयुक्त रूप से बुलाया गया एक नियोजित मौन मार्च शनिवार को यहां अधिकारियों की तरफ से सख्त सुरक्षा उपायों और मोबाइल इंटरनेट को निलंबित करने के कारण विफल रहा। कारगिल में हालांकि शांतिपूर्ण मौन मार्च निकाला गया, जिसमें केडीए नेताओं ने लेह में प्रतिबंधों की निंदा की।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों आंदोलनकारी समूहों द्वारा सुबह 10 बजे से दो घंटे के मौन मार्च और शाम छह बजे से तीन घंटे के 'ब्लैकआउट' के आह्वान के बीच लेह और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया था। इन समूहों का आह्वान 24 सितंबर को व्यापक हिंसा में जान गंवाने वालों, घायल होने वालों या गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिए गए लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका के चलते अधिकारियों ने लेह में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है, मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी हैं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को भी बंद करने का आदेश दिया है।

अंजुमन इमामिया के अध्यक्ष और एलएबी के सदस्य अशरफ अली बारचा ने कहा, हमने अपनी मांगों को शांतिपूर्वक उठाने के लिए मौन मार्च का आह्वान किया था, लेकिन प्रशासन ने अपनी ताकत का इस्तेमाल करके विफलता प्रदर्शित की है। भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात कर लोगों को इकट्ठा नहीं होने दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को लोगों को डराने के लिए इस तरह के प्रतिबंध लगाने के बजाय उनके साथ बातचीत करनी चाहिए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 13.51 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

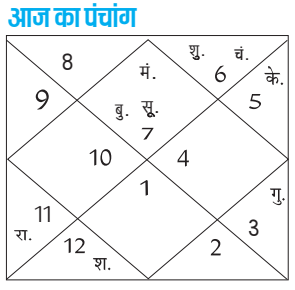

दिशाशूल-पश्चिम, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 17.49 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज यश मिलने से आपके मन में अहंकार का भाव भी जागृत हो सकता है। वैवाहिक संबंध काफी अच्छे रहेंगे। आपकी कार्यशैली में सुधार होगा। किसी पॉलिसी में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं। मन में परोपकार का भाव जागृत होगा।

वृष — आज गुप्त शत्रु आपको आपके शुभचिंतकों के प्रति भड़काने का प्रयास कर सकते हैं। अनावश्यक कार्यों में धन बर्बाद हो सकता है। सहकर्मी आपके प्रति ईर्ष्या का भाव रख सकते हैं। वैचारिक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। शुभ समाचार मिलने से पूरा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। भोजन में कुछ अरुचि हो सकती है। मित्रों के साथ करियर को लेकर चर्चा करेंगे। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा।

कर्क — आज व्यापार की चुनौतियों का हल निकाल लेंगे। किसी तीर्थ यात्रा का विचार बना सकते हैं। अपनी आय में वृद्धि के तरीकों पर विचार कर सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों की प्रसन्नता देखकर आप भी खुश रहेंगे।

सिंह — आज घर में धार्मिक आयोजन होने से आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। सिद्धांतों के बजाय व्यवहारिक तरीके से समस्याओं का समाधान कर पाएंगे। परिवार के बुजुर्गों के साथ आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा।

कन्या — आज अधिकांश समय शांत रहेंगे। नकारात्मक लोग आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। मन में उथल-पुथल और द्वंद्व होता रहेगा। ससुराल पक्ष के साथ थोड़े संबंध बिगड़ सकते हैं। घर की देखरेख को समय देना पसंद करेंगे।

तुला — आज आपको अच्छे कार्यों के कारण पुरस्कार मिल सकता है। व्यवसाय में नया प्रयोग न करें। करियर के उन्नति के बेहतरीन अवसर आपको मिल सकते हैं। पिछले काफी समय से लंबित कार्य अब शुरू होने के अच्छे योग हैं।

वृश्चिक — आज पारिवारिक उत्तरदायित्व का भली-भांति निर्वाह करेंगे। जल्दबाजी में काम करने से हानि हो सकती है। आप शांति से अपना दिन बिताना चाहेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय बहुत ही अच्छा है। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी।

धनु — आज उच्च शिक्षा में बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। अधिकारियों के साथ संबंध मधुर रहने वाले हैं। आपके विचारों को समाज में प्रमुखता मिलेगी। कारोबारी यात्रा के लिए जा सकते हैं। वाद-विवाद से आपको बचना चाहिए। कई दिनों बाद प्रेमीजन से मुलाकात होगी।

मकर — आज किसी से बड़ा लेन-देन न करें। हृदय रोगियों को दवाइयों और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आप जिसका हित करने का प्रयास करेंगे हो सकता है वही आपको धोखा कर दें। भूमि-संपत्ति विवादों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे।

कुंभ — आज दूसरों से अधिक अपेक्षा न रखें। राजनैतिक लोगों से आपकी नजदीकियां बढ़ सकती हैं। दांपत्य संबंधों में परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। मित्रों के साथ आप नई परियोजनाओं में निवेश करने की योजना बनाएंगे।

मीन — आज बिना मतलब दूसरों के मामलों में न पड़ें। अपनी योजनाओं को फिलहाल अपने तक ही सीमित रखें। नए संपर्क विकसित होने से मन प्रसन्न रहेगा। संतान को शिक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

सुडोकू-134

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2		4	8				
1				3			5	8
6				2		4		
		7		6				
4			2		9			
				4		8		
		3		9				
9	5							
		6	7	5	4			

सुडोकू - 133 का हल

4	3	7	1	2	9	5	8	6
6	9	8	5	7	3	2	1	4
2	5	1	6	8	4	9	3	7
5	1	2	7	4	8	6	9	3
9	7	6	3	1	2	4	5	8
3	8	4	9	5	6	1	7	2
1	6	3	4	9	7	8	2	5
8	4	5	2	3	1	7	6	9
7	2	9	8	6	5	3	4	1

इंग्लैंड के खिलाफ पिछली विदेशी सीरीज से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला और हमने वहां जीत हासिल की। यह उस दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने से जुड़ा है। टीम का दृष्टिकोण सकारात्मक है और एक सप्ताह के विश्राम के बाद विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार है।
-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

बरेली, रविवार 19 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कमिंस फिट नहीं हुए तो स्मिथ होंगे कप्तान

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने पुष्टि की कि नियमित कप्तान पैट कमिंस अगर एशेज शृंखला से पहले कमर की चोट से उबर नहीं पाते हैं तो स्टीव स्मिथ कप्तान होंगे। कमिंस चोट के कारण भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे शृंखला से भी बाहर हैं। उनका 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में खेलना भी तय नहीं है। बेली ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहापैट नहीं खेल पाते हैं तो स्मिथ कप्तान होंगे। यह रणनीति हमारे लिये पहले भी कारगर रही है। स्मिथ इस सप्ताह न्यूयॉर्क से आस्ट्रेलिया लौट आये हैं और क्रिकेट न्यू साउथवेल्स के मुख्यालय पर अभ्यास शुरू कर दिया है। वह शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में ब्रिसबेन और सिडनी में अगले दो मैचों में न्यू साउथवेल्स के लिए खेलेंगे।

विश्व चैंपियनशिप में भारत का खराब प्रदर्शन

एथेंस : नीरू ढांडा और भौनीश मेंदीरत्ता की भारत की ट्रैप मिश्रित टीम शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (शॉटगन) के अंतिम दिन खराब प्रदर्शन करते हुए 25वें स्थान पर, जबकि जोरावर सिंह संधू और आशिमा अहलावत की जोड़ी 28वें स्थान पर रही। भारत की दोनों जोड़ियों ने क्वालीफिकेशन राउंड में 137 का समान स्कोर बनाया और चार टीमों के फाइनल में जगह बनाने से काफी अंतर से चूक गईं। स्वर्ण पदक के मुकाबले में इटली ने मैरिनो को 45-40 से हराया, जबकि कांस्य पदक के मैच में अमेरिका ने मिस्र को 39-37 से हराया।

डेनमार्क ओपन में हारे सात्विक-चिराग

ओडेंसे : भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हारकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। एशियाई खेलों के चैंपियन तथा हांगकांग सुपर 500 और चाइना मास्टर्स सुपर 750 के फाइनल में जगह बनाने वाले सात्विक और चिराग की जोड़ी 68 मिनट तक चले मुकाबले में 21-23, 21-18, 16-21 से हार गई।

बेंगलुरु ने शीर्ष आठ में जगह पक्की की

नई दिल्ली : बेंगलुरु बुल्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के मैच में दबंग दिल्ली के खिलाफ 33-23 की जीत के साथ शीर्ष आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। अलीरेजा मिर्जायन ने एक और सुपर 10 हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान सत्र में किसी विदेशी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक रेड अंक भी दर्ज किए। बुल्स के डिफेंडरों ने भी अपनी भूमिका निभाई। संजय ने चार टैकल और योगेश तथा दीपक ने तीन-तीन टैकल किए। इस जीत से बेंगलुरु बुल्स अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। इस बीच, मोहित देसवाल दबंग दिल्ली के लिए सात टच प्वाइंट और चार टैकल प्वाइंट के साथ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

रणजी ट्रॉफी : आंध्र प्रदेश पर भारी पड़े रिंकू सिंह

उत्तर प्रदेश के लिए संकट मोचक की भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- धमाकेदार शतक लगाकर यूपी को मुश्किलों से बाहर निकाला और दिलाई 3 अंक की बढ़त
- आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में यूपी ने आठ विकेट पर बनाए 471 रन

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी में यूपी के बल्लेबाज रिंकू सिंह आंध्र प्रदेश के खिलाफ अकेले ही भारी पड़ गए। मैच के चौथे व अंतिम दिन नाबाद 165 रनों की शतकीय पारी खेलकर न सिर्फ मुकाबला ड्रा कराया वरन टीम के लिए 3 अंक हासिल किए। आंध्र प्रदेश को 1 अंक मिला।

चौथे दिन 82 रन के साथ उतरे रिंकू ने घरेलू मैदान पर टीम को पिछड़ने से बचाया। पहली पारी में आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में यूपी ने आठ विकेट के नुकसान पर 471 रन बनाकर पारी घोषित की। यूपी टीम ने शनिवार को अंतिम दिन छह विकेट के नुकसान पर 294 रनों से आगे खेलना शुरू किया। इस समय तक टीम संकट के समय से गुजर रही थी। 82 रन के साथ रिंकू और 28 पर विप्रराज ने संभलकर खेलते हुए पारी को आगे बढ़ाया। सातवें विकेट के लिए दोनों के बीच 119 रनों की साझेदारी हुई। रिंकू का शतक पूरा होने के बाद विप्रराज 119 गेंदों में 42 रन बनाकर रशीद की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। इसके बाद रिंकू ने शिवम शर्मा के साथ संभलकर पारी को आगे बढ़ाया और एक छोर से रन तेजी से बनाने का दौर जारी रखा। इसके बाद पीवीएसएन राजू की गेंद पर शिवम 38 रन पर क्लीन बोल्ड हुए। उसके बाद रिंकू ने शिवम मावी (20) के साथ मिलकर खेलते हुए आंध्र प्रदेश पर एक रन की बढ़त बनाकर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक आंध्र प्रदेश से 176 रन पीछे चल रही यूपी टीम ने एक रन की बढ़त हासिल कर मुकाबला ड्रा कराया और यूपी को तीन अंक दिलाए। वहीं, मेहमान टीम आंध्र प्रदेश को एक अंक से ही संतोष करना पड़ा।

'प्लेयर ऑफ द मैच' बने रिंकू

रणजी ट्राफी के पहले ही मुकाबले में 'प्लेयर आफ द मैच' बने रिंकू ने अपनी शैली के विपरीत बल्लेबाजी कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके साथ टिके रहने की क्षमता का परिचय देकर टेस्ट क्रिकेट के लिए भी अपनी दावेदारी पेश कर दी। एक छोर पर टिके रिंकू ने धीरे-धीरे रन बटोर को टीम को पिछड़ने से बचाया और विकेट भी संभाले रखा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में कोहली व रोहित पर रहेंगी नजरें

इस सीरीज के जरिये दोनों के कैरियर की भविष्य को लेकर तय होगी दिशा

समय : पूर्वाह्न 9 बजे से

पर्थ, एजेंसी

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए उतरेगी तो विराट कोहली और रोहित शर्मा की टीम में वापसी से जुड़े जज्बात के अलावा इस प्रारूप में पूर्णकालिक कप्तान बने शुभमन गिल पर भी नजरें रहेंगी। मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के बाद कोहली और रोहित भारतीय टीम में लौटे हैं। पिछले सात महीने में भारतीय क्रिकेट की तस्वीर ही बदल गई है। इस दौरान टी-20 और टेस्ट प्रारूप में कोहली और रोहित के बिना भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ना सीख गया है।

अब सवाल यह है कि वनडे प्रारूप में इन दोनों दिग्गजों के पास देने के लिए क्या है। इसमे कोई दोराय नहीं है कि ये दोनों किसी भी दौर में और किसी भी मानदंड से वनडे क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में गिने जाएंगे। इस सीरीज के लिए दोनों ने कड़ी मेहनत की है। रोहित ने तो कई किलो वजन भी घटाया है और कोहली लंदन में निजी ट्रेनर के साथ फिटनेस पर काम कर रहे थे। आईपीएल के बाद दोनों ने क्रिकेट नहीं खेली है लिहाजा खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। दोनों के लिए अच्छी बात यह है कि उनकी वापसी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हो रही है जिसके सामने उनका रिकॉर्ड अच्छा रहा है। इस सीरीज के जरिये दोनों के कैरियर की भविष्य को लेकर दिशा तय हो सकती है।

रोहित को अब सिर्फ सीनियर खिलाड़ी के तौर पर टीम में अपनी भूमिका को आत्मसात करना होगा। पिछले दो टी20 और वनडे टूर्नामेंटों को उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को आईसीसी खिताब दिलाये हैं और वह मेलबर्न में आखिरी टेस्ट में भी टीम के कप्तान थे।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल (दाएं) और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श एकदिवसीय ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

रोहित, विराट से मेरे रिश्ते में कुछ नहीं बदला है : गिल

पर्थ : पिछले कुछ सप्ताह से सोशल मीडिया पर चाहे जो अटकलबाजी चल रही हो, लेकिन भारत के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली से उनके रिश्ते पहले की तरह मजबूत हैं। मैच के दौरान परेशानी में होने पर वह इन दोनों दिग्गजों से सलाह लेने में हिचकिचायेंगे नहीं। रोहित की जगह गिल को भारत का नया वनडे कप्तान बनाया गया है। उसके बाद से रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही है। गिल की कप्तानी में भारतीय टीम रविवार से ऑस्ट्रेलिा के खिलाफ तीन मैचों की वनडे शृंखला खेलेगी। स्वान नदी के किनारे प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा बाहर भले ही कुछ भी बातें चल रही हो लेकिन रोहित से मेरे रिश्ते नहीं बदले हैं। जब भी मुझे मदद की जरूरत होती है, वह हमेशा उपलब्ध होते हैं। चाहे वह पिच के बारे में पता करना हो या कुछ भी। उन्होंने कहा मैं उनसे जाकर पूछता हूं कि आपको क्या लगता है। अगर आप कप्तान होते तो क्या करते। विराट भाई और रोहित भाई से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं और वे सलाह देने से हिचकिचाते नहीं हैं। 26 वर्ष के गिल को पता है कि इन दोनों धुरंधरों की जगह लेना मुश्किल है

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मैथ्यू कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवन, जोश फिलीप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क।

भारत के खिलाफ खचाखच भरे स्टेडियम में खेलना शानदार अनुभव होगा: मिशेल मार्श

पर्थ, एजेंसी : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने शनिवार को कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम के खिलाफ खचाखच भरे स्टेडियम में खेलना उनकी टीम के लिए शानदार अनुभव होगा। ऑस्ट्रेलिया का ध्यान अगले महीने से शुरू होने वाली एशेज सीरीज पर केंद्रित है, लेकिन इससे पहले उसे भारत के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की शृंखला खेलनी है। मार्श ने रोहित और कोहली के खिलाफ खेलने के बारे में मीडिया से कहा मुझे उनके खिलाफ काफी बार खेलने का सौभाग्य मिला। वे निश्चित रूप से खेल के दिग्गज हैं। विराट का इस प्रारूप में लक्ष्य का पीछा करने के मामले में कोई सानी नहीं है। मुझे लगता है कि आप टिकटों की बिक्री से देख सकते हैं कि बहुत से लोग आकर उन्हें देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा भारत के खिलाफ स्टेडियम को खचाखच भरा देखना हमारी टीम के लिए शानदार अनुभव होगा। मार्श ने कहा कि भारत के खिलाफ शृंखला बड़े स्कोर वाली होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी संयोजन करना होगा दुरुस्त

समय : दोपहर तीन बजे से

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ी। एजेंसी

लगातार दो मैच हारने के बाद अपने अभियान को ढर्रे पर लाने का दबाव झेल रही भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को महिला विश्व कप के अहम मुकाबले में अपने गेंदबाजी आक्रमण को संतुलित करने के लिये छठे गेंदबाज को उतारने पर विचार करना होगा।

विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत की सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। इस विश्व कप सत्र में भारत ने पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों को उतारने की रणनीति अपनाई है और गेंदबाजों में से तीन हरफनमौला हैं। लेकिन विश्व कप में यह संयोजन सटीक नहीं बैठा और अब 'करो या मरो' के बाकी मुकाबलों में भारत को इस पर पुनर्विचार करना होगा। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिये भारत को तीन में से दो मैच हर हालत में जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच गेंदबाजों की रणनीति असफल होने के बावजूद आस्ट्रेलिया के खिलाफ इसमें बदलाव नहीं किया गया जिससे एक और पराजय हाथ लगी। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया ने 251 और 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के गेंदबाजी आक्रमण की कलई खोल दी। हरफनमौलाओं को उतारकर बल्लेबाजी को गहराई देने की भारत की रणनीति के चलते रेणुका सिंह जैसी विकेट लेने वाली गेंदबाज की जगह अमनजोत कौर को तरजीह दी गई है। रेणुका की गैर मौजूदगी से भारत का आक्रमण एक जैसा हो गया है और विविधता देने के लिये उन्हें उतारना ही होगा।

टीम का मनोबल है ऊंचा : दीप्ति

इंदौर : सीनियर आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा कि लगातार हार के बावजूद भारतीय टीम का मनोबल पहले की तरह ऊंचा है और एक सप्ताह के ब्रेक से टीम को रविवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले महिला विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले एकजुट होने और ध्यान केंद्रित करने का मौका मिला है। पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से लगातार हार के कारण भारत को करारा झटका लगा है और अब उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए अपने शेष तीन लीग मैचों में से दो में जीत हासिल करनी होगी। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा हम दो मैच हार गए हैं, लेकिन इससे हमारे मनोबल पर कोई असर नहीं पड़ा है क्योंकि हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में दो अच्छे मैच खेले थे।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
द.अफ्रीका	5	4	1	0	8	-0.440
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	5	0	3	2	2	-1.564
पाकिस्तान	5	0	3	2	2	-1.887

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान मैच बारिश के कारण रद्द

- दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की

कोलंबो: न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच महिला एकदिवसीय विश्व कप ग्रुप मैच शनिवार को यहां बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह पक्की हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही अंतिम चार का टिकट पक्का कर लिया था ऐसे में दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद बारिश के कारण कई बार रुकावट के बाद स्थानीय समयानुसार रात नौ बजे मैच रद्द कर दिया गया। उस समय पाकिस्तान का स्कोर 25 ओवर में पांच विकेट पर 92 रन था।

ज्योति ने विश्व कप तीरंदाजी में कांस्य जीतकर इतिहास रचा

नानजिंग (चीन), एजेंसी

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम। एजेंसी

अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम विश्व कप फाइनल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई, जिन्होंने यहां कांस्य पदक हासिल किया।

एशियाई खेल चैंपियन ज्योति ने दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन को 150-145 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में पोडियम पर जगह बनाई। आठ तीरंदाजों के विश्व कप सत्र के फाइनल में भारत की 29 वर्ष की ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रूइज को 143-140 से हराया था। वह सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक तीरंदाज मैक्सिको की आंद्रिया बेसेरा से 143-145 से हार गई। विश्व कप फाइनल में ज्योति तीसरी बार उतरी थी। इससे पहले वह 2022 और 2023 में पहले दौर में बाहर हो गई थी। भारत की मधुरा धमनगांवकर पहले दौर में मैक्सिको की मरियाना बेरनाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गई। भारत को पुरुष कंपाउंड वर्ग में निराशा हाथ लगी। देश के शीर्ष तीरंदाज ऋषभ यादव शूट-ऑफ में नीदरलैंड के पूर्व विश्व चैंपियन माइक श्लोसेर से हारकर कांस्य पदक से चूक गए। दोनों तीरंदाजों ने निर्धारित पांच छोरों पर केवल तीन अंक गंवाए और स्कोर 147-147 से बराबर रहा। शूट-ऑफ भी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों ने परफेक्ट 10 अंक बनाए, पर श्लोएसर का तीर केंद्र के करीब लगा, जिससे यादव बहुत कम अंतर से पदक से वंचित रह गए।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में तन्वी शर्मा

गुवाहाटी : भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने चीन की लियू सी या के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

सोलह साल की तन्वी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर 15-11, 15-9 से जीत दर्ज की। वह इस तरह इस टूर्नामेंट के फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पूर्व विश्व नंबर एक साइना नेहवाल और अपर्णा पोपट के बाद केवल तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गयी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अब थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्यापत पिचिटप्रीचसाक से होगा। पिचिटप्रीचसाक ने दूसरे सेमीफाइनल में हमवतन यातावीमिन केतक्लियेंग को एक गेम से पिछड़ने के बाद 10-15, 15-11, 15-5 से हराकर वापसी की।

नाराजगी | पक्तिका हमले में क्रिकेटरों की मौत के बाद फैसला, 17 नवंबर से होनी थी त्रिकोणीय सीरीज

पाकिस्तान में सीरीज नहीं खेलेगा अफगानिस्तान

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी हमलों में मारे गए अफगानी क्रिकेट।

अफगानिस्तान ने पक्तिका में तीन अफगान क्रिकेटरों की हत्या के बाद पाकिस्तान की भागीदारी वाली आगामी त्रिकोणीय टी-20 सीरीज से नाम वापिस ले लिया है। अफगानिस्तान ने इसे पाकिस्तानी शासन द्वारा कराया गया कायरतापूर्ण हमला करार दिया है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच सीरीज 17 से 29 नवंबर तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जानी थी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तल्ख बयान में कहा कि अपने खिलाड़ियों कबीर, सिबगतुल्लाह और हारून की शहादत से वह काफी दुखी हैं जिनकी पकतीका प्रांत के अरगुन जिले में पांच अन्य के साथ हत्या कर दी गई थी जब वे प्रांत की राजधानी शराना से एक दोस्ताना मैच खेलकर लौट रहे थे। इस घटना में सात अन्य घायल हुए हैं। एसीबी ने एक बयान में कहा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पक्तिका प्रांत के अरगुन जिले में अपने बहादुर क्रिकेटरों की शहादत पर दुख व्यक्त करता है। पाकिस्तानी शासन ने एक कायरतापूर्ण हमले में उन्हें निशाना बनाया। इसमें कहा गया अफगानिस्तान के खेल जगत, खिलाड़ियों और क्रिकेट परिवार के लिये यह बड़ी क्षति है। पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और इस घटना की जवाबी कार्रवाई में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नवंबर के आखिर में पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय टी-20 सीरीज से नाम वापिस लेने का फैसला किया है। बयान में कहा गया अल्लाह सभी शहीदों को जन्नत बख्शे और घायलों को जल्दी स्वस्थ करे। विभिन्न रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत के अरगुन और बरमाल जिलों में हवाई हमले किए हैं जिससे दोनों देशों के बीच संघर्षविराम भी खत्म हो गया है। पूर्व कप्तान गुलबदिन नायब ने कहा पक्तिका के अरगुन में कायरतापूर्ण सैन्य हमले से हम दुखी हैं जिसमें कई मासूम नागरिकों और क्रिकेटरों की जानें गई हैं।

राशिद खान ने हमले की निंदा की

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों में नागरिकों की मौत से वह काफी दुखी हैं। उन्होंने एक्स पर एक बयान में लिखा नागरिक ठिकानों पर हमला करना अनैतिक और बर्बर है। यह अन्यायपूर्ण और गैर कानूनी कार्रवाई मानवाधिकार का हनन है और इस पर ध्यान जाना चाहिए। राशिद ने कहा मासूमों की मौतों को देखते हुए मैं पाकिस्तान के साथ आगामी सीरीज नहीं खेलने के एसीबी के फैसले के साथ हूं। कठिन समय में अपने वतन के लोगों के साथ हूं। हमारे देश की गरिमा से बढकर कुछ नहीं है।